THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

लोकसभा चुनाव के दौरान सिर्फ सीएपीएफ की नियुक्ति हो : भाजपा

कोलकाता, 4 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सोमवार को चुनाव आयोग की टीम ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। इस बैठक में भाजपा ने आयोग से मांग की कि लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य में सिर्फ सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की तैनाती की जाए। भाजपा ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए यह जरूरी है। पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ ने सोमवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। आयोग के अधिकारी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

वर्ष-28 अंक : 347 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.9/10 2080 मंगलवार, 5 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारतीय अर्थव्यवस्था की उच्च विकास दर को लेकर वैश्विक चर्चा : नरेंद्र मोदी

* अंबारी आदिलाबाद पिंपलखुटी की विद्युतीकरण परियोजना राष्ट्र को समर्पित

* प्रधान मंत्री ने आज आदिलाबाद में 56 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आदिलाबाद में आयोजित एक समारोह में अंबारी आदिलाबाद पिंपलखुटी की विद्युतीकरण परियोजना राष्ट्र को समर्पित की। प्रधानमंत्री ने 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिजली, रेल और सड़क क्षेत्रों से संबंधित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित किया और आधारशिला रखी। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी, आदिलाबाद सदस्य सांसद सोयम बापू राव, आदिलाबाद विधायक पायल शंकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि आदिलाबाद की भूमि न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश से संबंधित विकास परियोजनाओं की गवाह बन रही है क्योंकि 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की 30 विकास परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित/शिलान्यास की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अपने नागरिकों के सपनों को साकार करने के लिए तेलंगाना राज्य को सभी सहायता प्रदान कर रही है।

उन्होंने अंबारी-आदिलाबाद-पिंपलखुटी रेल लाइनों के विद्युतीकरण के पूरा होने और आदिलाबाद, बेला और मुलुगु में दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि ये आधुनिक रेल और सड़क परियोजनाएं तेलंगाना के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के विकास को गति देंगी, साथ ही यात्रा के समय को कम करेंगी, पर्यटन को प्रोत्साहित करेंगी और रोजगार के अनगिनत अवसर पैदा करेंगी। प्रधानमंत्री ने बताया, 800 मेगावाट क्षमता की एनटीपीसी यूनिट 2 का उद्घाटन किया गया है जो तेलंगाना की बिजली उत्पादन क्षमता को और बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री ने राज्यों के विकास से राष्ट्र के विकास का मंत्र दोहराया। उन्होंने कहा कि बेहतर अर्थव्यवस्था से देश में भरोसा बढ़ता है और राज्यों को भी निवेश मिलने से उसका फायदा होता है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की उच्च विकास दर को लेकर वैश्विक चर्चा का उल्लेख किया क्योंकि भारत एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था है जो पिछली तिमाही में 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस गति के साथ, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जिसका मतलब तेलंगाना की अर्थव्यवस्था के लिए भी उच्च विकास होगा। इस अवसर पर बोलते हुए ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना राज्य में विभिन्न बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं का उद्घाटन/समर्पित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, पर्यावरण स्थिरता, रेल और सड़क कनेक्टिविटी से संबंधित ये महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्षेत्र के लोगों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार केंद्र के साथ मिलकर तेलंगाना राज्य के विकास की दिशा में काम करेगा।

स्वागत भाषण के दौरान केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आज 56,000 करोड़ रुपये की कई विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और समर्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में तेलंगाना राज्य में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश लिया गया है। उन्होंने वारंगल में रेल विनिर्माण इकाई, 40 अमृत स्टेशनों के उन्नयन आदि सहित राज्य में शुरू की गई विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। >14

प्रधानमंत्री 6 नए स्टेशन भवनों सहित रेल लाइन के दोहरीकरण और विद्युतीकरण का उद्घाटन करेंगे

-नई एमएमटीएस गाड़ी सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 मार्च को संगारेड्डी में आयोजित समारोह में 6 नए स्टेशन भवनों सहित सनतनगर-मौलाअली रेल लाइन दोहरीकरण और विद्युतीकरण का उद्घाटन करेंगे और घटकेसर-लिंगमपल्ली (बरास्ता मौलाअली- सनतनगर) के बीच नए उपनगरीय सेक्शन में नई एमएमटीएस गाड़ी सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। एमएमटीएस (मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सर्विस) चरण-II परियोजना के हिस्से के रूप में सनतनगर-मौलाअली सेक्शन का दोहरीकरण और विद्युतीकरण पूरा हो गया है। इस परियोजना के अंतर्गत स्वचालित सिगनलिंग प्रणाली के साथ पूरे 22 मार्ग किलोमीटर का निर्माण 343 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इसके अंतर्गत फिरोजगुडा, सुचित्रा सेंटर, भूदेवीनगर, अम्मुगुडा, नेरेडमेट और मौलाअली हाउसिंग बोर्ड स्टेशनों पर छह नए स्टेशन भवनों का निर्माण किया जाएगा। सनतनगर-मौलाअली सेक्शन का दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य पूरा हो जाने से इस सेक्शन में पहली बार यात्री गाड़ियों की शुरूआत की जाएगी। इससे अत्यंत व्यस्त सिकंदराबाद-मौलाअली और सिकंदराबाद-लिंगमपल्ली सेक्शनों पर बोझ कम हो जाएगा। इससे गाड़ियों की रुकौनी कम होगी, गाड़ियों के समयपालन और औसत गति में सुधार होगा। इससे पहले, सनतनगर-मौलाअली सेक्शन इकहरी लाइन थी जिसपर केवल मालगाड़ियां चलती थीं। अब, यह सेक्शन न केवल दोहरीकृत और विद्युतीकृत कर दिया गया है, बल्कि पूरे सेक्शन को यात्री यातायात के लिए भी खोला जा रहा है। >14

नोट लेकर सदन में वोट दिया तो मुकदमा चलेगा

> *सुप्रीम कोर्ट का सांसदों को कानूनी छूट देने से इनकार* > *25 साल पुराना फैसला पलटा*

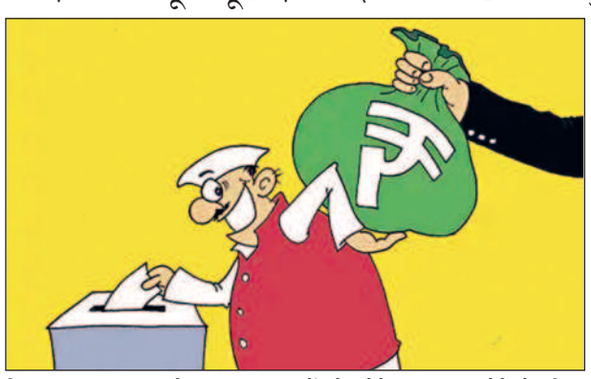

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। रिश्वत लेकर सदन में वोट दिया या सवाल पूछा तो सांसदों या विधायकों को विशेषाधिकार के तहत मुकदमे से छूट नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने सोमवार को 25 साल पुराना फैसला पलट दिया।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस ए एस बोपन्ना, एम एम सुंदरेश, पी एस नरसिम्हा, जेबी पारदीवाला, संजय कुमार और मनोज मिश्रा की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने कहा, हम 1998 में दिए गए जस्टिस पीवी नरसिम्हा के उस फैसले से सहमत नहीं हैं, जिसमें सांसदों और विधायकों को सदन में भाषण देने या वोट के लिए रिश्वत लेने पर मुकदमे से छूट दी गई थी। 1998 में 5 जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने 3:2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

कोर्ट के 3 कमेंट्स...

अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी। आरोप तभी बन जाता है, जिस वक्त सांसद घूस स्वीकार करता है।

संविधान के आर्टिकल 105 और 194 सदन के अंदर बहस और विचार-विमर्श का माहौल बनाए रखने के लिए हैं। दोनों अनुच्छेद का मकसद तब बेमानी हो जाता है, जब कोई सदस्य घूस लेकर सदन में वोट देने या खास तरीके से बोलने के लिए प्रेरित होता है। आर्टिकल 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट हासिल नहीं है। रिश्वत लेने वाला आपराधिक काम में शामिल होता है। ऐसा करना सदन में वोट देने या भाषण देने के लिए जरूरत की श्रेणी में नहीं आता है। सांसदों का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट कर देती है। हमारा मानना है कि संसदीय विशेषाधिकारों के तहत रिश्वतखोरी को संरक्षण हासिल नहीं है।

पीएम मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में नोट लेकर वोट देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- स्वागतम! सुप्रीम कोर्ट का एक बड़ा फैसला जो स्वच्छ राजनीति तय करेगा और व्यवस्था में लोगों का विश्वास गहरा करेगा। यह मामला झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के सांसदों के रिश्वत कांड पर आए आदेश से जुड़ा है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट विचार कर रहा था। आरोप था कि सांसदों ने 1993 में नरसिम्हा राव सरकार को समर्थन देने के लिए वोट दिया था। इस मसले पर 1998 में 5 जजों की बेंच ने फैसला सुनाया था। अब 25 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया है।

यह मुद्दा दोबारा तब उठा, जब जेएमएम सुप्रीमो शिबु सोरेन की बहू और विधायक सीता सोरेन ने अपने खिलाफ जारी आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की याचिका दाखिल की। उन पर आरोप था कि उन्होंने 2012 के झारखंड राज्यसभा चुनाव में एक खास प्रत्याशी को वोट देने के लिए रिश्वत ली थी। सीता सोरेन ने अपने बचाव में तर्क दिया था कि उन्हें सदन में 'कुछ भी कहने या वोट देने' के लिए संविधान के अनुच्छेद 194(2) के तहत छूट हासिल है।

राहुल गांधी की यात्रा का मप्र में तीसरा दिन, केंद्र की नीतियों पर हमला

शिवपुरी, 4 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का मध्य प्रदेश में सोमवार को तीसरा दिन है। शिवपुरी में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने दो मार्च को मध्य प्रदेश में प्रवेश किया था।

तीसरे दिन की यात्रा की शुरूआत राहुल गांधी ने शिवपुरी से की। माधव चौराहे पर आमसभा में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर हमला करते हुए कहा, देश में जानबूझकर जातिगत जनगणना नहीं की जा रही है। मैं हर बार कहता हूं कि जातिगत जनगणना कराएं, जिससे पिछड़ा वर्ग, एससी, एसटी आदिवासी लोगों की संख्या साफ तौर पर निकलकर सामने आ सके। लेकिन इस पर केंद्र सरकार कुछ नहीं कह रही है। राहुल गांधी ने कहा कि देश में तीन बड़े मुद्दे हैं- बेरोजगारी, महंगाई और तीसरा भ्रष्टाचार। लेकिन इन तीनों मुद्दों को गायब कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, आप 15 जून तक दफ्तर खाली करे

> *कोर्ट बोली-ये हाईकोर्ट की जमीन पर अतिक्रमण*
> *ऑफिस के लिए केंद्र से जगह मांगें*

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट परिसर स्थित आम आदमी पार्टी (आप) के ऑफिस को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने आप को 15 जून तक ऑफिस खाली करने का आदेश दिया।

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने आप से अपने ऑफिस के लिए भूमि आवंटन के लिए भूमि एवं विकास कार्यालय से संपर्क करने को कहा। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका आप की तरफ से लगाई गई थी। आप आदमी पार्टी ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। जिसमें उन्हें परिसर खाली करने का आदेश दिया गया था। आप का कहना है, कि वह नेशनल पार्टी है तो उन्हें किसी अच्छी जगह पर ऑफिस बनाने की परमीशन दी जाए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, पार्टी दफ्तर के लिए जमीन के लिए आप को केंद्र के समक्ष आवेदन करना होगा। ये दिल्ली हाईकोर्ट को दी गई जमीन पर अतिक्रमण है। इस जमीन का उद्देश्य राउज एवेन्यू कोर्ट के लिए अतिरिक्त कोर्ट रूम का निर्माण करना है। चूंकि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, इसलिए हम आपको 15 जून तक का समय देते हैं। इससे पहले आप ने 16 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा था, कि पार्टी ने राउज एवेन्यू में दिल्ली हाईकोर्ट की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है। यह जगह उसे 2015 में दी गई थी। आप ने अपनी दलील में यह भी कहा कि वह हाईकोर्ट की जमीन छोड़ने के लिए तैयार है, लेकिन पहले ऑफिस बनाने के लिए उसे दूसरी जगह दी जाए।

आम आदमी पार्टी बोली, नेशनल पार्टी के चलते 2 जगह ऑफिस बनाने के हकदार :

आप की दलील है कि हमें यह जमीन 2015 में दी गई थी। यह तब से हमारे पास है। अब 2023 में लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस कह रहा है कि यह जमीन राउज एवेन्यू कोर्ट के विस्तार के लिए निर्धारित की गई है। यदि कोर्ट के आदेश पर तुरंत जमीन खाली की तो हमारे पास पार्टी ऑफिस के लिए कोई जगह नहीं रहेगी। >14

टीएमसी नेता तापस रॉय का पार्टी और विधायकी से इस्तीफा

ईडी के छापे के दौरान मेरा साथ नहीं दिया, अब मैं आजाद पक्षी

कोलकाता, 4 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तापस रॉय ने पार्टी और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। तापस ने सोमवार (4 मार्च) को अपना फैसला मीडिया को बताया। उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी में मेरे घर पर ईडी के छापे पड़े। इस दौरान पार्टी ने मेरा साथ नहीं दिया।

तापस ने कहा, मैं महसूस कर रहा था कि पार्टी में इज्जत नहीं हो रही है। इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया है। ईडी की टीम 12 जनवरी को मेरे घर पर आई थी। इतने दिन गुजर गए, लेकिन पार्टी ने कोई सपोर्ट या सहानुभूति नहीं जाहिर की। मैंने विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। अब मैं आजाद पक्षी हूं।

तापस ने कहा, तृणमूल मेरे लिए नहीं है। जहां भी मैं देखता हूं वहां इस पार्टी में भ्रष्टाचार दिखता है। कोई दूसरा अपराध करे और बाकी सबको उसकी सजा भुगतनी पड़े, ये सही नहीं है। मैं कई तरह के विवाद झेल रहा था। मैं पार्टी के कामकाज के तरीके से निराश हूं। मैं पार्टी और सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से तंग आ चुका हूं। इन सब के बीच बंगाल सरकार ने संदेशखाली मुद्दे को जिस तरह से हैंडल किया, मैं उसका समर्थन नहीं करता। तापस ने कहा, मैं लंबे अरसे से विधानसभा भी नहीं गया। पार्टी के कार्यक्रमों में भी नहीं जा रहा था।

निचली अदालत ने नहीं की सुनवाई तो मनीष सिसोदिया पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया फिलहाल जेल में बंद हैं। उन्होंने सोमवार को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में उन्हें जमानत देने से इनकार करने वाले अदालत के 2023 के फैसले को चुनौती देने वाली अपनी दो क्यूरेटिव याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की मांग की। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ सोमवार को इस मामले में सुनवाई कर रही थी। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने बताया कि निचली अदालत ने कहा है कि वह क्यूरेटिव फैसला आने तक जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं करेगी। दिल्ली की एक अदालत ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई टालते हुए कहा था कि इस मामले से संबंधित अर्जी उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है।

अमित शाह, जेपी नड्डा समेत कई भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर बदला बायो

लालू यादव के बयान पर पलटवार

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने सोशल मीडिया पर अपना बायो बदल लिया है। भाजपा नेताओं ने अपने बायो में नाम के आगे 'मोदी का परिवार' लिख लिया है। पीएम मोदी के साथ एकजुटता दिखाने के लिए ऐसा किया गया है। दरअसल रविवार को बिहार में जन विश्वास महारैली के दौरान राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने परिवारवाद के मुद्दे पर पीएम मोदी पर निशाना साधा था। उसी के पलटवार में भाजपा नेताओं ने ये रणनीति अपनाई है।

लालू यादव ने पीएम मोदी पर साधा था निशाना :

लालू प्रसाद यादव ने पटना के गांधी मैदान पर आयोजित हुई रैली में कहा कि ये मोदी क्या है? नरेंद्र मोदी इन दिनों परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं, लेकिन पहले उन्हें बताना चाहिए कि उनके पास परिवार और बच्चे क्यों नहीं हैं। जिन लोगों के ज्यादा बच्चे हैं, उन्हें वे (पीएम मोदी) वंशवादी राजनीति बता रहे हैं। आपके परिवार नहीं है...आप हिंदू भी नहीं हैं। हर हिंदू अपनी मां के मरने पर मुंडन कराता है, लेकिन आपने अपनी दाढ़ी और बाल क्यों नहीं कटवाए, इसका जवाब दीजिए।

पीएम मोदी ने भी दिया जवाब :

लालू प्रसाद यादव के आरोपों पर पीएम मोदी ने तेलंगाना की जनसभा में परोक्ष रूप से जवाब भी दिया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में डूबे विपक्षी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है।

संसद में सवाल के बदले रिश्वत मामले में महुआ को हाईकोर्ट से झटका

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने महुआ की उस अर्जी को खारिज किया है, जिसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई को ऐसी कोई भी सामग्री पोस्ट करने, प्रकाशित करने, अपलोड करन से रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने संसद में प्रश्न पूछने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत ली थी।

तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे।

सनातन धर्म खत्म कर दो बयान पर उदयनिधि को फटकार

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सीएम एम के स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन को उनके बयान "सनातन धर्म को खत्म कर दो" पर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल किया है। आप कोई आम आदमी नहीं है, आप मंत्री हैं। आपको बयान के नतीजों के बारे में सोचना चाहिए था।

उदयनिधि के बयान के बाद उनके खिलाफ कई राज्यों में एफआईआर दर्ज की गई हैं। उदयनिधि ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की थी कि सभी एफआईआर को एक जगह कर दिया जाए। उदयनिधि की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में पेश हुए थे। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्त की बेंच ने अपील पर सुनवाई की। अदालत अब 15 मार्च को इस पर सुनवाई करेगी।

उदयनिधि ने सनातन धर्म की डेंगू-मलेरिया से तुलना की थी

सितंबर 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म जाति और भेदभाव पर आधारित है और इसे खत्म कर दिया जाना चाहिए। इसके बाद उदयनिधि के खिलाफ तमिलनाडु, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, बिहार, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में एफआईआर दर्ज की गई थीं।

दिल्ली में 18+ महिलाओं को हर महीने मिलेंगे एक हजार

बजट के दौरान वित्त मंत्री की घोषणा, राम राज्य के लिए 9 साल दिन-रात मेहनत की

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी मार्लेना ने सोमवार (4 मार्च) को साल 2024-25 के लिए 76,000 करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

आतिशी ने बजट में 18 साल से ऊपर की महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए देने की घोषणा की है। इसके लिए सरकार महिला सम्मान योजना लेकर आई है। आतिशी ने विधानसभा में बजट के दौरान अपने भाषण में कहा, अब तक अमीर का बच्चा अमीर होता था, गरीब का बच्चा गरीब ही रह जाता था। यह राम राज्य की परिकल्पना के उलट था। केजरीवाल सरकार ने इसे बदला है। आज मजदूरों के बच्चे भी मैनेजिंग डायरेक्टर बन रहे हैं।

दिल्ली में राम राज्य

आतिशी ने कहा, इस सदन में मौजूद सभी लोग भगवान राम से प्रेरित हैं। हम पिछले 9 साल से राम राज्य का सपना पूरा करने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। हमने दिल्ली के लोगों को खुशहाली देने की कोशिश की है। अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है, लेकिन हमने पिछले 9 साल में काफी कुछ कर भी दिया है।

स्कूली शिक्षा पर फोकस

आतिशी ने कहा, केजरीवाल सरकार ने पुरानी चीजों को बदल दिया है। अब दिल्ली में मजदूरों के बच्चे मैनेजिंग डायरेक्टर बन रहे हैं। केजरीवाल सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले 2121 बच्चों ने जी और नीट के एग्जाम पास किए। शिक्षा हमारी सरकार की प्राथमिकता है। 2015 में हमने शिक्षा बजट को दोगुना कर दिया। हमने अपने बजट का एक चौथाई हिस्सा सिर्फ शिक्षा पर खर्च किया है। इस साल हमने शिक्षा के लिए 16 हजार 396 करोड़ का बजट रखा है।

दिल्ली की बदलती तस्वीर

दिल्ली की वित्त मंत्री बोलीं, 2014 में दिल्ली की डीएसडीपी 4.95 करोड़ थी और पिछले 10 साल में ये करीब ढाई गुना बढ़कर 11.08 लाख करोड़ हो गई है। प्रति व्यक्ति आय 2014 में 2.47 लाख सालाना थी और अब ये 4.62 लाख हो गई है। हमने सिर्फ केजरीवाल सरकार का 10वां बजट ही नहीं पेश किया है, बल्कि 10 सालों में दिल्ली की बदलती तस्वीर को पेश किया है।

चंडीगढ़ निगम में इंडिया की हार

सीनियर डिप्टी मेयर-डिप्टी मेयर चुनाव भाजपा जीती; आप-कांग्रेस के जॉइंट कैंडिडेट हारे

चंडीगढ़, 4 मार्च (एजेंसियां)। चंडीगढ़ नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव में इंडिया गठबंधन को पहली हार मिली। भाजपा के प्रत्याशी कुलजीत संधू 3 वोट से सीनियर डिप्टी मेयर चुनाव जीते। उन्हें 19 और आप-कांग्रेस कैंडिडेट गुरप्रीत सिंह गावी को 16 वोट मिले, जबकि गठबंधन का एक वोट इनवैलिड हो गया। वहीं डिप्टी मेयर पद पर भाजपा के प्रत्याशी राजेंद्र शर्मा को 2 वोट से जीत मिली। राजेंद्र को 19 और आप-कांग्रेस कैंडिडेट निर्मला देवी को 17 वोट मिले।

इस इलेक्शन के लिए रिटर्निंग अफसर मेयर कुलदीप कुमार को बनाया गया। कुलदीप आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद हैं, लेकिन कांग्रेस के सपोर्ट से वह मेयर बने हैं। हालांकि पहले चुनाव अधिकारी अनिल मसीह ने 8 वोट इनवैलिड कर भाजपा के मनोज सोनकर को मेयर बना दिया था। फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो कुलदीप कुमार विजेता घोषित कर दिए गए। मेयर चुनाव के वक्त आप-कांग्रेस के इंडिया गठबंधन के पास बहुमत था। उनके पास 20 वोट थे, जबकि भाजपा के पास सांसद और अकाली दल का मिलाकर 16 वोट थे। मगर, मेयर चुनाव के बाद 3 पार्षद आप छोड़कर भाजपा में चले गए। जिसके बाद भाजपा के पास 17 पार्षद, एक सांसद और एक अकाली दल के पार्षद का मिलाकर 19 वोट हो गए। वहीं आप-कांग्रेस के पास आप के 10 और कांग्रेस के 7 मिलाकर 17 वोट रह गए।

रोचक खबरें

17 साल के लड़के ने ट्रेन को ही बना लिया घर

उसी में खाना-पीना और सोना सब, हो रही मोटी कमाई

ट्रेन में सफर करना, इतना आसान नहीं होता. बदबूदार डिब्बे, साफ-सफाई की दिक्कत. हर कोई चाहता है कि जल्द घर आ जाए और वह उतर जाए. लेकिन 17 साल के एक लड़के ने ट्रेन को ही घर बना लिया है. ट्रेन में ही रहता है. खाना-पीना और सोना सबकुछ उसी में. ट्रेन को ही दफ्तर बना लिया है. वहीं से काम करता है और लाखों रुपये की कमाई भी. लेकिन इसके पीछे कोई मजबूरी नहीं, वह खुशी-खुशी ऐसा करता है. दूसरों को भी बता रहा कि फ्लैट का महंगा किराया छोड़कर आप भी ट्रेन में आ जाओ।

रिपोर्ट के मुताबिक, जर्मनी का रहने वाला लेसे स्टॉली जब सिर्फ 16 साल का था, तब उसे यह आइडिया आया. उसे ट्रेन में चलने का शौक था. उसने मम्मी-पापा से कहा कि वह ट्रेन में ही रहना चाहता है. पहले तो मम्मी-पापा ने मना किया. लेकिन बाद में उसकी बातें सुनकर वे भी राजी हो गए. उसका सारा सामान बेच दिया. उसका फ्लैट छोड़ दिया, और ट्रेन में उसके रहने का इंतजाम किया. आप सोच रहे होंगे कि कैसे कोई ट्रेन में रह सकता है? लेकिन ये सच है.

फर्स्ट क्लास कोच में सफर

लेसे स्टॉली कानूनी रूप से ट्रेन में रहता है. वह फर्स्ट क्लास कोच में सफर करता है. रात को ट्रेनों में ही सोता है. डीबी लाउंज में नाश्ता करता है. वहीं के स्विमिंग पूल में स्नान करता है. हर दिन वह लगभग 1000 किलोमीटर की दूरी तय करता है. अच्छी-अच्छी जगहों पर जाता है. जहां मन करता है, वहां रुकता है. घूमने वाली जगहों को एक्सप्लोर करता है. आप सोच रहे होंगे कि इसके लिए तो काफी किराया चुकाना पड़ता होगा? जी हां, अगर आप रोजाना टिकट लेंगे तो किराया काफी महंगा पड़ेगा. लेकिन लेसे के पास जर्मन रेल का एनुअल रेलकार्ड है. सिर्फ 8,500 पाउंड यानी 8.5 लाख रुपये में यह मिलता है, जसिसे आप सालभर कहीं भी फर्स्ट क्लास में सफर कर सकते हैं. कसिी भी ट्रेन से जा सकते हैं।

ऊंचे से ऊंचे नारियल पेड़ पर उल्टा चढ़ जाता है ये 'देसी स्पाइडर मैन'

पहले नहीं देखा होगा ऐसा टैलेंट

देश में प्रतिभा और प्रतिभाशाली लोगों की कोई कमी नहीं हैं. यहां आए दिन कुछ न कुछ अजीबोगरीब होता रहता है. हाल में ही कर्नाटक के गडग में एक युवक की महज एक मिनट में ही नारियल के पेड़ पर उल्टा चढ़ने की वीडियो वायरल हुई है. शिरहट्टी गांव के 22 वर्षीय ईश्वर जिदगन्नावर बताते हैं कि उनके बचपन से ही इमारतों पर चढ़ने का शौक रहा है. उनका सपना है कि वह गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाए।

आमतौर पर जहां माउंटेनियर या पर्वत रोहियों को नार्मल 40 से 50 फुट ऊंचे नारियल के पेड़ पर चढ़ने के लिए 4-5 मिनट लगता है. वहीं ईश्वर को उल्टा चढ़ने में मात्र 1 मिनट लगता है.नारियल के पेड़ पर उल्टा चढ़ने वाले उनका वीडियो ने इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. दर्शक उनके इस आसाधरण कौशल को खूब सराह रहे हैं. लोकल 18 की टीम से बात करते हुए ईश्वर बताते हैं कि पहली बार वह जब वह उल्टा चढ़ने का प्रयास किये थे. तब वह मात्र 15 फिट ही चढ़ पाए थे और उस समय ज्यादा वक्त भी लगा था. लेकिन नारियल के पेड़ पर उल्टा चढ़ने का अभ्यास उन्होंने 2 सालों तक किया जिसका नतीजा यह निकलकर आया कि अब वह मात्र 1 मिनट में 60 फिट नारियल पेड़ पर उल्टा चढ़ जाते हैं।

ईश्वर नारियल के पेड़ पर चढ़ने में इतने पारंगत हो गये हैं कि वह बिना किसी सुरक्षा के नारियल के पेड़ पर चढ़ते हैं. यहां तक की वह हाथ में दस्ताना तक नहीं पहनते हैं. ईश्वर का मानना है कि चित्रदुर्ग किले के पर्वतारोही कोटि राम की तरह नाम कमाना चाहता है. आगे उन्होंने कहा कि वह अब 100 फिट नारियल के पेड़ पर चढ़ने का प्लान बना रहे हैं.

14 साल के लड़के ने बनाया देश खुद बन बैठा राष्ट्रपति

तैयार कर लिया झंडा भी, अब बसने वालों की लगी है लाइन!

14 साल का लड़का पढ़ाई में अव्वल आ सकता है. अगर वो बहुत क्रिएटिव हुआ तो कुछ नया बना सकता है या स्पोर्ट्स में कुछ अच्छा कर सकता है. कोई ये तो नहीं सोच सकता कि इस उम्र में कोई अपना देश बनाकर चलाने लगेगा. सुनने में ये जितना अजीब है, दरअसल ये घटना भी उतनी ही अनोखी है वरना कोई इस उम्र में किसी देश का प्रेसिडेंट कैसे बनेगा और कौन उसे प्रेसिडेंट मानेगा? आमतौर पर जिस उम्र में लड़के गंभीर होना शुरू कर देते हैं और अपने भविष्य के बारे में समझने की कोशिश कर रहे होते हैं, उस उम्र में एक लड़का पूरा का पूरा देश संभालने लगा. इस लड़के का नाम डेनियल जैकसन है और उसने साल 2019 में कुछ लोगों के साथ मिलकर एक देश की स्थापना कर ली और खुद इसका प्रेसिडेंट बन गया।

डेलीस्टार की रिपोर्ट के मुताबिक रिवर दैनुबे के पास द फ्री रिपब्लिकन ऑफ वरदिस नाम का एक देश है. ये देश सिर्फ 0.2 स्क्वायर मील यानि पार्क से भी छोटा होगा. इस देश का राष्ट्रपति डेनियल जैकसन है. उसने माई लंदन से बात करते हुए बताया कि सिर्फ 14 साल की उम्र में उसने कुछ लोगों के साथ मिलकर इस देश की स्थापना की क्योंकि इस जगह पर किसी का कब्ज़ा नहीं था. इन्हीं लोगों ने उसे द फ्री रिपब्लिकन ऑफ वरदिस नाम के इस माइक्रोनेशन का राष्ट्रपति चुन लिया. इस देश में जाने का सिर्फ एक ही रास्ता है, जो 5 मील तक नाव से होकर आता है। डेनियल जैकसन के इस देश में वो व्यवस्थाएं बनाना चाहते हैं. अब 19 साल के हो चुके डेनियल का कहना है कि उन्होंने यूक्रेन को युद्ध के दौरान मदद भी पहुंचाई है. अब तक 400 लोग इस देश की नागरिकता ले चुके हैं और 15000 लोगों ने इसके लिए साइन इन किया है और वे नागरिकता के लिए इंतज़ार कर रहे हैं.

जगन्नाथ मंदिर में घुसे बांग्लादेशी नागरिक

अनाधिकृत प्रवेश पर पुलिस ने नौ को हिरासत में लिया

पुरी, 4 मार्च (एजेंसियां)। पुरी के जगन्नाथ मंदिर में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने के आरोप में ओडिशा पुलिस ने नौ बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने कुछ बांग्लादेशी नागरिकों को मंदिर के भीतर जाते देखा। उन्होंने सिंहद्वार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। पुरी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसपी सुशील मिश्र ने कहा, हमें शिकायत मिली कि कुछ गैर हिंदू बांग्लादेशी मंदिर में प्रवेश कर गए हैं। हमने नो बांग्लादेशियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। मंदिर के नियम के अनुसार केवल हिंदू ही यहां प्रवेश कर सकते हैं। अगर गैर हिंदू इस मंदिर में प्रवेश करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हिरासत में लिए गए बांग्लादेशियों के पासपोर्ट की जांच की जा रही है। इस दौरान उनमें से एक व्यक्ति हिंदू पाया गया। अन्य पासपोर्ट की भी जांच जारी है। प्राथमिकी जांच से मालूम चला है कि नौ में से चार ने मंदिर में प्रवेश किया था।

केजरीवाल बोले-ईडी का समन गैरकानूनी

एजेंसी से कहा-12 मार्च के बाद की तारीख दीजिए, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश हो जाऊंगा

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने शराब नीति घोटाला मामले में ईडी के बार-बार समन भेजे जाने पर सोमवार (4 मार्च) को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ईडी का समन गैरकानूनी है, पर वे फिर भी जवाब देने को तैयार हैं। केजरीवाल ने एजेंसी से कहा- मुझे 12 मार्च के बाद की तारीख दीजिए। उसके बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो जाऊंगा।

ईडी ने शराब घोटाला केस में पूछताछ के लिए केजरीवाल को अब तक 8 समन भेजे हैं। हालांकि, केजरीवाल एक बार भी एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। उन्हें आठवां समन 27 फरवरी को भेजा गया था और 4 मार्च को पेश होने को बुलाया गया। इससे पहले 26 फरवरी, 22 फरवरी, 2 फरवरी, 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर और 2 नवंबर को भी उन्हें समन भेज गया था। केजरीवाल जब 26 फरवरी को ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे, तब आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा था- मामला कोर्ट में लंबित है और इसकी सुनवाई 16 मार्च को है। रोजाना समन भेजने की जगह ईडी को कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। हम इंडिया अलायंस नहीं छोड़ेंगे। मोदी सरकार को इस तरह हम पर दबाव नहीं बनाना चाहिए।

कोर्ट में 16 मार्च को समन पर सुनवाई

वहीं, ईडी ने लगातार समन के बावजूद केजरीवाल के पेश नहीं होने पर राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका लगाई थी। कोर्ट ने 14 फरवरी को केजरीवाल से कहा था कि आप 17 फरवरी को अदालत में हाजिर होकर पेशी में न जाने की वजह बताएं। तब केजरीवाल दिल्ली विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और बजट सेशन के कारण वर्चुअली कोर्ट में पेश हुए थे। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि हम अगली सुनवाई 16 मार्च को करेंगे। केजरीवाल उस दिन कोर्ट में पेश होंगे।

ईडी को गिरफ्तारी का अधिकार

सीएम केजरीवाल के बार-बार पेश नहीं होने पर ईडी उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी कर सकती है। उसके बाद भी पेश नहीं हुए तो धारा 45 के तहत गैर जमानती वारंट जारी कर सकती है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के जानकार बताते हैं कि पेश नहीं हो पाने की ठोस वजह बताई जाती है तो ईडी समय दे सकती है। फिर दोबारा नोटिस जारी करती है। पीएमएलए में नोटिस की बार-बार अवहेलना पर गिरफ्तारी हो सकती है।

अगर सीएम केजरीवाल आगे भी पेश नहीं होते हैं तो जांच अधिकारी आवास पर जाकर पूछताछ कर सकते हैं। ठोस सबूत होने पर या सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर सकते हैं। वहीं, केजरीवाल वारंट जारी होने के बाद कोर्ट जा सकते हैं और अपने एडवोकेट की मौजूदगी में जांच में सहयोग करने का वादा कर सकते हैं। इस पर कोर्ट ईडी को उन्हें गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दे सकता है।

असम के काजीरंगा नेशनल पार्क जाएंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री रात वहीं बिताएंगे, जीप सफारी और हाथी की सवारी भी करेंगे

गुवाहाटी, 4 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 और 9 मार्च को असम के काजीरंगा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री 8 मार्च की शाम नेशनल पार्क पहुंचेंगे और रात वहीं बिताएंगे।

इस दौरान पीएम जीप सफारी पर निकलेंगे और हाथी की सवारी भी करेंगे। डिवीजनल फॉरेस्ट अफसर अरुण विग्नेश ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर 7 से 9 मार्च तक काजीरंगा नेशनल पार्क आम लोगों के लिए बंद रहेगा। काजीरंगा को नेशनल पार्क का दर्जा 1974 में मिला था और इस साल काजीरंगा इस उपलब्धि की गोल्डन जुबली मना रहा है। पीएम मोदी 9 मार्च को जोरहाट में विश्व प्रसिद्ध अहोम जनरल लाचित बरफुकन की 125 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके अलावा वे प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत बनाए गए 5.5 लाख घरों के लिए गृह प्रवेश समारोह में शामिल होंगे और लाभार्थियों को घर सौपेंगे। पीएम शिवासागर में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करेंगे और जोरहाट के मेलेंग मेटेली पोथार में जनसभा में स्पीच देंगे। मार्च को प्रधानमंत्री अरुणाचल जाएंगे, जहां वे वेस्ट कामेंग में सेला टनल का उद्घाटन करेंगे। असम के बाद प्रधानमंत्री 9 मार्च को अरुणाचल प्रदेश का भी दौरा करेंगे। अरुणाचल प्रदेश में वे पश्चिम कामेंग में सेला सुरंग का उद्घाटन करेंगे। फिर पीएम मोदी ईटानगर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

आसनसोल से चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद भाजपा अध्यक्ष से मिले पवन सिंह

राजनीतिक भविष्य पर कही ये बात

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल के आसनसोल से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद सोमवार को पवन सिंह दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस बैठक के बाद पवन सिंह ने मीडिया से कहा कि जो कुछ भी होगा वह अच्छा होगा। पवन सिंह ने अपनी बातचीत का ब्योरा दिए बिना कहा कि भाजपा अध्यक्ष से हमारी बात हुई है, आगे जो भी होगा अच्छा होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या आप आगे चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा कि आगे जो भी होगा अच्छा होगा। अब समय बताएगा। जो भी होगा, हम आप लोगों से साझा जरूर करेंगे। अभी थोड़ा इंतजार कीजिए।

बढ़ते तापमान के बीच बंगलूरू में पानी की किल्लत, निजी जल टैंकरों का दोगुना हुआ दाम, एडवायजरी जारी

बंगलूरू, 4 मार्च (एजेंसियां)। अपनी मध्यम जलवायु के लिए मशहूर बेंगलूरू में तापमान इनदिनों 34-35 डिग्री तक पहुंच गया है। फरवरी की शुरुआत से ही बढ़ते तापमान ने चिंताएं पैदा कर दी है। हीटवेव की चुनौतियों को देखते हुए कर्नाटक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने एक एडवायजरी जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, यह सलाह सभी पर लागू होती है। खासकर गर्भवती महिलाओं, शिशुओं, बाहरी श्रमिकों, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप वाले व्यक्तियों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। फरवरी में अस्वभाविक गर्मी को अल-नीनो प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

'सदन से कोई भी बाहर नहीं जाना चाहिए'

विधानसभा में सीएम भगवंत मान और नेता विपक्ष के बीच तीखी बहस

चंडीगढ़, 4 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मचे हंगामे को लेकर स्पीकर कुलदीप सिंह संधावा को यह सलाह दे डाली कि स्पीकर विधानसभा के गेट पर ताला लगा दें कि जिससे कोई भी विपक्षी दल का विधायक सदन से बाहर जा ही न सके। इस दौरान सीएम भगवंत मान और नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के बीच सदन के अंदर इतना हंगामा मच गया कि स्पीकर के लिए भी स्थिति को कंट्रोल करना मुश्किल हो गया। दरअसल, सीएम भगवंत मान ने स्पीकर कुलदीप सिंह को ताला और चाबी गिफ्ट करते हुए कहा कि इसे सदन के बाहर लगा दीजिए, जिससे विपक्ष बाहर न निकल पाए और यहां सदन के अंदर बैठकर सच सुने। सीएम भगवंत मान ने कहा कि विपक्ष बहाना बनाकर भागने की कोशिश करेगा, इन्होंने राज्यपाल का भाषण तक पूरा नहीं होने दिया है, सीएम भगवंत मान ने स्पीकर से गुजारिश की कि विपक्षी दलों के विधायकों को भागने ही न दिया जाए।

सीएम भगवंत मान लगातार विपक्षी नेताओं पर हमला बोलते रहे। इस पर नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजपा भड़क गए। बाजवा बोलने के लिए खड़े हुए तो उनका माइक ही बंद कर दिया गया। इसके बाद सीएम भगवंत मान ने ताला चाबी और नेता विपक्ष को लेकर कहा कि एक और ताला देता हूं, बाजवा के मुंह पर लगा दीजिए। नेता विपक्ष और सीएम भगवंत मान के बीच बहस इतनी ज्यादा बढ़ गईं कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के विधायकों के बीच भी हाथापाई की नौबत भी आ गई।

बेटे ने सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही थी

अब सीएम स्टालिन की पत्नी मंदिर में कर रहीं पूजा

चेन्नई, 4 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बीते दिनों अपने एक बयान में सनातन धर्म के खिलाफ आग उगली थी और सनातन धर्म की तुलना डेंगू-मलेरिया से करते हुए धर्म को खत्म करने की मांग तक कर डाली थी। अब उनकी उदयनिधि स्टालिन की मां दुर्गा स्टालिन मंदिर में पूजा कर रही हैं। दुर्गा स्टालिन सोमवार को राज्य के मेयिलादुथुरई जिले के थिरुवेंगाडु स्थित श्री सुवेधरनायेश्वर स्वामी मंदिर पहुंची और वहां पूरे विधि-विधान से पूजा की। उदयनिधि स्टालिन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि 'कुछ चीजों का न सिर्फ विरोध होना चाहिए बल्कि उन्हें जड़ से खत्म कर दिया जाना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया और कोरोना वायरस का विरोध नहीं कर सकते, इन्हें खत्म करना होगा। इसी तरह सनातन का खत्म करना है।' उदयनिधि के बयान से काफी हंगामा हुआ था और ये मामला हाईकोर्ट में भी गया। हाईकोर्ट ने भी उदयनिधि को उनके बयान के लिए फटकार लगाई थी। अब उन्हीं उदयनिधि स्टालिन की मां का मंदिर में पूजा अर्चना करने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मामले दर्ज हुए। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी उदयनिधि स्टालिन को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि आप कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। आप एक मंत्री है और आपको ऐसी टिप्पणियों के नतीजे पता होने चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आप अभिव्यक्ति के अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और फिर अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट के पास सुरक्षा के लिए आ जाते हैं। उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में मामले दर्ज हैं और स्टालिन के वकील ने सभी मामलों की एक साथ सुनवाई करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

मूर्ति पूजा के खिलाफ है डीएमके

सीएम स्टालिन की पत्नी का मंदिर में पूजा करना इसलिए भी चौंकाता है क्योंकि डीएमके पार्टी की विचारधारा मूर्ति पूजा विरोधी मानी जाती है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 5 मार्च, 2024 3

युविचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीने में होती है

रेवंत रेड्डी ने पीएम को बड़ा भाई बताया

हम तेलंगाना के लिए आपका आशीर्वाद चाहते हैं

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य और केंद्र सरकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार एनटीपीसी में 2,400 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए सभी अनुमतियां प्रदान करेगी। एपी पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, एनटीपीसी में 4,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाना था। लेकिन पिछली सरकार की नीतियों के कारण 1,600 मेगावाट बिजली पैदा की जा रही थी। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी उत्पादित बिजली का 85 प्रतिशत तेलंगाना को आपूर्ति करेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद पहली बार तेलंगाना दौरे पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित कर रहे थे, जिसमें प्रधानमंत्री ने वस्तुतः दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, सनतनगर-मौलाअली रेल लाइन के दोहरीकरण और विद्युतीकरण, बेगमपेट हवाई अड्डे पर नागरिक उड्डयन अनुसंधान संगठन सहित अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

रेवंत रेड्डी ने कहा यदि राज्य और केंद्र सरकारों के बीच कटुसंबंध बने रहेंगे, तो लोगों को नुकसान उठाना पड़ेगा और राज्य का विकास प्रभावित होगा। राजनीति को चुनाव तक सीमित रखना होगा और बाद में चुने गए जन प्रतिनिधियों को राज्य के विकास के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा, इन पहलुओं पर विचार करते हुए, कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद, एपी पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार तेलंगाना से किए गए वादों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। प्रधानमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और छावनी क्षेत्र में स्काईवे के निर्माण के लिए 190 एकड़ रक्षा भूमि आवंटित की गई। इसी तरह, जब केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से आईआईएचटी को मंजूरी देने की अपील की गई, तो इसे राज्य को मंजूरी दे दी गई। मुख्यमंत्री ने मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार के प्रति कोई कटु रवैया नहीं अपनाया जाएगा। प्रधानमंत्री बड़े भाई की तरह हैं। जब तक प्रधानमंत्री पूर्ण समर्थन नहीं देते, मुख्यमंत्री संबंधित राज्यों में विकास कार्यों को निष्पादित नहीं कर सकते हैं।

रेवंत रेड्डी ने कहा यदि तेलंगाना को गुजरात की तरह विकसित करना है, तो हमें आपके समर्थन की आवश्यकता है। केंद्र सरकार भारत को पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने की इच्छा रखती है। उन्होंने कहा, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद सहित पांच महानगर हैं और हमारा शहर उनमें से एक है। रेवंत रेड्डी ने कहा, हम आपकी पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में योगदान देना चाहते हैं और कृपया आपके (प्रधानमंत्री) द्वारा विकसित साबरमती नदी की तर्ज पर मेट्रो रेल, रिवर मुसी डेवलपमेंट फ्रंट के साथ हमारा समर्थन करें। राज्य सरकार सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने का भी प्रस्ताव कर रही है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने हाल ही में प्रोत्साहनों की घोषणा की थी और हैदराबाद सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए सही जगह है। यह कहते हुए कि आदिलाबाद सूखाग्रस्त और पिछड़ा जिला है, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार तुम्मादिहाटी सिंचाई परियोजना का प्रस्ताव कर रही है और महाराष्ट्र में 1,850 एकड़ के अधिग्रहण के लिए मुआवजा वहन करने के लिए तैयार है। रेवंत रेड्डी ने कहा, हम तेलंगाना के लिए आपका आशीर्वाद चाहते हैं

लोग फिर से बीआरएस को अपनाएंगे : केसीआर

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख केसीआर ने सोमवार को कहा कि चुनाव में जीत और हार स्वाभाविक है। लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा अपनाई गई नीतियों से लोग फिर से बीआरएस की ओर आएंगे, ऐसा कहते हुए उन्होंने बीआरएस कार्यकर्ताओं में उम्मीद जगाने कि कोशिश की और लोकसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की सफलता के लिए काम करने का आव्हान किया।

तेलंगाना भवन में सोमवार को बात करते हुए केसीआर ने कहा की जनता द्वारा विधायकों को विरोध के कारण बीआरएस विधानसभा चुनाव हार गई। केसीआर ने विधानसभा चुनाव के नतीजों और लोकसभा चुनाव में अपनाई जाने वाली रणनीतियों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विधायकों के प्रति जनता के विरोध के बावजूद ऐसी अपरिहार्य स्थितियां हैं जहां उम्मीदवारों को बदलना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के प्रदर्शन पर जनपक्षधरता के बावजूद विधायकों के विरोध ने नतीजों को बिगाड़ दिया है। जब वह संयुक्त एपी में तेलुगु देशम पार्टी में थे... तो उन्होंने एनटीआर को समझाया कि टीडीपी कैसे हारेगी।

केसीआर ने कहा कि लोग कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद लागू की गई योजनाओं की तुलना बीआरएस के सत्ता में रहने के दौरान लागू की गई योजनाओं से कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा जनता से किये गये वादों पर अमल नहीं होने का मुद्दा व्यापक रूप से जनता के बीच ले जाना चाहिए।

बाबा गंगारामजी का 21 वां वार्षिक अमृत महोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 4 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्त्वावधान में बाबा गंगारामजी का 21 वां वार्षिक अमृत महोत्सव धार्मिक अनुष्ठान एवं सुमधुर भजनों के मध्य आयोजित हुआ, जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

सिकन्दराबाद स्थित हरियाणा भवन में हुए बाबा गंगारामजी अमृत महोत्सव समारोह का शुभारंभ अखण्ड ज्योत प्रज्ज्वलन एवं सामूहिक अमृतवाणी के साथ हुआ।

भजन संध्या में गायक घनश्याम शर्मा ने प्रस्तुती दी। इस अवसर पर कोलकाता के गायक केशव मधुकर ने नाट्य कलाकारों के साथ बाबा गंगारामजी की जीवनी पर आधारित भव्य नृत्य नाटिका का मंचन किया।

कार्यक्रम में ए.के. केजरीवाल, विष्णु सराफ, पवन डिडवानिया, हरिनारायण व्यास, वाईएस श्रीनिवास राव, केशव शर्मा, श्याम गोयन्का, संजय जालान, गौरव अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, अमित मोदी, शरद संघवी, विनोद अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, अंकुर मोदी, पवन गोयल, संतोष टाटिया, विकास गोयल, उमेश अग्रवाल, बाबू विश्वकर्मा, मनीष तालुका, अनिल अग्रवाल एवं भक्तों ने बडी संख्या में भाग लिया।

डीसीए ने मारा क्लीनिकों पर छापा, झूठे दावों वाले नकली जैविक तेल जब्त

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने भ्रामक स्वास्थ्य लाभ दावों को बढ़ावा देने के लिए शालिबंडा में एक क्लिनिक से 'एआईओ ऑर्गेनिक बादाम तेल, अखरोट तेल और कलौंजी तेल' जब्त किया। छापेमारी में इन उत्पादों के निर्माण स्थल को निशाना बनाया गया, जिनके दावे झूठे पाए गए। अधिकारियों ने 21 हजार रुपये का स्टॉक जब्त कर लिया।

एक अलग घटना में, डीसीए ने सतर्कता और प्रवर्तन अधिकारियों के सहयोग से, नलगोंडा जिले के दामरचेरला मंडल के इरिकिगुडेम गांव में एक झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक पर छापा मारा और बिक्री के लिए जाने वाली दवाओं को जब्त कर लिया। नलगोंडा जिले के एक झोलाछाप डॉक्टर, दसारी मल्लैया ने 'ग्रामीण चिकित्सा व्यवसायी' होने का दावा किया था, लेकिन उचित योग्यता के बिना चिकित्सा का अभ्यास कर रहा था।

ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम 1954 कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह और मोटापे जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज का दावा करने वाले भ्रामक विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाता है।

आगे की जांच की जाएगी, और बीमारी के उपचार के बारे में भ्रामक विज्ञापन के लिए ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम 1954 के तहत अपराधियों के खिलाफ कानूनी कारवाई की जाएगी।

छापेमारी में एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एनाल्जेसिक, कफ सिरप और अन्य सहित दवाओं के बड़े भंडार का पता चला, जिनकी कीमत 45,000 रुपये थी, जो बिना किसी दवा लाइसेंस के संग्रहीत थीं। अधिकारियों ने अयोग्य व्यक्तियों द्वारा एंटीबायोटिक दवाओं की अंधाधुंध बिक्री से जुड़े गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों को उजागर करते हुए उच्च पीढ़ी के 'एंटीबायोटिक इंजेक्शन' भी जब्त कर लिए।

विश्लेषण के लिए नमूने एकत्र किए गए, और अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

थोक विक्रेता और डीलर जो दवा लाइसेंस के बिना काम करते हुए अयोग्य व्यक्तियों को दवाएं वितरित करते हैं, वे भी ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स अधिनियम के अधीन हैं और उन्हें कठोर दंड का सामना करना पड़ेगा। थोक विक्रेताओं और डीलरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्राप्तकर्ताओं को दवाइयाँ वितरित करने से पहले उनके पास वैध दवा लाइसेंस हो। डीसीए दवा लाइसेंस जारी करके और दवा बिक्री में शामिल अयोग्य व्यक्तियों पर औचक जांच करके ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स अधिनियम लागू करता है।

रावुलापलेम में 23 वर्षीय वेडिंग फोटोग्राफर की हत्या

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर.अम्बेडकर कोनसीमा जिला के रावुलापलेम में एक युवा वेडिंग फोटोग्राफर, पोथिना साईकुमार (23) की हत्या कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, शादियों के लिए ऑनलाइन बुकिंग लेने के लिए जाने जाने वाले साईकुमार को 26 फरवरी को रावुलापलेम में दो ग्राहकों से अपॉइंटमेंट मिला। उन्होंने अपने माता-पिता को शूटिंग के बारे में सूचित किया और अपने उपकरणों के साथ निकल पड़े। हालाँकि, राजमुंदरी पहुंचने पर, दो अज्ञात व्यक्ति कथित तौर पर उसे ले गए। कई दिनों तक अपने बेटे के गायब रहने से चिंतित साईकुमार के माता-पिता ने पालम पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कहा कि जांच शुरू करते हुए, पुलिस ने कॉल डेटा रिकॉर्ड का पता लगाया, जिससे एक संदिग्ध शनमुख तेजा की गिरफ्तारी हुई और दूसरा आरोपी फरार है।

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, इस नृशंस हत्या का मकसद डकैती होने की आशंका है। साईकुमार के पास जो उच्च गुणवत्ता वाले फोटोग्राफी उपकरण थे, जिनकी कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है, उन्होंने हमलावरों को आकर्षित किया होगा।

साहित्य सेवा समिति की मासिक गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 'साहित्य सेवा समिति' की 109 वीं गोष्ठी आरोग्य अस्पताल के सभागार में आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता नीरज कुमार ने की। महामंत्री सुनीता लुल्ला, 'देहाती' विश्वनाथ, गीता अग्रवाल और ज्योति नारायण मंचासीन थे।

प्रथम सत्र में हिन्दी साहित्य में होली का उत्सव विषय पर चर्चा हुई। जिसमें गीता अग्रवाल, ज्योति नारायण, दर्शन सिंह ने विचार रखे। द्वितीय सत्र में सभी उपस्थित कवियों ने अपनी-अपनी स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। इन कवियों में उमेश चंद्र श्रीवास्तव, पूनम जोधपुरी, दर्शन सिंह, देहाती विश्वनाथ, उमा सोनी, इंदु सिंह, डॉ संगीता शर्मा, गीता अग्रवाल, केपी अग्रवाल, सत्य नारायण काकड़ा, पुरुषोत्तम कड़ेल, सुनीता लुल्ला, विनोद गिरि, दया शंकर प्रसाद, राजन्ना इत्यादि शामिल थे। नीरज कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन किया।

पत्नी की हत्या करने वाले व्यक्ति को आजीवन कारावास

सिद्दीपेट, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पत्नी की हत्या करने वाले एक व्यक्ति को जिला प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश डॉ टी रघुराम ने दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई, दोषी को 1000 रुपये का जुर्माना देने का भी आदेश दिया गया।

पुलिस आयुक्त के अनुसार, पेद्दा गुंडावेली के गंता रवि (33) ने 2009 में रावुरुकला के गंता यादववा से शादी की। यह एक प्रेम विवाह था। इस जोड़े को दो बेटियों का आशीर्वाद मिला।

हालाँकि, कुछ वर्षों के बाद रवि को यादववा की निष्ठा पर संदेह होने लगा था। 27 जून, 2017 को उसने उस पर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी। उसी दिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पीड़िता की मां की शिकायत के बाद दुब्बाक पुलिस ने मामला दर्ज किया था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने सोमवार को फैसला सुनाया है।

भीषण सड़क दुर्घटना में तीन बच्चों समेत पांच की मौत

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेज रफ्तार और झपकी ने पांच लोगों की जान ले ली। सोमवार सुबह बेल्लारी से हैदराबाद आ रही एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इससे कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अस्पताल ले जाते वक्त एक और बच्चे ने दम तोड़ दिया।

यह घटना वानापर्थी जिले के कोट्टाकोटा बाईपास में हुई। ऐसा लगता है कि हादसे के वक्त कार में 9 लोग सवार थे। हादसे में कुल पांच लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल होने पर वानापर्थी सरकारी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। ऐसा लगता है कि कार का ड्राइवर नींद में था और तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था। दुर्घटना में शामिल कार कर्नाटक में पंजीकृत थी।

निर्माणाधीन स्थल पर व्यक्ति ने की पत्नी की हत्या

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली में रविवार रात एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की निष्ठा पर संदेह करते हुए उसकी हत्या कर दी। संदिग्ध अमृतलाल साहू (43) की शादी मधु बाई (29) से हुई थी और यह जोड़ा मैलारदेवपल्ली के शास्त्रीपुरम में एक निर्माणाधीन इमारत में रह रहा था।

रविवार की रात, साहू और उनकी पत्नी के बीच बहस हुई जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि वह किसी से फोन पर बात कर रही थी। मेलारदेवपल्ली इंस्पेक्टर, पी मधु ने कहा, "जब मधु बाई सो गई, तो साहू ने एक पत्थर उठाया और उसके सिर पर फेंक दिया और उसे मार डाला।"

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

चुनाव कर्तव्यों के पालन में लापरवाही ना बरतें: आरडीओ

मदनूर, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव अधिकारी के आदेश नुसार स्थानिक तहसील कार्यालय में संसदीय चुनाव के लिए सोमवार को जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के तहत क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर बांसवाड़ा आरडीओ भुजंगा राव ने कहा कि चुनाव कराने में मतदान केंद्रों पर सुविधाएं, रूट मैप और सेक्टर अधिकारियों की भूमिका अहम होती है। चुनाव कर्तव्यों के पालन में कोई भी लापरवाही न बरतें। सेक्टर अधिकारियों को आदेश दिया गया कि वे पुलिस कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित कर चुनाव को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए काम करें।

इस बैठक में सहायक रिटर्निंग अधिकारी मदनूर तहसीलदार मुजीब, नायब तहसीलदार भरत, वरिष्ठ चुनाव सहायक विजय, आरआय शंकर, सहित जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के 26 रूट सेक्टर अधिकारी, पुलिस कर्मी, एमपीडीओ, एमपीओ,एमएओ (कृषि), सिंचाई विभाग, शिक्षा विभाग के अधिकारि, एसएसआई, एएसआई और एमईओ उपस्थित थे।

निजामाबाद में इंटर के दो छात्र गिरफ्तार

निजामाबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में सोमवार को इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की गणित (1ए) और वनस्पति विज्ञान की परीक्षा के दौरान कदाचार के दो मामले सामने आये। जिला इंटरमीडिएट शिक्षा अधिकारी रघुराज के अनुसार परीक्षा के दौरान कदाचार में लिप्त होने के आरोप में बोधन सरकारी जूनियर कॉलेज और विजेता जूनियर कॉलेज के छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। उन्होंने बताया कि बोर्ड के उड़नदस्तों ने निरीक्षण के दौरान दोनों छात्रों को पकड़ लिया। जिला परीक्षा प्रबंधन समिति एवं दस्तों की देखरेख में जिले में लगभग 47 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण एवं समीक्षा की गयी।

तेलंगाना राज्य इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड (टीएसबीआईई) ने हाल ही में घोषणा की है कि यदि इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं के दौरान कदाचार में शामिल पाए गए तो उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे।

क्रिकेट खेलते समय 24 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ की मौत

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महेश्वरम के पास क्रिकेट खेलते समय एक 24 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ गिर गया और उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले के कासिरेड्डी संजय भार्गव छह महीने से हैदराबाद में काम कर रहे थे और गचीबोवली के पास गौलीडोड्डी में रह रहे थे।

भार्गव अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने के लिए गट्टुपल्ली स्थित केसीआर स्टेडियम गए थे। दोपहर करीब तीन बजे वह बेहोश होकर खेत पर गिर पड़े। उसके दोस्त उसे अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने पर योगी सरकार देगी बंपर छूट

लखनऊ, 4 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार ने हाल ही में यूपी सेमीकंडक्टर नीति 2024 को मंजूरी देकर उत्तर प्रदेश को उद्योग प्रदेश बनाने की अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। इस नीति को लागू कर सीएम योगी ने प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग की रीढ़ कहे जाने वाले सेमीकंडक्टर्स के बड़े पैमाने पर निर्माण की राह काफी आसान कर दी है। इस नीति के तहत यूपी में सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने के इच्छुक निवेशकों को कैपिटल सब्सिडी के साथ ही इंटरेस्ट सब्सिडी, लैंड सब्सिडी, स्टांप फीस और रजिस्ट्रेशन फीस के साथ ही इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में भी भारी राहत दी गई है। यही नहीं, योगी सरकार यहां सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने वाली कंपनियों को कौशल और प्रशिक्षण के लिए भी सहायता देगी, जबकि अनुसंधान एवं विकास केंद्र के साथ ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) स्थापित करने पर भी उन्हें राहत प्रदान की जाएगी। माना जा रहा है कि यूपी की सेमीकंडक्टर नीति भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक ताकत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रति इकाई अधिकतम 7 करोड़ रुपए तक मिलेगी इंटरेस्ट सब्सिडी

उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया की आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के तहत जारी सेमीकंडक्टर नीति प्रदेश और देश को इस इंडस्ट्री में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें निवेशकों को कई तरह से वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं। नीति में इसका पूरा उल्लेख किया गया है, जिसके अनुसार कैपिटल सब्सिडी के तहत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित सब्सिडी का 50 प्रतिशत प्रदान किया जाएगा। वहीं इंट्रेस्ट सब्सिडी के रूप में अनुसूचित बैंकों/वितीय संस्थानों से प्राप्त ऋण पर 200 करोड़ रुपए तक के निवेश वाली इकाइयों को 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष (ब्याज की दर पर), प्रति इकाई प्रति वर्ष अधिकतम 1 करोड़ रुपए तक प्रतिपूर्ति 7 वर्षों तक की जाएगी। प्रति इकाई अधिकतम 7 करोड़ रुपए तक की ही इंटरेस्ट सब्सिडी प्राप्त हो सकेगी। इसके साथ ही, भूमि की दर में भी छूट प्रदान की जाएगी। राज्य अभिकरणों से भूमि क्रय करने पर प्रथम 200 एकड़ भूमि के लिए प्रचलित सेक्टर दरों पर 75 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी, जबकि इकाई अथवा सहायक इकाइयों के लिए भूमि के अतिरिक्त क्रय पर 30 प्रतिशत सब्सिडी की अनुमति होगी। इसके साथ ही स्टाम्प शुल्क और निबन्धन शुल्क के अंतर्गत भूमि की खरीद पट्टे पर 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। 10 वर्ष की अवधि के लिए इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी पर 100 प्रतिशत छूट प्राप्त होगी। राज्य में स्थापित फैब इकाइयों को दोहरा पॉवर ग्रिड नेटवर्क प्रदान किया जाएगा। एक ग्रिड (दोनों में से कम) की लागत की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा की जाएगी, जबकि दूसरे ग्रिड की लागत निवेशक द्वारा वहन की जाएगी।

सीएम नीतीश ने किया बिहार जलवायु सम्मेलन का शुभारंभ

26 विकास योजनाओं का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया

पटना, 4 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार जलवायु सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन कर दिया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य विशेषज्ञों, हितधारकों एवं नीति निर्माताओं को एक साथ लाना एवं बिहार राज्य के लिए जलवायु रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है।

साथ ही जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों एवं इससे बचने के उपायों के बारे में विचार-विमर्श करना है। आने वाले वर्षों में राज्य को जलवायु अनुकूल एवं कार्बन न्यूट्रल बनाने की पहल की गई है, इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिये बिहार जलवायु सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिहार जलवायु प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और विस्तृत जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय डॉल्फिन रिसर्च सेंटर, पटना का रिमोट के जरिए शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। साथ ही मुंगेर वानिकी महाविद्यालय का 'बिहार वानिकी महाविद्यालय एवं शोध संस्थान' के रूप में उन्नयन एवं नामकरण किया। सीएम नीतीश कुमार ने 108 करोड़ 33 लाख रुपये लागत की पार्क, ईको टूरिज्म, भू-जल संरक्षण एवं आधारभूत संरचना विकास की

26 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा पूर्णिया और भागलपुर में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों का उद्घाटन तथा 'बिहार की जलवायु अनुकूल एवं न्यून कार्बन प्रारूप' रणनीति का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा लोगों को वायु की गुणवत्ता की जानकारी देने के लिए डैशबोर्ड का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जलवायु कार्य हेतु बिहार घोषणा पत्र जारी किया गया। बता दें कि बिहार एक आपदा प्रवण राज्य है और जलवायु परिवर्तन के कारण विगत कुछ दशकों से बाढ़, सुखाड़, आकाशीय विद्युत जैसी आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति में बढ़ोतरी हुई है। इस पृष्ठभूमि में राज्य सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन शमन एवं अनुकूलन की दिशा में अनेक कदम उठाये गये हैं जिनमें 'जल-जीवन-हरियाली अभियान' एवं जलवायु अनुकूल कृषि कार्य प्रमुख हैं। बिहार, देश का पहला राज्य है जहां जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए जल-जीवन-हरियाली अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। बिहार सरकार की ओर से जानकारी दी गई कि जल-जीवन-हरियाली जागरूकता अभियान के अंतर्गत 19 जनवरी, 2020 को राज्य में 18 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी मानव श्रृंखला बनी जिसमें 5 करोड़ 16 लाख से अधिक लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण के संरक्षण और नशामुक्ति के समर्थन में एवं बाल विवाह और दहेज प्रथा मिटाने के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। पर्यावरण संरक्षण के समर्थन में बनी यह ऐतिहासिक मानव श्रृंखला विश्व में किसी भी मुद्दे पर बनी, अब तक की सबसे लंबी मानव श्रृंखला है। इसके माध्यम से बिहार की जनता ने न सिर्फ देश को बल्कि पूरे विश्व को पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी, अमेरिका के संस्थापक बिल गेट्स द्वारा जल-जीवन-हरियाली जागरूकता अभियान की सराहना की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 24 सितम्बर, 2020 को संयुक्त राष्ट्र के उच्चस्तरीय जलवायु परिवर्तन राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में कई देशों के प्रधानमंत्री एवं प्रमुख नेताओं के समक्ष अपनी बात रखने का मौका मिला था जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जल-जीवन-हरियाली अभियान को दुनिया के लिए बेहतरीन उदाहरण बताया था।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव बंदना प्रेयषी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष डॉ. डीके शुक्ला, प्रधान मुख्य वन संरक्षक आशुतोष सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पूर्व सांसद जयाप्रदा रामपुर कोर्ट में पेश

न्यायिक हिरासत में भेजा, आचार संहिता केस में सुनवाई

रामपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। रामपुर की पूर्व सांसद जयाप्रदा सोमवार को कोर्ट में पेश हुई। फिलहाल उन्हें न्यायिक हिरासत में रखा गया है। आचार संहिता उल्लंघन मामले में उन्हें फरार घोषित किया गया था। इसके साथ ही उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के आदेश दिया गया था।

2019 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ केमरी और स्वार थाने में आचार संहिता के उल्लंघन के दो मामले दर्ज किए गए थे। इनमें विवेचना के बाद पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। स्वार में दर्ज एक मामले में गवाही पूरी हो चुकी है, जबकि केमरी के मामले गवाही होना शेष है। इस मामले में जयाप्रदा के बयान दर्ज होने थे लेकिन पूर्व सांसद जयाप्रदा 16 अक्तूबर 2023 से कोर्ट में हाजिर नहीं हो रही हैं। इसके बाद कोर्ट की ओर से सात बार गैर जमानती वारंट जारी किए। एसपी को भी पत्र लिखकर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा था।

कोर्ट ने जमानतियों के खिलाफ भी पत्रावली खोली थी लेकिन पूर्व सांसद कोर्ट में हाजिर नहीं हुई। इसके बाद एमपीएमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट ने पूर्व सांसद जयाप्रदा को कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर उनको फरार घोषित कर दिया था। सोमवार को वह कोर्ट में पेश हुई।

अश्लील वीडियो मामला : बीजेपी एमपी उपेंद्र रावत ने टिकट किया वापस

बोले-निर्दोष साबित होने तक कोई चुनाव नहीं लडूंगा

बाराबंकी, 4 मार्च (एजेंसियां)। सांसद उपेंद्र सिंह रावत से जुड़ा अश्लील वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी अप्रत्याशित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा है कि मेरा एक एडिटेड वीडियो वायरल किया जा रहा है जो डीप फेक एआई तकनीक द्वारा जेनरेटेड है। जिसकी एफआईआर मैंने दर्ज करा दी है। इस संदर्भ में मैंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से निवेदन किया है कि इसकी जांच करवाई जाए। उन्होंने लिखा है कि जब तक मैं निर्दोष साबित नहीं होता तब तक सार्वजनिक जीवन में कोई चुनाव नहीं लडूंगा। बता दें कि शनिवार को ही सांसद उपेंद्र सिंह रावत को भाजपा ने बाराबंकी लोकसभा क्षेत्र से दोबारा सांसद पद का टिकट दिया है। टिकट की घोषणा के बाद अगले ही दिन रविवार से ही कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जिसमें वह एक युवती के साथ किसी कमरे में देखे जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे का यह वीडियो वर्ष 2022 का बताया जा रहा है।

इस वीडियो की छानबीन में लगी पुलिस वीडियो को लैब में भेज कर असलियत पता लगाने में जुटी है। शहर कोतवाल अजय कुमार त्रिपाठी का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

सीएम नीतीश थे नापसंद

अब लालू-तेजस्वी पर नकाब वाली नेत्री ने साधा निशाना, अटल को किया याद

दरभंगा, 4 मार्च (एजेंसियां)। 2020 के चुनाव में खुद को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने वाली प्लूरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी एक बार फिर से चर्चा में है। रविवार को महागठबंधन की रैली में लालू-तेजस्वी और राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने तो 10 लाख की भीड़ का दावा तक कर दिया और लालू प्रसाद ने भी हिन्दू कार्ड खेल दिया। इन सब के बाद प्लूरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी ने लालू-तेजस्वी पर निशान साधा है।

उन्होंने कहा है कि 15 वर्ष मुख्यमंत्री और तीन वर्ष उपमुख्यमंत्री रहने के बावजूद अगर रैली में भीड़ जुटाने के लिए बार बालाओं को बुलाकर नचाना पड़े ऐसी सभा बुलाने पर लानत है।

पुष्पम प्रिया ने आगे लिखा कि वाजपेयी जी से शब्द उधार लूं तो ऐसी बाज़ारू राजनीति को चिमटे से भी छूना पसंद न करूं। सीता, गार्गी, भारती के बिहार में! इसके बाद उन्होंने लिखा कि कैंब्रिज में भाषण देकर सीधे उस रैली में जिसके लिए लड़कियों को नचाया जाय और भीड़ के 'जोश' के लिए अश्लील गाने बजे? अपनी नहीं तो कैंब्रिज की तो इज़्ज़त रखिए। अगर आप इंदिराजी के पोते हैं तो माफ़ी मांगिए। वो हारने के बाद बिहार के गाँव आई थीं, बच्चियों को नचाया नहीं था।

बिहार को अभिनेता नहीं, नेता चाहिए

बिहार को कैसा नेता चाहिए? इस पर पुष्पण प्रिया ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अच्छा है कि इस बार अंग्रेजी अक्षरों से अंग्रेजी शब्द ही बनाये गए हैं। भाषा कोई भी हो, उसका सम्मान होना चाहिए। Rights... Development... बड़े भारी शब्द हैं! इनका भार उठाने को बाबा साहेब आम्बेडकर जैसा दिमाग और नेताजी बोस जैसा दिल चाहिए। वह किसके पास है? बिहार को अभिनेता नहीं, नेता चाहिए, असली नेता!

नीतीश कुमार को हटाने के लिए खाई है यह कसम

बता दें कि पुष्पम प्रिया चौधरी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से को हटाने की कसम खा रखी है। विधानसभा चुनाव 2020 के बाद एलान करते हुए पुष्पम ने कहा था कि नीतीश कुमार को गद्दी से नहीं हटा दूंगी, तबतक अपने चेहरे से मास्क नहीं हटाऊंगी।

भाजपा के यादव महाकुंभ पर अखिलेश बोले

ये उनकी पुरानी ट्रिक है, हमारा वजीर तैयार है

लखनऊ, 4 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में यादव वोट बैंक को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए भाजपा द्वारा लखनऊ में आयोजित किए गए यादव महाकुंभ पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बहुत होशियार पार्टी है। वो इस तरह के तरीके अपनाते रहते हैं लेकिन उनकी ये ट्रिक बहुत पुरानी है। इसके लिए हमारा वजीर तैयार है। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के बारे में कहा कि वो तो प्यारे मोहन हैं।

भाजपा ने लखनऊ में यादव महाकुंभ का आयोजन किया था जिसे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित करते हुए अखिलेश यादव पर कटाक्ष किया था। उन्होंने कहा था कि यादव समाज का कोई ठेकेदार नहीं है, समाज की अपनी पहचान है। मुझे मुख्यमंत्री बनाने से कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। अगर दर्द होता है तो होता रहे, यादव समाज जब भी यूपी बुलाएगा वो आते रहेंगे। सोमवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने इस पर जवाब दिया।

जिन उद्योगपतियों का कर्ज माफ हुआ, उन्होंने ही खरीदा इलेक्टोरल बांड

अखिलेश यादव ने कहा कि जिन उद्योगपतियों का कर्ज माफ हुआ है कहीं उन्होंने ही तो भाजपा का इलेक्टोरल बांड नहीं खरीदा है। देश में किसानों का कर्ज माफ नहीं हुआ है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं। आंदोलन कर रहे हैं। अखिलेश यादव की मौजूदगी में पूर्व मंत्री शिवकुमार बेरिया और रुदौली के पूर्व विधायक रुश्दी मियां बसपा छोड़कर सपा में शामिल हो गए।

उनके साथ कई अन्य नेताओं ने भी सपा की सदस्यता ले ली। 2022 चुनाव के दौरान टिकट कटने पर बेरिया बसपा में गए थे। वह शिवपाल सिंह यादव की पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव थे। टिकट नहीं मिलने पर गए थे। अब दोनों ने वापसी की है।

अखिलेश यादव का तंज

अब तो भाजपा वाले खुद कह रहे हैं नहीं चाहिए भाजपा

लखनऊ, 4 मार्च (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि अब तो भाजपा के लोग ही कह रहे हैं कि नहीं चाहिए भाजपा। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राजनीतिक दल के रूप में इतनी कमजोर कभी भी नहीं थी। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि किसने सोचा था कि भाजपा के ऐसे दिन भी आएंगे कि कुछ उम्मीदवार टिकट मिलने से पहले कुछ और काम को ज्यादा जरूरी बताने का बहाना करके दावेदारी छोड़ देंगे। कोई खेल को राजनीति से अधिक गंभीर मानकर बाहर जाने की बात करेगा तो कोई पर्यावरण के बहाने पतझड़ी भाजपा से बाहर निकलने के लिए प्रार्थना पत्र लिखेगा।

कोई टिकट कटने पर संन्यास लेने का ऐलान कर देगा तो कोई टिकट मिलने के बाद भी दूर से ही सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत कारणों से टिकट को ठुकरा देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा एक दल के रूप में इतनी कमजोर कभी नहीं थी। अब तो जनता के अलावा, भाजपा वाले भी ख़ुद ही कह रहे हैं कि भाजपा नहीं चाहिए। शनिवार को भाजपा की पहली सूची आने के पहले ही कई प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। भाजपा ने पहली सूची में 195 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की।

लालू-तेजस्वी यादव के खिलाफ भाजपा ने थाने में की शिकायत, कहा-पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी की

पटना, 4 मार्च (एजेंसियां)। महागठबंधन की महारैली के बाद राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ सकती है। भाजपा ने दोनों नेताओं के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी की। इस मामले को गंभीरता से लें और उचित कानूनी कार्रवाई करने की अपील की है।

लालू के इस बयान से 135 करोड़ देश की जनता के ऊपर ठेस पहुंची भाजपा के युवा प्रदेश प्रवक्ता कृष्णा सिंह ऊर्फ कल्लू ने पटना के गांधी मैदान थाने में राजद सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने लिखित शिकायत दी है। आवेदन के उन्होंने कहा कि लालू यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी की मां को लेकर टिप्पणी की। इतना ही नहीं लालू प्रसाद ने हिन्दू आस्था के खिलाफ टिप्पणी की। लालू के इस बयान से 135 करोड़ देश की जनता के ऊपर ठेस पहुंची है। वही तेजस्वी यादव द्वारा स्वर्ण समाज के लोगों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई। इसलिए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के ऊपर प्राथमिक दर्ज करें और उचित कार्रवाई करें। दरअसल, रविवार को गांधी मैदान में जन विश्वास रैली के दौरान लालू प्रसाद ने पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि यह नरेंद्र मोदी क्या चीज है? यह मोदी आजकल परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं। आप बताओ न, आपको क्यों नहीं संतान हुआ? ज्यादा संतान होने वाले लोगों को बोलता है कि परिवारवाद है। परिवार के लिए लड़ रहा है। आपके पास परिवार नहीं है और आप हिन्दू भी नहीं हैं। जब आपकी माताजी का देहावसान हो गया तो हर हिन्दू अपनी मां के शोक में केस दाढ़ी मुंडवाता है। आपने क्यों नहीं मुंडवाया? यह बताओ।

कांग्रेस को झटका : कृष्ण कुमार ने पार्टी से दिया इस्तीफा

अंबेडकरनगर, 4 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन को एक और झटका लगा है। कांग्रेस नेता कृष्ण कुमार उर्फ कक्कू पांडेय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वे बीते दिनों ही बसपा से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हुए सांसद रितेश पांडेय के चाचा हैं। रितेश को बीजेपी ने अंबेडकरनगर संसदीय सीट से टिकट भी दे दिया है। वे बसपा के टिकट पर सुल्तानपुर जनपद की इसौली सीट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। उनकी पत्नी रंजना पांडेय को कांग्रेस ने अकबरपुर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष के चुनाव में टिकट दिया था। रंजना फिलहाल कांग्रेस में बनी रहेंगी। कक्कू ने सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भेजे पत्र में लिखा कि व्यक्तिगत कारण से वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहे हैं।

पेड़ से लटकी मिली दंपती की लाश

मुजफ्फरपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में पेड़ से दंपती की लटकी हुई लाश मिली है। समूह लोन से परेशान होकर दोनों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस छानबीन में जुट गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की कवायद की जा रही है। मामला जिले के सकरा थाना क्षेत्र का है। सकरा थाना क्षेत्र के सकरा वाजिद निवासी शिवनाथ दास (60) और उनकी पत्नी भुक्ली देवी (55) बीते एक सप्ताह से घर से गायब थे। उनके परिजन ने काफी खोजबीन की थी, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

मुखिया ले रही हैं बंदूक चलाने की ट्रेनिंग

अपराधी मुखिया को कर रहे टारगेट, सामना करने के लिए सीख रही हूं

मुंगेर, 4 मार्च (एजेंसियां)। मुंगेर जिला में बीते दिनों लड़ैयाटांड़ थाना क्षेत्र के आजीमगंज पंचायत के मुखिया परमानंद टुड्डु और मुखिया प्रत्याशी जालेश्वर कोड़ा की हत्या अपराधियों द्वारा की गई थी। जिसके बाद बाद अब खुद की सुरक्षा के लिए मुखिया के द्वारा डीएम को आवेदन देकर हथियार के लिए लाइसेंस अप्लाई किया गया है।

जिसके बाद मुखिया को यह निर्देश मिला की जो प्रशिक्षण प्राप्त किए हुए है वह लाइसेंस के लिए आप्लाय कर सकते हैं। जिसके बाद जमालपुर प्रखंड क्षेत्र के आदर्श ग्राम पंचायत के महिला मुखिया श्वेता कुमारी अब खुद अपराधियों से सामना करने लिए बंदूक चलाने की प्रशिक्षाण ले रही है। जिसमें उनके पति मुखिया प्र ति नि धि किन्नू कुमार का सहयोग है। मुखिया बंदूक चलाने की ले रही ट्रेनिंग

महिला मुखिया को बंदूक चलाने का प्रशिक्षण मुंगेर राइफल एसोसिएशन के सचिव और शूटर के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बंदूक चलाने की प्रशिक्षण प्राप्त कर रही मुखिया श्वेता कुमारी ने बताई कि धरहरा प्रखंड के आजीमगंज पंचायत के मुखिया और मुखिया प्रत्याशी की हत्या हो जाने के बाद हमलोग भी अपनी सुरक्षा के लिए हथियार रखना चाहता हैं।जिसमें बताया गया कि हथियार चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त हो और उसका प्रमाण पत्र देने के बाद ही प्रोसेस होता है। जिसके लिए मै स्वयं बंदूक चलाने का प्रशिक्षण ले रही हूं ताकी अगर समय पड़ा तो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिए बंदूक चला सकूं।

डीजे कॉलेज सूटिंग रेंज मुंगेर राइफल एसोसिएशन के द्वारा सिविलियन राइफल ट्रेनिंग स्कीम के अंतर्गत जगह चिन्हित होने के बाद सरकार के द्वारा राइफल भी उपलब्ध कराया गया। यहां 1962 से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें मुखिया, चिकित्सक के अलावे सामान्य नागरिक के अलावे प्रतिष्ठित नागरिक को प्रशिक्षण दिया जाता है।

नफे सिंह राठी हत्याकांड में 2 शूटर गिरफ्तार

आशीष और सौरव गोवा से पकड़े गए; गृहमंत्री बोले-पुलिस ने अच्छा काम किया

बहादुरगढ़, 4 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी हत्याकांड में शामिल 2 शूटर को गोवा से गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की जॉइंट टीम ने सौरव नंगलोई और आशीष उर्फ बाबा नांगलोई को पकड़ा है।

गृहमंत्री अनिल विज ने कहा- हमारी पुलिस ने 2 शूटर तो पकड़ लिए, बाकियों के लिए भी पुलिस लगी हुई है। जिसने राठी के परिवार को धमकी दी थी, उसे राजस्थान से पकड़ा गया है। पुलिस ने दिन रात मेहनत करके अच्छा काम किया है। नर्फ सिंह राठी की 25 फरवरी को बहादुरगढ़ में गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। 28 फरवरी को लंदन में बैठे गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली। 2 दिन पहले ही हरियाणा पुलिस ने 4 शूटरों की फोटो जारी की थी। पुलिस ने नारनौल के रहने वाले दीपक उर्फ नकुल सांगवान, आशीष उर्फ बाबा नांगलोई, अतुल नजफगढ़ और सौरव नांगलोई पर एक-एक लाख रुपए का इनाम रखा था। इनके विदेश भागने की आशंकाओं

सौरव नांगलोई | बाबा नांगलोई | नफे सिंह राठी

के बीच गुवाहाटी एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी किया गया।

बीजेपी नेताओं समेत 10 पर दर्ज हुआ मामला

नफे सिंह राठी और उनके कार्यकर्ता जयकिशन की 25 फरवरी को बहादुरगढ़ के बराही रेलवे फाटक पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद परिवार ने भी जान का खतरा बताया था। नफे सिंह राठी के परिवार ने बहादुरगढ़ से बीजेपी के पूर्व एमएलए नरेश कौशिक, कर्मबीर राठी, रमेश राठी, कमल राठी, सतीश नंबरदार, गौरव, राहुल के अलावा बिरेंद्र राठी, संदीप, राजपाल शर्मा के अलावा अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

इसके बाद नफे राठी के परिवार को जान से मारने की धमकी भी मिली। हालांकि, झज्जर पुलिस ने धमकी देने वाले राजस्थान के रहने वाले दिलीप सिंह नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती पूछताछ में उसका किसी गैंगस्टर के साथ कोई संपर्क नहीं पता लगा। इतना जरूर पता लगा है कि दिलीप सिंह सोशल मीडिया पर कुछ गैंगस्टर को फॉलो करता था।

रेवाडी रेलवे स्टेशन के साथ पार्किंग में मिली कार

नफे सिंह राठी की हत्या में इस्तेमाल की गई कार फरीदाबाद की थी। कत्ल वाले दिन उस पर स्कूटी का नंबर लगा हुआ था। 2 मार्च को कार रेवाड़ी रेलवे स्टेशन के साथ पार्किंग में खड़ी मिली। राठी की हत्या वाले दिन ही कार पार्किंग में खड़ी कर दी गई थी। आरोपियों ने पार्किंग की पर्ची भी कटवाई। पुलिस को इनपुट मिला कि आरोपियों के ट्रेन से फरार होने की आशंका है। इसलिए स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले गए।

नंदू गैंग ने ली हत्या की जिम्मेदारी

नफे सिंह राठी की हत्या के 3 दिन बाद 28 फरवरी को गैंगस्टर कपिल उर्फ नंदू ने इसकी जिम्मेदारी ली। इसको लेकर उसने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। पोस्ट के साथ गैंगस्टर ने एक फोटो भी डाली। जिसमें राठी गैंगस्टर मंजीत महाल की फोटो थी। नंदू ने लिखा कि राठी की हत्या मैंने करवाई। महाल से दोस्ती के कारण राठी को मारा। इस पोस्ट को लेकर हरियाणा पुलिस का कहना है कि इसकी जांच की जा रही है। नंदू अभी यूके में छिपा हुआ है। वहीं से वह गैंग को ऑपरेट कर रहा है।

स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए डेफकनेक्ट सेमिनार का आयोजन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए डेफकनेक्ट सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल विवेक आर चौधरी और रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने भी शामिल हुए।

स्वदेशीकरण की जरूरतः राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने इस सेमिनार को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा, कोई भी देश सर्वोत्तम तकनीक साझा नहीं करता है। दूसरे देशों से प्राप्त तकनीक का भी हमारे सीखने से कोई संबंध नहीं होता है। यह तभी हो सकता है जब हम इसे स्वदेशी तरीके से विकसित करें। उन्होंने आगे कहा, हम युवाओं को नए विचार लाने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया है। रक्षा क्षेत्र में नवीनीकरण और तकनीक को बढ़ावा देने के लिए इनोवेशन ऑफ डिफेंस एक्सीलेंस (आईडीईएक्स) लाया गया है। मैं रक्षा उत्पादन विभाग को आईडीईएक्स (एडीआईटीआई) योजना के साथ विकास शुरू करने के और इस नाम के लिए बधाई देना चाहता हूं, जिसका अर्थ है देवताओं की मां। राजनाथ सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र को फलने-फूलने देने के लिए एक मंच की आवश्यकता है।

उस मंच के लिए हमें कानून-व्यवस्था, कर्मचारी, कानून का शासन और विकास के लिए पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है।

'जब विरोधी अपराजेय हो तो सेलिब्रिटी मैदान में उतारते हैं सियासी दल'

अजित पवार का अमोल कोल्हे पर निशाना

पुणे, 4 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को अभिनेता और राकांपा (शरद पवार गुट) के सांसद अमोल कोल्हे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल जब विरोधी उम्मीदवारों को हराने योग्य नहीं पाते हैं, तो वे चुनावों में मशहूर हस्तियों (सेलिब्रिटी) को उतारते हैं।

अजित पवार पुणे जिले के शिरूर में किसानों की एक सभा संबोधित कर रहे थे। यह कोल्हे का निर्वाचन क्षेत्र भी है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोल्हे में राजनीति के गुण नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकाल के दो वर्ष बाद ही इस्तीफे की पेशकश की थी।

उन्होंने कहा, मैं कोल्हे को दूसरी पार्टी से लाया था और उन्हें टिकट दिया था। मैंने (राकांपा नेता) दिलीप वालसे पाटिल के साथ मिलकर 2019 के लोकसभा चुनाव में उनकी जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी ली थी। हमने शुरू में कोल्हे को आशावादी समझा। लेकिन दो साल में ही वह मेरे पास आए और यह कहते हुए इस्तीफा देने की पेशकश करने लगे कि उनका अभिनय का करियर प्रभावित हो रहा है। अजित पवार ने कहा कि जब राजनीतिक दलों को लगता है कि विरोधी उम्मीदवार को हराया नहीं जा सकता है, तो वे अपनी मशहूर हस्तियों को साथ लेते हैं। उन्होंने कहा, अभिनेत्री हेमा मालिनी ने चुनाव लड़ा और जीता। अभिनेता सनी देओल और गोविंदा को भी कुछ जगहों पर मैदान में उतारा गया। राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा और अमिताभ बच्चन भी चुनाव लड़ चुके हैं। अभिनेताओं का राजनीति से क्या संबंध है? भाजपा ने हेमा मालिनी को उत्तर प्रदेश की मथुरा सीट से मैदान में उतारा था, जबकि सनी देओल को पंजाब के गुरदासपुर से सांसद हैं। उन्होंने आगे कहा, मुद्दा यह है कि क्या अभिनेता अपने क्षेत्रों में विकास कार्य करने के लिए उत्सुक हैं। लोग मशहूर हस्तियों को होनहार समझते हैं और उन्हें वोट दे देते हैं। हम (नेता) भी उनकी क्षमताओं को जाने बिना उन्हें (पार्टी) में शामिल करने के दोषी हैं।

अयोध्या के रामलला दरबार में एमपी सरकार

सीएम बोले-धर्मस्व, राजस्व और संस्कृति विभाग को जोड़ेंगे; धर्मशालाएं बनाएंगे

भोपाल, 4 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य सपत्नीक सोमवार को अयोध्या दर्शन के लिए पहुंचे हैं। सभी राजाभोज एयरपोर्ट से विशेष विमान के जरिए अयोध्या पहुंचे। शाम तक वापस लौटेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक की। भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा, 'मंत्री परिषद की अगली बैठक में मंत्री मंडलीय उप समिति बनाकर धर्मस्व, राजस्व और संस्कृति विभाग को जोड़ा जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित देवस्थानों के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय क्षेत्र के देवस्थानों के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग भी इसमें शामिल रहेंगे। सभी विभाग देवस्थानों के विकास के लिए कार्ययोजना बनाकर इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।'

सीएम ने कहा, 'राज्य शासन का उद्देश्य है कि मंदिर, देवस्थान के साथ सामाजिक चेतना और समरसता का भी केंद्र बनें। मंदिरों में सामूहिक विवाह जैसे सामाजिक कार्य संपन्न हों। अयोध्या धाम सहित प्रदेश के अंदर और प्रदेश के बाहर स्थित प्रमुख देवस्थानों में राज्य सरकार द्वारा धर्मशालाएं विकसित करने की दिशा में पहल की जाएगी। दूसरे राज्य की सरकारों को भी मध्यप्रदेश स्थित देवालयों में उनके राज्य की तरफ से धर्मशालाएं विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।' इससे पहले मुख्यमंत्री ने शनिवार को उज्जैन में कहा था, 'हमारी मंशा है कि अगर उचित जगह मिल जाएगी तो मध्यप्रदेश से जाने वाले लोगों के लिए मप्र भवन का निर्माण भी अयोध्या में कराया जाएगा। सरयू नदी के किनारे सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर घाट बनाने का काम भी किया जाएगा।'

इसरो चीफ सोमनाथ को कैंसर

इंटरव्यू में कन्फर्म किया:आदित्य-एल1 लॉन्चिंग के दिन रूटीन चैकअप के लिए गए थे, तभी स्कैन में पता लगा

बेंगलुरु, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) प्रमुख एस सोमनाथ (60) को कैंसर होने का पता चला है। सोमनाथ ने एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में इस बात को कन्फर्म किया है। सोमनाथ ने बताया कि चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग (23 अगस्त) के समय से स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशानियां आ रही थीं। हालांकि, उस समय कुछ भी क्लियर नहीं था। मुझे भी इसे (कैंसर) लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। इसरो चीफ ने ये भी बताया कि आदित्य-L1 की लॉन्चिंग (2 सितंबर) के दिन रूटीन चैकअप के गया तो स्कैन में पेट में कैंसर कोशिकाओं में ग्रोथ का पता चला। सोमनाथ का ऑपरेशन हो चुका है। कीमोथैरेपी भी हुई। एस सोमनाथ के कार्यकाल में इसरो ने इतिहास रचा। भारतीय अंतरिक्ष संस्थान ने न केवल चांद के साउथ पोल पर सफलतापूर्वक चंद्रयान-3 की लैंडिंग कराई, बल्कि धरती से 15 लाख किमी दूर स्थित लैगरेंज पॉइंट पर सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-L1 लॉन्च किया।

परिवार के लिए सदमा, अब ट्रीटमेंट ले रहा हूं- सोमनाथ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब सोमनाथ की बीमारी का पता चला तो चेन्नई में कुछ और टेस्ट कराए। इसके बाद पूरी तरह से कैंसर का कन्फर्म हो गया। इसके चलते उनके शरीर में कुछ बदलाव भी दिखने लगे थे। सोमनाथ ने बताया- कैंसर का पता लगना परिवार के लिए शॉकिंग था। फिलहाल बीमारी को समझ रहा हूं और इलाज ले रहा हूं। पूरी तरह से कब तक ठीक हो जाऊंगा, ये कहना मुश्किल है। जानकारी के मुताबिक, इसरो चीफ चार दिन अस्पताल में रहे, पांचवें दिन ऑफिस जॉइन कर लिया। उनके रेग्युलर चैकअप और स्कैन चलते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ममता के सभा स्थल के निकट देसी बम बरामद

कोलकाता, 4 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार दोपहर पूर्वी मिदनापुर जिले के तमलुक में एक बैठक को संबोधित करने वाली हैं। इसके पहले भूपतिनगर इलाके से 20 किलोमीटर दूर देशी बम बरामद किए गए। एक खेत में झोपड़ी में बम रखे गए थे। पुलिस सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री के किसी भी जिले के दौरे से पहले इलाके की तलाशी ली जाती है। ऐसे ही एक अभ्यास के दौरान पुलिस ने देशी बम बरामद किए। पुलिस ने बमों के अलावा इन्हें जोड़ने के लिए आवश्यक कच्चा माल भी बरामद किया। सूत्रों ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि बदमाशों ने इसी झोपड़ी में बम बनाया था।

आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके पहले भी भूपतिनगर क्षेत्र में देशी बमों से विस्फोट हो चुका है। इस तरह का सबसे गंभीर विस्फोट दिसंबर 2022 में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी के जिले के दौरे से ठीक पहले हुआ था। उस विस्फोट में स्थानीय तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता मारे गये थे। पुलिस सूत्रों ने कहा, मुख्यमंत्री की यात्रा से पहले इतनी बड़ी मात्रा में देशी बमों की बरामदगी को पुलिस बहुत गंभीरता से ले रही है।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में सड़क दुर्घटना में 4 की मौत

जम्मू, 4 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब उनका वाहन सड़क से फिसल कर नीचे खाई में गिर गया। पुलिस ने मरने वालों की पहचान अब्दुल वाहिद बाली, अनायतुल्ला, मोहम्मद अयूब बाली और ड्राइवर सज्जाद अहमद के रूप में की है। पुलिस ने कहा, रामबन जिले में मालीगाम से उखरॉल जा रहा एक वाहन सड़क से फिसल गया। वाहन चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने कहा कि बचाव अभियान शुरू किया गया और दुर्घटनास्थल से चार शव बरामद किए गए। पुलिस ने कहा, तीन घायलों को उखरॉल के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

गुजरात कांग्रेस ने दिग्गज नेता को किया सस्पेंड

कुछ ही देर बाद अंबरीश डेर ने भी दिया इस्तीफा, कल बीजेपी में होंगे शामिल

अहमदाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात की राजनीति में फिर से भूचाल आ गया है। गुजरात कांग्रेस के दिग्गज नेता अंबरीश डेर के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों के बीच सोमवार सुबह कांग्रेस ने डेर के सस्पेंड कर दिया। इसके कुछ देर बाद ही डेर ने भी इस्तीफा दे दिया। बीजेपी पार्टी सूतों से मिली जानकारी के मुताबिक डेर कल बीजेपी में शामिल हो जाएंगे।

डेर और सीआर पाटिल की मीटिंग के बीच कांग्रेस ने सस्पेंड किया

अंबरीश डेर के बीजेपी में शामिल होने की चर्चा पिछले कई दिनों से चल रही थी। आज सुबह सीआर पाटिल अहमदाबाद में स्थित अंबरीश डेर के घर पहुंचे। दोनों के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। इसी मीटिंग के बीच गुजरात कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कॉन्फ्रेंस में गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि अंबरीश पाटिल को 6 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है।

पाटिल बोले-हाथ पकड़कर ले आऊंगा, कौन हैं अंबरीश डेर

गुजरात में बीजेपी के पास विधायकों की कमी नहीं है। 182 में 156 विधायक पार्टी के पास है, लेकिन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने एक बार फिर से कांग्रेस के पूर्व विधायक अंबरीश डेर पर डोरे डाले हैं, पाटिल ने कहा कि मैं हाथ पकड़कर ले आऊंगा, पिछली बार फिर रूमाल रखकर बस में सीट रखी थी। पाटिल के बयान से गुजरात की राजनीति गरमा गई है। पाटिल ने कहा था, मैं बस की सीट पर अंबरीश के लिए रुमाल रख आया हूं गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सीआर आर पाटिल साल 2021 में सोमनाथ में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। वहां उन्होंने मंच से ऐलान किया था कि वे अंबरीश डेर को बीजेपी में लेकर आएंगे। कार्यक्रम के दौरान अंबरीश डेर भी उनके साथ मंच पर थे, लेकिन कांग्रेसी नेता के रूप में। इतना ही नहीं, साल 2023 के नवंबर महीने में सीआर पाटिल गिर-सोमनाथ जिले के वेरावल में एक हॉस्पिटल के उद्घाटन पर आए थे। इस दौरान भी सीआर पाटिल ने अंबरीश डेर के बारे में कहा था कि दोस्त होने के नाते मैं इनके लिए बस की एक सीट पर अपना रुमाल रख आया हूं। मैं हाथ पकड़कर अंबरीश को बीजेपी में लेकर आऊंगा। अंबरीश डेर अहीर समुदाय का एक जाना-माना चेहरा और राजुला विधानसभा के पूर्व विधायक हैं। गुजरात के पिछले विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी की ओर से अंबरीश डार को टिकट देकर मैदान में उतारने की कोशिश की गई थी, लेकिन उन्होंने कांग्रेस पार्टी से ही चुनाव लड़ा था। हालांकि, वे 2022 का विधानसभा चुनाव हार गए थे।

मिलनसार और साफ-सुथरी छवि के नेता

युवाओं के बीच अच्छी लोकप्रियता रखने वाले अंबरीश डेर की छवि काफी अच्छी है। उन्होंने राजुला के विधायक के तौर पर अपने क्षेत्र में एक अस्पताल बनवाया था, जहां पर मुफ्त में इलाज होता है। अंबरीश डेर कांग्रेस में लंबे समय से हैं, लेकिन उनके तमाम करीबी मित्र बीजेपी में हैं। वे हाल ही में अपने मित्रों के साथ दक्षिण की यात्रा पर भी गए थे।

हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर बनेगा दूल्हा : लेडी डॉन बनेगी दुल्हन

पुलिसकर्मी होंगे बाराती, गृह प्रवेश के लिए 6 घंटे की कस्टडी पैरोल मिली

रेवाड़ी, 4 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी शादी करने जा रहा है। इसके लिए दिल्ली की द्वारका कोर्ट से जठेड़ी को कस्टडी पैरोल मिली है। जठेड़ी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट का मेंबर है और दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। वह 12 मार्च को जेल से बाहर आकर दिल्ली में शादी करेगा। उसके बाद 13 मार्च को सोनीपत में गृह प्रवेश के लिए उसे 6 घंटे की कस्टडी पैरोल दी गई है। वह लेडी डॉन के नाम से मशहूर मैडम मिंज उर्फ अनुराधा चौधरी से शादी करने जा रहा है। इस दौरान वह दिल्ली और हरियाणा पुलिस के घेरे में रहेगा। इसमें पुलिस कर्मचारी ही बाराती होंगे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) दीपक वासन की कोर्ट ने अधिकारियों को 12 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच काला जठेड़ी को शादी के लिए जेल से हिरासत में लेने को कहा है। उसकी शादी को लेकर दिल्ली पुलिस सुरक्षा और सुरक्षा व्यवस्था देखेगी। 13 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे गृह प्रवेश के लिए उसे सोनीपत जिले के जठेड़ी गांव में जाने की इजाजत दी गई है। वकील रोहित दलाल के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि विवाह के अधिकार को अनुच्छेद 21 के तहत एक संवैधानिक अधिकार घोषित किया गया है। दोनों हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार वयस्कता की आयु के हैं।

पाक समर्थक नारेबाजी में भाजपा के दावे को गृह मंत्री ने नकारा, निजी लैब की रिपोर्ट पर विश्वास नहीं

बंगलूरू, 4 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सैयद नसीर हुसैन की जीत के बाद पाकिस्तान के समर्थन में नारा लगाने का मामला गरमाता जा रहा है। हाल ही में, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने दावा किया था कि उन्हें विधान सौधा में कथित पाकिस्तान समर्थक नारों पर एफएसएल रिपोर्ट मिल गई है। इस पर राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने सफाई दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि नहीं पता कि खरगे ने ऐसा किस आधार पर कहा, जब एफएसएल रिपोर्ट मिल जाएगी तब आपको बता देंगे।

मुझे नहीं पता...

परमेश्वर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उन्होंने (खरगे) किस आधार पर यह कहा। मैं आपको अपने विभाग की एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद बताऊंगा।' वहीं, भाजपा ने दावा किया है कि निजी संगठन की एफएसएल रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई है कि पाकिस्तान समर्थित नारे लगाए गए हैं। इस पर गृह मंत्री ने कहा, 'निजी संगठन की रिपोर्टों पर विचार नहीं किया जा सकता।

हम गृह विभाग की फॉरेंसिक रिपोर्ट पर कार्रवाई करेंगे। छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है, हम रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करेंगे। वे बार-बार हमारी सरकार पर इस मुद्दे को छिपाने का आरोप लगा रहे हैं, वे हर दिन यह कह रहे हैं, हमें कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं है।' एफएसएल रिपोर्ट को लेकर भाजपा के दावे पर राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, 'मुझे इस बारे में नहीं पता। मैं इसकी जांच करूंगा और आपको बताऊंगा।' कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने कहा, 'जांच होने दीजिए। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद अगर साबित हो जाएगा कि नारे लगाए गए थे तो आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने वाले राष्ट्र विरोधी तत्वों को भारत में रहने की जरूरत नहीं है, उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए।' निजी संगठन वाली एसएफएल रिपोर्ट में किए दावे पर मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, 'आरएसएस समर्थित फाउंडेशन एक निजी कंपनी को यह नौकरी कैसे दे सकता है?

'वकील पब्लिसिटी के लिए याचिकाएं दायर न करें'

किसानों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों की मांगों के मुद्दे पर दायर एक याचिका को वापस लेने की इजाजत दे दी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे जटिल मुद्दों पर वकील सिर्फ पब्लिसिटी के लिए अखबारों की रिपोर्ट के आधार पर याचिकाएं दायर न करें। याचिका में मांग की गई थी कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना किसानों का अधिकार है और उनके इस अधिकार का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में मांग की गई थी कि सरकार किसानों के साथ उचित व्यवहार करे। किसान दिल्ली जाकर प्रदर्शन करना चाहते हैं तो उन्हें रोका न जाए क्योंकि ये उनका अधिकार है। याचिका में पुलिस प्रशासन द्वारा किसानों को रोकने के लिए बनाए गए अवरोधों को भी हटाने की मांग की गई थी। प्रदर्शनकारी किसानों पर पुलिस बल प्रयोग की जांच हो और पुलिस कार्रवाई में घायल हुए या मारे गए लोगों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। इस याचिका पर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की तो याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की गुहार लगाई। जिसकी कोर्ट ने इजाजत दे दी। कोर्ट ने कहा कि ये गंभीर मामला है और सिर्फ मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर याचिका दाखिल नहीं की जानी चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता एगनोस्तोस थियोस के खेद जताने के बाद याचिका वापस लेने की मंजूरी दे दी। जस्टिस कांत ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि 'ये बहुत गंभीर विषय है और सिर्फ अखबारों की रिपोर्ट्स के आधार पर प्रचार पाने के उद्देश्य से याचिकाएं दायर नहीं की जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री बनते ही शहबाज ने कश्मीर पर उगला जहर

अशोक भाटिया

इस्लामाबाद जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समर्थित सांसदों के 'चोर-चोर' के नारों और हंगामे के बीच प्रधानमंत्री एल-एन नेता शहबाज शरीफ रविवार को गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री चुन लिए गए है । इसी के साथ पाकिस्तान में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। शहबाज शरीफ दूसरी बार प्रधानमंत्री बन गए हैं। प्रधानमंत्री चुने जाने के साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर को लेकर कई दावे किए। उन्होंने कहा, 'कश्मीर में कश्मीरियों के खून बहाए जा रहे हैं और पूरा वादी खून से सुर्ख हो गया है।' शहबाज ने इंटरनेशनल कम्युनिटी पर हमला बोलते हुए कहा, 'लेकिन फिर भी दुनिया के होंठ सिले हुए हैं।'शहबाज शरीफ ने कश्मीर की आजादी के लिए नेशनल असेंबली से एक प्रस्ताव पारित करने की अपील की। शहबाज पाकिस्तान के 24वें प्रधानमंत्री बनेंगे। नेशनल असेंबली में उनके समर्थन में 201 वोट पड़े, जबकि विपक्षी पीटीआई के प्रधानमंत्री उम्मीदवार उमर अयूब खान को 92 वोट मिले। शहबाज ने पड़ोसी समेत तमाम मुल्कों के साथ संबंध बेहतर बनाने की मंशा जाहिर की लेकिन कश्मीर को लेकर अपने पुराने एजेंडे पर अड़े हुए हैं।सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी आज दोपहर 3 बजे राष्ट्रपति भवन में नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री को शपथ दिलाएंगे। कथित तौर पर सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर, कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर, मुख्यमंत्री और सभी प्रांतों के राज्यपाल भी शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा ले रहे हैं ।शहबाज शरीफ ने सूडान, सोमाली आईलैंड जैसे मुल्कों का हवाला देते हुए फिलिस्तीन, गाजा और कश्मीर में 'जुल्म' के खिलाफ एक प्रस्ताव पास करने की अपील की, जहां इंटरनेशनल कम्यूनिटी के हस्तक्षेप से शांति कायम हुई। उन्होंने विपक्षी सांसदों से 'फिलिस्तीन और कश्मीर की आजादी' के लिए साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद शहबाज शरीफ ने अपने बड़े भाई नवाज शरीफ को गले लगाया। उन्होंने विपक्षी सांसदों का सरकार को समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। पाकिस्तान में 8 फरवरी को चुनाव हुए थे और नतीजे आने के करीब तीन हफ्ते बाद सरकार का गठन हो सका है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पिपुल्स पार्टी और छोटे दलों के समर्थन से शहबाज प्रधानमंत्री बनेंगे। पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर कश्मीर को लेकर जो जहर उगला है, उसका पीओके से निर्वासित मानवाधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने करारा जवाब दिया । मिर्जा का कहना है कि उन्होंने इस क्षेत्र के बारे में 'झूठ' बोला है। शहबाज शरीफ को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 'मानवीय संकट' को स्वीकार करने की हिम्मत नहीं है। मिर्जा का दावा है कि पीओके में लोग भूख की वजह से मर रहे हैं।कश्मीर पर शहबाज को आईना दिखाते हुए अमजद अयूब मिर्जा ने कहा कि कश्मीर पर शहबाज के दावे तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। पीओके में मानवीय संकट है। लोग भूख की वजह से मर रहे हैं। हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है। अस्पतालों में दवाई नहीं बची है। शिक्षा प्रणाली ध्वस्त हो चुकी है। किसी देश में पाकिस्तानी डिग्री मान्य नहीं है। शहबाज शरीफ में इस सच को मानने की हिम्मत नहीं बची है।अमजद अयूब मिर्जा ने आगे कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पिछले साल अगस्त से चल रहे बिजली बहिष्कार अभियान के बारे में एक शब्द भी नहीं बोले। उन्होंने विकास के लिए या गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों को गेहूं व आटा उपलब्ध कराने के बारे में कुछ भी बात नहीं की। पीओके और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग 76 सालों से पाकिस्तानी सेना की घेराबंदी का सामना कर रहे हैं। इसलिए लोगों के मन में स्पष्ट है कि ये नई सरकार उनके लिए कुछ भी नहीं करने जा रही है।शहबाज शरीफ पाकिस्तान की जनता की दुहाई देकर कश्मीर पर जहर उगलते हुए कह रहे हैं कि कश्मीर चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में भाषण देते हुए कहा कि कश्मीर को आजाद कराना है। उन्होंने कश्मीर की तुलना फिलिस्तीन से भी की है। साथ ही साथ कश्मीर, फिलिस्तीन पर प्रस्ताव लाने की अपील की है। शपथ के पहले जिस तरह से शहबाज ने कश्मीर का राग अलापा, उसके साफ संकेत हैं कि शहबाज एक बार फिर अपनी अवाम का ध्यान दो जून की रोटी और रोजगार से हटाकर कश्मीर के नाम पर बरगलाने पर लग गए हैं।बताया जाता है कि शहबाज शरीफ किसी तरह से जोड़-तोड़ और साजिश से सरकार बनाने में लगे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि उनके ऊपर वहां की सेना का हाथ है जो पाकिस्तान में कठपुतली सरकार बनाकर देश की बागडोर अपने हाथ में रखना चाहती है।यह भी बताया जाता है कि साल 2030 तक पाकिस्तान को G20 देशों की श्रेणी में लाना भी उनका लक्ष्य है। पाकिस्तानी नेशनल असेंबली में शपथ के बाद नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा, आइए हम सभी साथ आएं और नेशनल असेंबली को कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी के लिए एक प्रस्ताव करना चाहिए। इस दौरान शहबाज ने फिलिस्तीन के स्वतंत्रता का जिक्र तो किया लेकिन युद्ध में मारे जा रहे फिलिस्तिनियों पर शहबाज ने कुछ नहीं कहा। शहबाज का जन्म सितंबर 1951 में लाहौर में कश्मीरी परिवार में हुआ था। उन्होंने अपना ग्रैजुएशन लाहौर के गवर्मेंट कॉलेज यूनिवर्सिटी से किया। उनका परिवार 20वीं सदी की शुरुआत में कारोबार के लिए कश्मीर के अनंतनाग से पंजाब के अमृतसर पहुंचा था। परिवार का कारोबार संभालने के बाद वह 1980 के दशक में राजनीति में आए । शहबाज शरीफ काफी सोच-समझकर राजनीति में आए थे। उन्होंने 1988 के चुनाव से राजनीति में कदम रखा। पंजाब असेंबली के बाद वो 1990 में नेशनल असेंबली के लिए चुने गए लेकिन 1993 में वह दोबारा पंजाब असेंबली लौटे।1997 में वह पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री चुने गए। वह 2008 से 2018 और 2013 से 2018 के बीच भी वह पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री रहे। इस दौरान उन्हें एक सख्त प्रशासक के तौर पर पहचाना गया। कई बड़े डेवलपमेंटल प्रोजेक्ट्स पर उनकी अगुवाई में धड़ल्ले से काम हुआ। शहबाज की राजनीति में पंजाब की सियासत की अहम भूमिका रही है। उन्हें मेगा प्रोजेक्ट्स को तेज गति से पूरी करने के लिए जाना जाता है। इस वजह से उन्हें 'शहबाज शरीफ स्पीड' के नाम से भी जाना जाता है।नवाज के प्रधानमंत्री बनते-बनते शहबाज कैसे प्रधानमंत्री बने ?के बारे में बताया जाता है कि आठ फरवरी को देश में हुए चुनाव में प्रधानमंत्री एल-एन ने 336 सदस्यीय नेशनल असेंबली में सिर्फ 75 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के निर्दलीय उम्मीदवारों ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज की थी जिसके बाद त्रिशंकु संसद के आसार बन रहे थे। ऐसे में प्रधानमंत्री एल-एन के लिए इमरान खान की पार्टी को सत्ता में आने से रोकने के लिए गठबंधन सरकार बनाने का ही विकल्प बचा था। इस गठबंधन सरकार की रूपरेखा तैयार करने का जिम्मा शहबाज शरीफ को सौंपा गया।दरअसल प्रधानमंत्री एल-एन पार्टी को जल्द ही अहसास हो गया था कि प्रधानमंत्री के लिए नवाज शरीफ के नाम पर कई लोगों को एतराज है। ऐसे में नवाज ने अपने छोटे भाई शहबाज को पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाने का ऐलान किया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नवाज शरीफ गठबंधन सरकार की अगुवाई करने में सहज नहीं थे। इस वजह से उन्होंने अपने छोटे भाई शहबाज के लिए प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया।

कांग्रेसियों को टिकट का इंतजार

एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी ने अलग- अलग प्रदेशों की कुल 195 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं, वहीं कांग्रेस के नेता अभी भी यात्रा मोड पर हैं। कांग्रेस की सुस्ती को देखकर अंदाजा लगाया जाने लगा है कि कांग्रेस के कई संभावित उम्मीदवार चुनाव लड़ने से पीछे हटने को तैयार हैं। वजह साफ है कि उन्हें हार का भी डर सता रहा है। यह तो सभी जानते हैं कि राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फ़ार्मूला दिया था कि चुनाव घोषित होने से कम से कम तीन महीने पहले प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएँ तो प्रत्याशियों को जनसंपर्क करने का काफी मौका मिल जाता है। इससे उनकी जीत की संभावना भी बनने लगती है। लेकिन देखने में यह आया था कि विधानसभा चुनाव में खुद अशोक गहलोत इस फ़ार्मूले पर अमल नहीं कर पाए थे। दूसरी ओर भाजपा ने कांग्रेस से पहले ज़्यादा प्रत्याशी घोषित कर दिए थे, नतीजतन भाजपा को अप्रत्याशित जीत मिली। अब कांग्रेस का यही हाल लोकसभा चुनाव में भी है। भारतीय जनता पार्टी लगभग दो सौ प्रत्याशियों को मैदान में उतार चुकी है, लेकिन कांग्रेस और उसके प्रत्याशियों का अब तक कोई अता- पता नहीं है। कांग्रेस के टिकटों का बहुत हद तक निर्णय करने वाले या इन मामलों में दखल रखने वाले राहुल गांधी फ़िलहाल देशाटन पर हैं। उनकी यात्रा जहां- जहां जा रही है वहाँ के पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और नेता खुली जीप पर राहुल के साथ खड़े होकर अपने नंबर बढ़ाने में लगे हुए हैं। लोकसभा चुनाव सिर पर हैं, लेकिन लगता है इसकी किसी को पड़ी नहीं है। यहां तक कि खुद राहुल गांधी को भी नहीं। इससे लगता है कांग्रेस पहले से ही हार मान चुकी है। यही वजह है कि अबकी बार, चार सौ पार के भाजपा के नारे ने इस लोकसभा चुनाव को बहुत हद तक एकतरफ़ा कर दिया है। एकतरफ़ा होने की संभावना ने ही इस चुनाव को नीरस बना दिया है।

कांग्रेस को जिस इंडिया गठबंधन पर भरोसा था वह भी लगभग बिखर चुका है, या यह भी कहा जा सकता है कि भाजपा की आक्रामक रणनीति ने इंडिया गठबंधन को बुरी तरह से छिन्न-भिन्न कर दिया है। रही सही कसर पूरी कर दी उत्तर प्रदेश के मेरठ क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले राष्ट्रीय लोक दल ने। उसके मुखिया जयंत चौधरी भाजपा में जाकर गठबंधन को हराने के लिए कमर कसते दिखाई दे रहे हैं। इस राष्ट्रीय लोक दल को संभालने वाले जयंत चौधरी, चौधरी चरण सिंह के पोते हैं। बहरहाल भाजपा ने जो टिकट घोषित किए हैं, वे सूझबूझ के साथ किए हैं। भोपाल की सांसद रही साध्वी प्रज्ञा सहित कई बडे-बड़ों के टिकट काट दिए गए हैं। कुछ नए चेहरे भी उतारे गए हैं। यानी जीत गारंटी देने वाले उम्मीदवारों को ही अब तक मैदान में उतारा गया है। मध्यप्रदेश की विदिशा लोकसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को टिकट देकर उनके राजनीतिक पुनर्वास का रास्ता निकाला गया है। समझा जाता है कि सरकार बनने के बाद केंद्र में उन्हें मंत्री या संगठन में कोई बड़ा पद देकर संतुष्ट किया जाएगा। टिकटों को लेकर कांग्रेस की रणनीति क्या होगी, फ़िलहाल किसी को पता नहीं है। यहां तक कि कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को भी नहीं।

टेक्नोलॉजी आतंकवादियों के अस्त्र-शस्त्र

संजीव ठाकुर

वैसे तो उग्रवाद, आतंकवाद और अतिवाद हमेशा से अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा बने हुए हैं। पहले यह आतंकवादी हाथों में बंदूक, ग्रेनेटो, रॉकेट लांचर लेकर विभिन्न देशों में तोड़फोड़ आगजनी और हत्या की घटनाएं किया करते थे। अब समय के परिवर्तन के साथ साथ आतंकवाद में अब इंटरनेट, मीडिया, सोशल मीडिया ने अपने पैर फैलाना शुरू किए हैं। आतंकवाद के नेटवर्क के लिए इंटरनेट तथा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का आसानी से उपयोग करने लगे हैं। अमेरिका में जो ट्विन टावर और पेंटागन में हमले हुए थे, उसमें आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर लक्ष्य भेदी विमानों को को भेजा गया था और एक बड़ी विध्वंसकारी घटना को अंजाम दिया गया था। समय और तकनीकी शिक्षा के बढ़ने के साथ-साथ अब उग्रवादी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर बड़े इंजीनियर तथा सॉफ्टवेयर इंजीनियर इस मैदान में आतंकवादियों के साथ टूट पड़े हैं। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स बड़े ही खतरनाक ढंग से सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल कर जनता को दिग्भ्रमित कर झूठी अफवाहें फैलाकर कई देशों के सूचना तंत्र में सेंध लगाकर वहां की सूचनाएं प्राप्त कर अपने उग्रवादी साथियों को भेज कर खुफिया सूचनाएं भेजते हैं। आतंकवादी गतिविधियों के लिए यह सूचनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। और देशों की शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा भी होती हैं। भारत के परिपेक्ष में भारत में बाहर के टेक्निकल शिक्षा प्राप्त किए आतंकवादी जिन्हे व्हाइट कॉलर आतंकवादी भी कहा जाता है। खुफिया तंत्र के हिसाब से यह तकनीकी स्लीपर सेल्स शांति के लिए अन्य आतंकवादियों से ज्यादा खतरनाक होते हैं। क्योंकि इनकी पहचान नहीं हो पाती है। ये छुपे हुए होते हैं। इनका पता लगाना अन्य आतंकवादियों से ज्यादा कठिन होता है और केवल तकनीकी जानकारी के आधार पर ही संभव हो पाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स इसलिए भी ज्यादा विनाशकारी होते हैं, क्योंकि यह दूर ठिकानों में बैठकर मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरनेट के जरिए युवाओं को उकसा कर, भड़का कर सांप्रदायिक दंगे कराने में सफल हो जाते हैं। या सोशल मीडिया में झूठी तथा गलत खबरों के जरिए युवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। निसंदेह ये अज्ञात होते हैं। लेकिन समूची युवा पीढ़ी को मानसिक रूप से प्रभावित कर उनके विकास की दिशा बदल सकते हैं। ऐसे में सारी खुफिया एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे बैठ रह जाती हैं। भारत के परिपेक्ष्य में जम्मू कश्मीर, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स के लिए एक सॉफ्ट टारगेट होते हैं। यह अपनी तकनीकी ज्ञान के चलते सोशल मीडिया में नाम बदलकर, रूप बदलकर, युवाओं को आम जनता को गलत जानकारी देकर दिग्भ्रमित करते रहते हैं, एवं दंगे भड़काने का काम भी करते हैं। मूलतः ये टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स सफेदपोश होते हैं। एवं आम लोगों के बीच घुल मिल जाते हैं। ऐसे में इनका पता लगाना इन्हें खोजना अत्यंत कठिन हो जाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स देश के सामरिक महत्व की जानकारी अपने उग्रवादी संगठनों को प्रदान करते हैं। इन जानकारियों का आतंकवादी संगठन उग्रवाद के लिए बेहद खतरनाक ढंग से किसी भी देश के खिलाफ कर सकते हैं। भारतीय संदर्भ में यदि जम्मू कश्मीर को लिया जाए तो अब वहां आतंकवादियों ने अपना युद्ध का तरीका बदल दिया है। युद्ध का मैदान नया है, जहां पारंपरिक अथवा हथियारों, सकरी गलियों और जंगली युद्ध के मैदानों के स्थान पर कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और स्मार्टफोन ने ले लिया है।

जुर्म की दुनिया में आतंक मचाते किशोर !

मनोज कुमार अग्रवाल

सावधान यदि आप का कोई किशोर या युवा बच्चा दोस्तों के साथ अधिक समय शेयर कर रहा है तो उस के दोस्तों को परख लीजिए कहीं ऐसा न हो कि यही दोस्त आपके पुत्र पुत्री से दोस्ती के नाम पर निकटता और संबंध बना कर उस का भावनात्मक आर्थिक अथवा शारीरिक शोषण कर रहे हो हाल ही में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दो जनपदों से एक माह के अंतराल पर एक के बाद एक दो हत्याकांड सामने आए हैं जिनमें दो व्यापारी पुत्रों की उन्हीं के दोस्तों ने नृशंस हत्या कर लाश ठिकाने लगा दी और दो परिवारों के जीवन में अंधेरा कर दिया। ताजा मामला उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा के गजरौला के रहने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के बड़े कारोबारी के बेटे की हत्या कर दी गयी. किडनैपर्स ने उनके 20 वर्षीय इकलौते बेटे का अपहरण करके 6 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी. फिरौती की रकम न मिलने पर बिजनेसमैन के बेटे की हत्या कर दी गयी. उसका शव गजरौला स्थिति तेवा फैक्ट्री के जंगलों में 4 फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया. इस मामले में नोएडा पुलिस ने बेटे के तीन दोस्तों को हिरासत में लिया. उनसे पूछताछ के बाद कारोबारी के बेटे का शव बरामद कर लिया गया। अमरोहा के गजरौला शहर के रहने वाले प्रदीप मित्तल बड़े कारोबारी है। उनका 20 वर्ष का इकलौता बेटा यश मित्तल नोएडा की बीएएमटी यूनिवर्सिटी में बीबीए फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था. वह 26 फरवरी को हॉस्टल से बाहर गया हुआ था. वह वापस नहीं लौटा. इसके बाद अपहरणकर्ताओं का मैसेज यश के फोन से पिता के पास आया. उन्होंने प्रदीप मित्तल से 6 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। प्रदीप मित्तल ने मामले की जानकारी दादरी थाने में लिखित तहरीर के माध्यम से दी. इसके बाद नोएडा पुलिस उनके बेटे को तलाश करने लगी. छह करोड़ रुपय की फिरौती न मिलने पर यश के दोस्तों ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी. हत्या के बाद शव को गहरे गड्ढे में दबा दिया. फिरौती मांगने वाले की मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर नोएडा की पुलिस ने तीन दोस्तों को हिरासत में लिया। उनकी निशानदेही पर यश का शव बरामद कर लिया गया. आरोपी दोस्त यश के मोबाइल से ही उसके पिता और बहन को फिरौती की रकम के लिए मैसेज और फोन कर रहे थे. पुलिस ने यश के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की. इसके आधार पर गजरौला के तिगरिया भूड़ मोहल्ले में छापा मारा और उसके एक दोस्त को हिरासत में ले लिया. इसके बाद दो और दोस्तों को भी हिरासत में लिया गया. आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मंडी धनौरा मार्ग पर तेवा कंपनी के सामने गहरे गड्ढे को खोदकर यश का शव बरामद किया. शव को देखकर ऐसा लग रहा था कि जैसे कई लोगों ने मिलकर उसको बेरहमी से पीटा था. इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गयी. यश के शरीर पर नील के कई निशान थे. इसके अलावा मुंह और नाक से खून भी निकल रहा था. मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार, प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह, सीओ श्वेताभ भास्कर, अरुण सिंह भी पहुंचे। अमरोहा एएसपी राजीव कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है. छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. नोएडा पुलिस ने दोस्तों की निशानदेही पर शव बरामद किया था. दादरी थाने में अपहरण का मामला दर्ज किया गया था. छात्र के तीन दोस्तों को हिरासत में लिया गया है. उनसे पूछताछ की जा रही है।पूछताछ में हत्यारे युवाओं ने बताया है कि किस तरह छात्र यश मित्तल के साथ दोस्ती बनाने के लिए सोची समझी साजिश के तहत बार बार फोन कर उसे दोस्ती के लिये मजबूर किया गया। इस के बाद पीने पिलाने का दौर शुरू हो गया और छात्र को दारू पार्टी के लिए हास्टल से बुला कर हत्या कर दी गई और शव जंगल में दबा दिया गया। अमरोहा जंगल में पार्टी के दौरान उसका और उसके दोस्तों का यश से विवाद हो गया था, जिसके बाद गुस्से में उन्होंने यश के साथ पहले मारपीट की, फिर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को वहीं 5 से 6 फुट गड्ढा खोदकर दफना दिया। पुलिस ने तीन हत्यारोपियों को डाढा गोल चक्कर जाने वाले रास्ते से मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस दौरान तीनों आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुमित, सुशांत और शिवम के रूप में हुई है। तीनों आरोपी अमरोहा के अलग-अलग इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। डीसीपी साद मियां खां ने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया गया है। मुठभेड़ में तीन हत्यारोपियों को गोली लगी है। इसी तर्ज पर एक अन्य वारदात बीते माह जनवरी में घटित हुई बुलंदशहर के कस्बा बिलासपुर निवासी व्यापारी अरुण सिंघल के बेटे वैभव (16) की हत्या कर दोस्तों ने शव खेरली नहर में फेंक दिया। नौ दिन से लापता वैभव की हत्या के आरोपी माज पठान और उसके नाबालिग साथी को पुलिस ने दबोच लिया। वारदात के बाद व्यापारियों में रोष व्याप्त हो गया। व्यापारियों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बाजार बंद करके बिलासपुर चौकी के सामने रोड जाम कर दिया। वहीं पुलिस के समझाने के बाद व्यापारी सिकंदराबाद-कासना रोड पर बैठ गए। इससे करीब दो घंटे तक जाम लग गया था। किराना व्यापारी अरुण सिंघल का बेटा वैभव 30 जनवरी की शाम को दुकान से घर जाने के दौरान लापता हो गया था। परिजनों ने 31 जनवरी को अपहरण का केस दर्ज कराया था। परिजन शुरू से ही अनहोनी की आशंका जता रहे थे। आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में गंभीरता से जांच नहीं की। मामले में परिजनों ने वैभव के दोस्तों पर संदेह जताया था। आठ दिन तक पुलिस को कामयाबी नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को कस्बा निवासी दो आरोपियों के नाम बताए। पुलिस ने शक के आधार पर वैभव के दोस्त माज पठान और नाबालिग से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। पुलिस पूछताछ में दोनों ने मिलकर वैभव की हत्या कर शव को खेरली नहर में फेंकने की बात कबूल ली। पुलिस आरोपियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। जहां वैभव की चप्पल और कपड़े बरामद हुए। वहीं आरोपी माज ने पुलिसकर्मी की सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से माज घायल हो गया है।पुलिस पूछताछ में आरोपी माज ने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर गला दबाकर हत्या की बात कबूली है। माज और उसकी महिला दोस्त का एक आपत्तिजनक वीडियो वैभव के पास था। माज को डर था कि वैभव उस वीडियो को वायरल कर देगा। वीडियो वायरल करने के डर से ही उसने दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। माज ने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर वारदात की बात कबूली है। आरोपी का आपत्तिजनक वीडियो वैभव के पास था। इसी वजह से हत्या की गई है।

आया राम गया राम ने राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया है

डॉ. सत्यवान सौरभ

दल बदल आया राम गया राम अभिव्यक्ति के साथ शुरू हुआ, जिसने हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में तीन बार पार्टियां बदलने के बाद भारतीय राजनीति में लोकप्रियता हासिल की। यह 1967 में हुआ था। संसद ने इस मामले का उपयोग भारतीय संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ने को उचित ठहराने के लिए किया। यह कानून सदन के किसी अन्य सदस्य की याचिका के जवाब में विधायिका के पीठासीन अधिकारी द्वारा सांसदों को दलबदल के लिए अयोग्य घोषित करने की प्रक्रिया स्थापित करता है। कानून के अनुसार, यदि कोई राजनेता स्वेच्छा से अपनी पार्टी छोड़ देता है या हाउस ऑफ कॉमन्स में वोट पर पार्टी नेतृत्व के निर्देशों की अवज्ञा करता है, तो वह दलबदल करता है। धारणा यह है कि विधायक इस व्यवहार से पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर रहे हैं। दल-बदल विरोधी विधेयक का उद्देश्य विधायकों को पाला बदलने से रोककर सरकार को स्थिर रखना है। दल -बदल विरोधी कानून ने भारत में बहस और चर्चा के बजाय पार्टियों और संख्या के आधार पर लोकतंत्र लागू किया। इस तरह से यह असहमति और दलबदल के बीच कोई अंतर नहीं करता है, जिससे किसी भी पैमाने पर संसदीय बहस कमजोर हो जाती है। दूसरी ओर, यह कानून राजनेताओं को उनके राजनीतिक दलों से अनिश्चित काल के लिए बाध्य नहीं करता है। विभिन्न परिस्थितियों में विधायक अयोग्य ठहराए जाने के डर के बिना दल बदल सकते हैं। यह कानून किसी पार्टी को किसी अन्य पार्टी के साथ विलय की अनुमति देता है यदि उसके दो-तिहाई सदस्य इसे स्वीकार करते हैं। ऐसे में किसी भी सदस्य पर दलबदल का आरोप नहीं लगता। अन्य स्थितियों में, यदि कोई व्यक्ति अध्यक्ष या अध्यक्ष के रूप में चुना गया था और उसे अपनी पार्टी से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। परिणामस्वरूप, वे पद छोड़ने के बाद फिर से पार्टी में शामिल हो सकते हैं।भारत में परित्याग की अनेक घटनाएँ हुई हैं। कई विधायकों और सांसदों ने पार्टियां बदल ली हैं। 91वां संविधान संशोधन अधिनियम-2003 का लक्ष्य मंत्रिपरिषद के आकार को कम करना, दलबदलुओं को सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश करने से रोकना और भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची में सुधार करना था। पहले, विलय को एक राजनीतिक दल के निर्वाचित सदस्यों के एक तिहाई के दलबदल के रूप में परिभाषित किया गया था। संशोधन के बाद इसे कम से कम दो-तिहाई कर दिया गया। अदालत ने विधायक अयोग्यता के मामलों पर विचार करने में स्पीकर की व्यापक शक्ति की भी पुष्टि की। यद्यपि हमारे देश के विधायकों की ओर से बार-बार और अपवित्र निष्ठा परिवर्तन के कारण होने वाली राजनीतिक अस्थिरता भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के कारण काफी कम हो गई है, फिर भी भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के अधिक तर्कसंगत संस्करण की आवश्यकता है। मणिपुर प्रशासन में कुछ मौजूदा विधायक हाल ही में विपक्ष में चले गए, जिससे राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो गई। मणिपुर में दलबदल की यह राजनीति असामान्य नहीं है; हाल ही में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी दलबदल हुआ है। विधानमंडल के सदस्यों द्वारा राजनीतिक दलबदल ने लंबे समय से भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। दल-बदल विरोधी कानून ने निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज को दबा दिया है। विधायकों द्वारा पार्टी अनुशासन का पालन न करना एक राजनीतिक समस्या है, और इसे अधिक आंतरिक पार्टी लोकतंत्र और पार्टी के सदस्यों के विकास के तरीकों के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। भारत के संविधान का एक हिस्सा इसकी मूल भावना के ख़िलाफ़ है। यह दसवीं अनुसूची है, जिसे 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था। राजनीतिक दलबदल को रोकने के लिए 1985 में संसद द्वारा पारित किया गया, इसे आमतौर पर दलबदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है। इसका उद्देश्य एक राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए विधायकों को दूसरे के प्रति अपनी निष्ठा बदलने से रोकना था। इसका उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता लाना था। तब से, इसने हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज़ को दबा दिया है, संवैधानिक कार्यालयों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है और हमारे लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाया है। दल-बदल विरोधी कानून 37 वर्षों तक स्थिर सरकारें सुनिश्चित करने में विफल रहा है। कुछ हालिया उदाहरण उद्धृत किये जा सकते हैं।इन विफलताओं के बावजूद, दल-बदल विरोधी कानून को छोड़ने के बजाय उसे मजबूत करने की मांग उठ रही है।

नई पीढ़ी नई सोच

डॉ टी महादेव राव

क्या बात है? आंखें बहुत लाल हैं। कल रात सोए नहीं क्या?" "कल रात ही नहीं, अब किसी भी रात मुझे नींद नहीं आएगी। जब तक मैं अपने लक्ष्य को हासिल न कर लूं। सारे दिन और रातें जागरण में ही गुजरेंगे।" "अच्छा! ऐसा क्या संकल्प ले लिया तुमने" "मेरा लक्ष्य है - सरकारी नौकरी हासिल करना।" "वाह! बहुत अच्छा लक्ष्य है, लेकिन इसके लिए नींद को त्यागने की क्या जरूरत है?" "ग्रुप, सिविल, आरआरबी, स्टाफ सिलेक्शन कमीशन इस तरह बहुत सारी सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में पास होने के लिए पढ़ना होगा न?" "इतनी मेहनत से सरकारी नौकरी हासिल करके क्या करना चाहते हो?" "क्या करना चाहूंगा? और क्या सोऊंगा।" "क्या??" "तुमने ठीक ही सुना है भाई! आंख भर नींद लेने के लिए ही मैं सरकारी नौकरी पाना चाहता हूं।" "यह बात मेरी समझ में कुछ आई नहीं। कितना बढ़िया घर है और तुम दफ्तर में सोना चाहते हो?" "घर में बीवी चावल नहीं है, किराना नहीं है, लेकर आइये। बच्चों की फीस भरनी है जाइए। सारा दिन बीवी की खिटपिट सुनने से बेहतर है, सरकारी कार्यालय में आराम से जी भर के सोएं।" "ओहो! दफ्तर में कुर्सी तोड़ते हुए सोना चाहते हो तुम?" "ऐसे दफ्तर में जॉब मिल जाए जिसमें कोई झंझट न हो, तो उसकी कुर्सी जैसा आरामदेय, स्वर्ग जैसा सुखदेय और क्या हो सकता है? सोने के लिए सरकारी सुरक्षित और शांत जगह कोई है बताओ? और सच कहा जाए तो यह बात मैं नहीं कह रहा हूं। राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल के सदस्य डंके की चोट पर कह गए हैं- सरकारी अधिकारी दफ्तरों में सो रहे हैं और जब तक हम कोई आदेश न दें तब तक कोई काम नहीं कर रहे हैं। कहते हैं वह कुछ लोग प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों की कार्यशैली पर आग उगल रहे थे।" "तुम्हारी अवसरवादिता को लाखों नमन। उनकी गालियों को भी इस तरह सकारात्मक रूप से लेकर तुम सरकारी नौकरी पाने के लिए दिन रात एक कर रहे हो। उसके लिए खाना पीना सोना छोड़कर मेहनत कर रहे हो। जैसे ही वह नौकरी मिलेगी, खर्राटे भरते हुए आराम से सो जाओगे।" "अभी तक यही तो बता रहा हूं तुम्हें भैया! और अधिक जानकारी चाहिए आपको? किसलिए काम नहीं कर रहे हो, पूछने वाला कोई भी नहीं होता, क्योंकि किया जाने वाला काम एक पहाड़ की तरह इकट्ठा हो गया होता है। इसलिए हम क्या काम कर रहे हैं इस पर किसी को कोई स्पष्टता नहीं है। अगर ऊपर का अधिकारी पूछता है तो उसे पहाड़ दिखा कर कह सकते हैं कि कितना सारा काम है और अकेला मैं क्या कर सकता हूं? फिर क्या.... आराम से जी भर के सोते रहो।"

"ओ तेरी! बंद कर तेरी नींद का रामायण।

पार्वती शिवजी को पाने के लिए कर रही थीं तप

देवी पार्वती की सीख– अपने निर्णय पर टिके रहें और किसी के बहकावे में न आयें, तभी मिलेगी सफलता

8 मार्च (शुक्रवार) को महाशिवरात्रि है। इस दिन शिव जी की पूजा के साथ ही उनसे जुड़ी कथाएं पढ़ने-सुनने की परंपरा है। आज जानिए शिव-पार्वती से जुड़ी एक ऐसी कथा, जिसमें देवी पार्वती ने किसी के बहकावे न आने की सीख दी है। देवी पार्वती शिव जी को पति के रूप में पाने के लिए तप कर रही थीं। देवर्षि नारद ने पार्वती को ये सलाह दी थी कि वे तप करके शिव जी को प्रसन्न करें, इसके बाद ही शिव-पार्वती का विवाह हो सकता है।

पार्वती जी को तपस्या करते हुए देखकर शिव जी ने तय किया कि देवी से विवाह करने से पहले उनकी परीक्षा लेनी चाहिए कि इनका मेरे लिए प्रेम और विश्वास कितना गहरा है।

शिव जी ने सप्त ऋषियों से कहा कि आप जाकर पार्वती जी की परीक्षा लीजिए।

शिव जी की आज्ञा से सभी सप्त ऋषि देवी के पास पहुंच गए। पार्वती जी से सप्त ऋषियों ने पूछा कि आप किसके लिए इतना कठोर तप कर रही हैं?

पार्वती जी ने कहा कि मेरे मन ने हठ पकड़ ली है कि मुझे शिव जी से विवाह करना है। देवर्षि नारद मेरे गुरु हैं और उन्होंने कहा है कि मुझे पति के रूप में शिव जी को प्राप्त करना चाहिए और इसीलिए मैं शिव जी को पाने के लिए तप कर रही हूं।

सप्त ऋषियों ने कहा कि नारद के कहने से आज तक किसी का भला नहीं हुआ है। नारद तो कहीं भी मांगकर खा लेते हैं, आराम से रहते हैं, उन्हें किसी बात की कोई चिंता नहीं है। उनकी बात पर ध्यान मत दो। हमारी बात मानो, हमने आपके लिए वैकुंठ का स्वामी और बहुत सुंदर वर चुना है। आप उनसे विवाह कर लीजिए।

पार्वती जी ने कहा कि मेरे पिता हिमाचलराज हैं, मेरा शरीर पर्वत से बना है, इसलिए मैंने जो हठ कर ली है, वह अब छूटेगी नहीं। जिस तरह तपने के बाद भी अपना स्वभाव नहीं छोड़ता है, ठीक उसी तरह मैं अपना स्वभाव नहीं छोड़ूंगी। मुझे मेरे गुरु की बात पर भरोसा है। मैं तप करके शिव जी को ही पति के रूप में प्राप्त करूंगी।

पार्वती जी की ये बातें सुनकर सभी सप्तऋषि प्रसन्न हो गए और देवी को आशीर्वाद देकर लौट आए। इसके बाद शिव-पार्वती का विवाह हुआ।

देवी पार्वती की सीख

इस कथा में देवी पार्वती ने हमें सीख दी है हम जो भी निर्णय करते हैं, अगर वह सही है तो उस पर टिके रहना चाहिए। अपना काम करते समय किसी के बहकावे में भी नहीं आना चाहिए। तभी सफलता मिल सकती है।

ये होते हैं लाभ

- चूंकि शिवरात्रि, शिव-शक्ति के विवाह की रात है इसलिए दोनों का साथ पूजन हर तरह के सुख-सुविधाएं-संपत्ति प्रदान करता है।
- माता पार्वती के साथ सभी गणों और नंदी से घिरे भगवान शिव की पूजा करने से मान-सम्मान मिलता है।
- महाशिवरात्रि में इस शुभ मुहूर्त में करें शिव पूजन
- सिर पर चंद्रमा और जटा पर गंगा धारण किए भगवान शिव की गोद में मां पार्वती और साथ में कार्तिकेय-गणेश की पूजा करने से सभी झगड़े खत्म होते हैं और घर में सुख-शांति आती है।
- भगवान शिव के अर्द्धनारीश्वर रूप की महिमा भी कम नहीं है। इसकी पूजा करने से पत्नी सुख प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन सुखी रहता है।
- रुद्राभिषेक से प्रसन्न होते हैं शिव जी, हर मनोकामना कर देंगे पूरी
- भगवान शिव-पार्वती के साथ कार्तिकेय का पूजन करने से सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

इस देश के साधु-संत नेता एक से एक अदभुत हैं!

तुम्हारी कमजोरियों का शोषण शब्द तो मस्तिष्क में ही होते हैं, हृदय में नहीं जाते।

लेकिन विनोबा का संदेश जयप्रकाश नारायण को दिया गया। अनेक लोगों को लगा होगाः बड़ा धार्मिक संदेश!

यह देश तो बड़ा अजीब है। इस देश के साधु-संत, इस देश के नेता एक से एक अदभुत हैं! जयप्रकाश मरे ही नहीं और पार्लियामेंट ने शोक-संवेदना प्रकट कर दी, और देश के प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने घोषणा कर दी कि मर गए! मोरारजी देसाई का मनोविश्लेषण करवाना जरूरी है। अगर फ्रायड से पूछो तो वह कहेगा कि वे चाहते हैं कि मर जाएं। इसलिए जल्दी घोषणा कर दी। भीतर चाह थी। आकांक्षा की पूर्ति वही है कि किसी तरह मरें, झंझट मिटे। मरने की जरा भी खोजबीन न की गई। आश्चर्य! किसी से पूछताछ न की गई। सरकार का इतना बड़ा आयोजन है, बड़े-बड़े नेता जसलोक अस्पताल में बैठे हुए हैं, जसलोक अस्पताल चौबीस घंटे प्रधानमंत्री से फोन से जुड़ा हुआ है।

लेकिन बिना कोई खोज-खबर किए, किसी एक आदमी ने अफवाह उड़ा दी कि मर गए– उस आदमी का भी पक्का पता नहीं चल रहा कि कौन?

किसी ने यूं ही मजाक कर दिया हो, बंबई से किसी ने फोन ही कर दिया हो उठा कर–मगर इतनी जल्दी भरोसा कर लिया? जिनसे हमारा प्रेम होता है वे तो मर भी जाते हैं तो भी भरोसा नहीं आता कि मर गए। तुम जानते हो यह बात। अगर तुम्हारा किसी से प्रेम है, वह मर जाए, तो मर जाने के बाद भी कई दिन लग जाते हैं यह भरोसा लाने में कि मर गया। बार-बार भूल जाती है यह बात कि मर गया। कैसे यह हो सकता है?

यह हो ही नहीं सकता। किसी मां का बेटा मर जाए, मरी लाश सामने पड़ी है, मगर वह मान नहीं पाती, वह पूछती है–कैसे? यह हो कैसे सकता है? मेरा बेटा मर कैसे सकता है? नहीं-नहीं, मरा नहीं है। शायद सो गया है; शायद बेहोश हो गया है; शायद लौट आएगा।**(क्रमशः)**

फूल-पत्तियों के बिना अधूरी रहती है शिव पूजा

शिव पूजा का महापर्व महाशिवरात्रि 8 मार्च (शुक्रवार) को है। इस दिन शिवलिंग का विशेष अभिषेक, पूजन किया जाएगा। भक्त शिव जी के पौराणिक मंदिरों में दर्शन-पूजन करेंगे। इस दिन 12 ज्योतिर्लिंगों में दर्शन के लिए भक्त बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। शिव जी की विधिवत पूजा में समय ज्यादा लगता है, जिन लोगों के पास समय अभाव है वे शिवलिंग पर जल और बिल्व पत्र चढ़ाकर भी सरल पूजा कर सकते हैं।

शिव जी बिल्व पत्र बहुत प्रिय है, लेकिन इसके साथ कुछ और पत्तियां भी हैं जो शिवलिंग पर चढ़ाई जा सकती हैं। जानिए ये पत्तियां कौन-कौन सी हैं...

शमी के पत्ते - शमी के पत्ते शनि देव को प्रिय हैं, ये पत्ते शिवलिंग पर और गणेश जी को भी चढ़ा सकते हैं। शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाएं

और इसके बाद बिल्व के साथ ही शमी के पत्ते भी जरूर चढ़ाना चाहिए।

धतूरे के पत्ते - शिवलिंग पर धतूरा भी चढ़ाया जाता है। धतूरे के पत्ते भी पूजा में चढ़ाए जा सकते हैं। ये पौधा जहरीला होता है, लेकिन इसका उपयोग औषधि में भी किया जाता है। माना जाता है कि धतूरे के पत्ते शिवलिंग पर चढ़ाने से भक्तों के बुरे विचार खत्म होते हैं।

आंकड़े के पत्ते - शिव पूजा में आंकड़े के फूल भी चढ़ाए जाते हैं। फूल के साथ ही इस पौधे की पत्तियां भी शिव जी को चढ़ा सकते हैं।

दूर्वा - गणेश जी की प्रिय दूर्वा शिवलिंग पर भी चढ़ा सकते हैं। शिवलिंग पर दूर्वा चढ़ाने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं, ऐसी मान्यता है।

पीपल के पत्ते - पीपल को पूजनीय और पवित्र पेड माना जाता है। रोज इस पेड़ को जल चढ़ाने और इसकी परिक्रमा करनी परंपरा है। माना जाता है कि पीपल में भगवान विष्णु का वास होता है। पीपल के पत्ते शिवलिंग पर भी चढ़ा सकते हैं। पीपल के पत्तों पर राम नाम लिखकर हनुमान जी को और शिव जी को चढ़ाना चाहिए। राम नाम लिखने के लिए चंदन या अष्टगंध का उपयोग करना चाहिए।

ऑफिस से जुड़ी हर समस्या को दूर कर सकते हैं ये 5 उपाय

शनि की दशा आपके ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को उजागर करती है। इसके अलावा कुंडली का सप्तम और दशम भाव भी महत्वपूर्ण है। इससे आप यह समझ सकते हैं कि ऑफिस का माहौल कैसा है।

शनि का आपके ऑफिस के साथ सीधा संबंध होता है। शनि की दशा आपके ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को उजागर करती है। इसके अलावा कुंडली का सप्तम और दशम भाव भी महत्वपूर्ण है। इससे आप यह समझ सकते हैं कि ऑफिस का माहौल कैसा है। बुध भी यहां महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि इसकी सहायता से व्यक्ति अपने ऑफिस में चीजों को मैनेज कर पाता है। राहु और मंगल ऑफिस में समस्याएं पैदा करते हैं। कुंडली में सप्तम भाव कमजोर होने पर वहां असहयोग मिलता है। आइए जानते हैं कि ऑफिस से जुड़ी समस्याओं में कौन से उपाय कारगर साबित हो सकते हैं।

काम को लेकर तनाव

नित्य प्रातः और सायं शनि मंत्र का जप करें। एक लोहे का छल्ला धारण करें। अपने काम करने की जगह पर एक सफेद मार्बल का टुकड़ा रखें। अपने सामने रंग बिरंगे फूलों का चित्र लगाएं।

सहयोगियों से परेशान

नित्य प्रातः सूर्य को जल अर्पित करें। स्नान के बाद हल्की सुगंध जरूर लगाएं। ऑफिस जाते समय गुड़ खाकर जाएं। मंगलवार को हनुमान मंदिर जाकर हनुमान जी का दर्शन करें। काम के स्थान पर एक लाल रंग का फूल रखें।

काम की प्रशंसा नहीं होती

नित्य प्रातः सूर्य को जल अर्पित करें। एक तांबे का छल्ला जरूर धारण करें। काम के स्थान पर उगते हुए सूर्य का चित्र लगाएं। अपनी पेन दूसरों को न दें ।

षडयंत्रों से परेशान

नित्य प्रातः सूर्य को जल अर्पित करें। इसके बाद आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करें। अपने काम के स्थान पर गायत्री मंत्र लिखकर लगाएं।

खुद एडजस्ट करने की समस्या

रोज स्नान करें। नमः शिवाय का जप करें। चंदन की सुगंध का प्रयोग जरूर करें। एक पेरिडॉट या मोती सलाह लेकर धारण करें।

2000 साल पुराना है तिलस्वां महादेव मंदिर, यहां कुंड में नहाने से दूर हो जाता है चर्म रोग!

भीलवाड़ा जिले में स्थित तिलस्वां महादेव राजस्थान के प्रमुख शिवालयों में से एक है। यह मंदिर अपनी अनोखी मान्यताओं और विशेषताओं के लिए जाना जाता है। यहां भगवान शिव का शिवलिंग तिल के समान है। यह शिवलिंग प्राकृतिक रूप से बना हुआ है और इसकी बनावट तिल के दाने जैसी है। शिवलिंग के साथ ही भगवान शिव की प्रतिमा भी एक ही जगह पर विराजमान है।यहां पर स्थित कुंड में स्नान करने से भक्तों के चर्म रोग दूर हो जाते हैं। इस वजह से यहां पर पूरे साल भर भक्तों का आना-जाना रहता है। महाशिवरात्रि के पर्व पर यहां भक्तों का तांता लगा रहता है।

तिलस्वां महादेव मंदिर के पुजारी घनश्याम पाराशर ने कहा कि तिलस्वां महादेव के नाम से प्राचीन शिव मंदिर है। यह 2024 वर्ष पुराना मंदिर है। तिलस्वां महादेव मंदिर की स्थापना 10वीं से 12वीं सदी के बीच आज से 2024 वर्ष पूर्व राजा हवन ने की थी। राजा हवन ने ऊपर माल क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध बिजोलिया क्षेत्र में 12 मंदाकिनीय बनाई उसमें से तिलस्वां महादेव प्रमुख मंदाकनी के नाम से शिव मंदिर प्रसिद्ध है। कुष्ठ रोग जैसी बीमारी वाले भक्तों की पीड़ा भगवान भोलेनाथ हरते हैं वहीं मंदिर की सेवा-पूजा का कार्य पाराशर परिवार की ओर से 16 पीढ़ियों से किया जा रहा है।

तिल जितना छोटा हैं शिवलिंग

तिलस्वां महादेव मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग

है, जो एक तिल के समान है। तिल के समान शिवलिंग होने से यहां का धार्मिक महत्व काफी है। 'तिलस्वां' नाम के पीछे भी एक जनश्रुति है। माना जाता है कि मेनाल के राजा हवन को एक बार कुष्ठ रोग हो गया तो एक सिद्ध योगी ने उसे बिजौलियां के मन्दाकिनी महादेव के कुण्ड में स्नान करने का आदेश दिया। जिससे सम्पूर्ण शरीर का कोढ़ तो मिट गया, लेकिन 'तिल' मात्र कोढ़ शेष रह गया। इस पर योगी ने राजा को यहां से थोड़ी दूर दक्षिण दिशा में स्थित जल कुण्ड में स्नान करने और वहां स्थापित शिवलिंग की पूजा करने का आदेश दिया। राजा के ऐसा करने पर 'तिल' मात्र कुष्ठ भी ठीक हो गया। तभी से 'तिलस्वां' नाम का विख्यात हुआ और राजा ने यहां विशाल शिव मन्दिर का निर्माण करवाया।

कुंड में स्नान करने से दूर हो जाता है चर्म रोग

मंदिर पुजारी घनश्याम ने यह भी कहा कि यहां पर एक मान्यता यह भी है कि मंदिर परिसर में बने कुंड में स्नान करने और यहां पर मिट्टी का लेप करने से शरीर का चर्म रोग दूर हो जाता है, यहां पर इस वजह से पूरे साल भर प्रदेश भर से लोग चर्म रोग से मुक्ति पाने के लिए यहां पहुंचते हैं।

घर में मूर्ति स्थापित करने से पहले इन नियमों का रखें खास ध्यान!

दैनिक जीवन में वास्तु शास्त्र को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। घर में देवी-देवताओं की मूर्ति वास्तु शास्त्र के अनुसार ही रखना चाहिए । आजकल घरों में बहुत ही खूबसूरत मंदिर बनवाना मजबूरी के साथ-साथ फैशन भी बन गया है। इन मंदिरों में देवी-देवताओं की खूबसूरत प्रतिमा स्थापित की जाती हैं लेकिन इस दौरान लोगों से कई गलतियां हो जाती हैं, जिनकी वजह से पूजा का शुभ लाभ नहीं मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार मंदिर में भगवान की प्रतिमा रखने का भी एक नियम होता है। इन नियमों की अनदेखी करने पर पूजा-पाठ का कोई फायदा

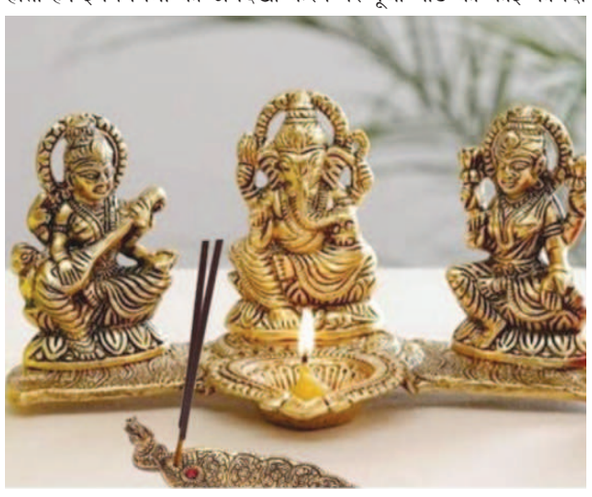

नहीं होता है। दरअसल महाशिवरात्रि का पर्व आने वाला है। 8 मार्च को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा और इस दिन भगवान शंकर की पूजा आराधना करने का विधान है। ऐसी स्थिति में अगर आप भी अपने घर के मंदिर में भगवान शंकर की प्रतिमा को स्थापित किए हैं। तो किस दिशा में भगवान शंकर की प्रतिमा होनी चाहिए की बात की जानकारी होना आवश्यक है।

इस दिशा में न रखें टूटे-फूटे बर्तन

वास्तु शास्त्र के मुताबिक भगवान शंकर की मूर्ति घर के उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करना चाहिए। दक्षिण और दक्षिण पश्चिम दिशा पूजा-पाठ के लिए शुभ नहीं होती। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए घर के उत्तर-पूर्व दिशा में कभी भी टूटे-फूटे बर्तन अथवा सामान रखने से बचना चाहिए। इसके अलावा उत्तर और पूर्व दिशा में हरे रंग का उपयोग ज्यादा करना चाहिए। ऐसा करने से आपको कई तरह के लाभ भी मिल सकते हैं। जिस दिशा में भगवान शंकर का वास होता है। उसे दिशा में काले रंग की वस्तुएं रखने से बचना चाहिए

लाल कपड़े में बांधे एक सिक्का

घर के उत्तर दिशा में माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। ऐसी स्थिति में घर के मंदिरों में उत्तर दिशा की तरफ माता लक्ष्मी की प्रतिमा को लगाया जा सकता है। ऐसा करने से भाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही इस दिशा में लाल कपड़े में बांधकर एक चांदी का सिक्का जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धन लक्ष्मी का आगमन होता है। इसके अलावा माता लक्ष्मी का जहां वास होता है। वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। घर की इस दिशा में साफ-सफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए। ऐसा करने से आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

घर में वास्तु दोष लगने का है डर, इस एक मंत्र से दूर हो जाएगी विपदा

जब भी लोग अपने सपने का घर बनाते हैं तो इस पर बारीक नजर रखते हैं, ताकि कहीं किसी प्रकार की चूक ना हो जाए। घर निर्माण में वास्तु का भी अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है। घर में अगर वास्तु दोष रह जाता है तो, हमेशा कल की गुंजाइश बनी रहती है। यदि आप भी अपने सपनों का घर बना रहे हैं तो वस्तु का जरूर ध्यान रखें ताकि क्लेश, विपदा और और असमय मृत्यु को टाल सकते हैं। वास्तु दोष के इन तमाम परेशानियों से बिना घर तुड़वाए आप मुक्ति पा सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में इसका भी वर्णन किया गया है कि किस प्रकार से बने हुए मकान से वास्तु दोष को दूर किया जा सकता है। बस इसको अमल में लाने की जरूरत है।

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ। कुणाल कुमार झा बताते हैं कि जिन जातक ने वास्तु शास्त्र के आधार पर अपने मकान का निर्माण नहीं करवाया है, उन्हें कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मकान बनवाने में अब ज्यादा काफी खर्च करने के बाद आपका ड्रीम होम तैयार होता है और इसे आप कभी तोड़ना नहीं चाहेंगे।

वास्तु दोष के कारण संयुक्त परिवार का टूटना, धन का नुकसान हो रहा है तो इसमें किसी भी घर के मध्य भाग में वास्तु पुरुष का मंडप निर्माण करके स्वर्ण रचित वास्तु पुरुष का खोचों उपचार विधि से दूर कर सकते हैं। खोचों उपचार से पूजा करने और अंग देवता के पूजन करने से समस्या दूर हो जाएगी।

इस मंत्र के जाप से वास्तु दोष हो जाएगा दूर

ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ। कुणाल कुमार झा बताते हैं कि इसका एक मंत्र भी है। इस मंत्र का जाप कर वास्तु दोष को दूर कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि "ॐ घरनी बिदारनी बुच्चिई नमः स्वाहा" इस मंत्र को 11 हजार बार जाप करने के बाद उसका दशांश हवन करने से घर से वास्तु दोष दूर हो जाएंगे। साथ हैं जो भी क्लेश, विपदा या फिर धन का ह्रास हो रहा है उनमें सुधार आ जाएगा।

नयनतारा और विग्नेश के रिश्ते में आई अनबन

साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिनों ही खबर सामने आई थी कि एक्ट्रेस और उनके पति विग्नेश शिवन के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इनके रिश्ते में दरार आ गई है और उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। हालांकि, अब ये दावा झूठा निकला है। ना तो उन्होंने एक-दूसरे को अनफॉलो किया है और ना ही इनके रिश्ते में दरार आई है। अनबन की खबरों पर विग्नेश शिवन ने रिएक्ट किया है और सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर की है।

विग्नेश ने अनबन की खबरों के बीच इंस्टाग्राम पर पत्नी नयनतारा की फोटो शेयर की है। सोशल मीडिया पर सामने आई फोटो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस फूलों के साथ पोज दे रही हैं। उनकी ये पोस्ट एक्ट्रेस के ब्यूटी ब्रैंड 9 स्किन से जुड़ा हुआ है। अब विग्नेश के इस तस्वीर को शेयर करने के बाद फैंस का कहना है कि नयनतारा के पति ने किसी भी तरह की अनबन की अफवाह को एकदम से खारिज कर दिया है।

कैसे शुरू हुई रिश्ते में अनबन की चर्चा?

नयनतारा और उनके पति विग्नेश शिवन के रिश्ते में अनबन की चर्चा पर नजर डाली जाए तो इसकी चर्चा तब शुरू हुई जब नयनतारा और उनके पति विग्नेश शिवन का 'रेडिट' पर एक पोस्ट वायरल हुआ। इसमें ये दावा किया गया कि एक्ट्रेस ने अपने हसबैंड को अनफॉलो कर दिया है। अब इस खबर के सामने आने के बाद उनके फैंस चिंता में आ गए कि आखिर क्या वजह है, जो इनके रिश्ते में अनबन आ गई है। लेकिन, अब पति द्वारा शेयर की गई फोटो के बाद फैंस ने राहत की सांस ली है। इससे माना जा रहा है कि सबकुछ ठीक है।

आपको बता दें कि नयनतारा 91 लोगों को इंस्टाग्राम पर फॉलो करती हैं और इसमें एक नाम उनके पति विग्नेश शिवन का भी है। इसके अलावा अगर एक्ट्रेस वर्कफ्रंट की बात की जाए तो उन्हें आखिरी बार फिल्म 'जवान' में देखा गया था। इसके जरिए उन्हें शाहरुख खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करते हुए देखा गया था।

प्रभास की अगली फिल्म 'सालार' के सीक्वल को बड़े पैमाने पर बनाने की तैयारी

प्रभास की फिल्म 'सालार' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही। अब सभी को फिल्म के दूसरे भाग का इंतजार है। हर फैन यह जानना चाहता है कि इस फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी? इसी का जवाब अब मिल गया है।'सालार' में अहम भूमिका निभाने वाले बॉबी सिम्हा ने हाल ही में खुलासा किया है कि फिल्म के सीक्वल की शूटिंग अप्रैल में शुरू होगी और इसके लिए पूरी योजना बनाई जा रही है।

बड़े पैमाने पर बनाने की तैयारी

बॉबी सिम्हा ने हाल ही में यह ताजा जानकारी तो दी ही, साथ ही यह भी बताया कि फिलहाल फिल्म निर्माता इसे लेकर खास तैयारियों में जुट गए हैं। तय किया जा रहा है कि कहां-कहां फिल्म की शूटिंग होगी, कितने दिन का शूटिंग शेड्यूल होगा और कैसे प्री प्रॉडक्शन से जुड़े बाकी फैसलों को अंतिम रूप दिया जाएगा। आपको बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील कर रहे हैं। इस फिल्म में श्रुति हासन और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। गौरतलब है कि होम्बले फिल्म्स इस फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस करने की योजना बना रही है।

प्रभास फिलहाल 'कल्कि 2898 एडी' में व्यस्त

इसके अलावा, प्रभास की फिल्मों की बात करें, तो उनकी अगली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' है। नाग अश्विन की इस फिल्म का काम अपने अंतिम चरण में है। इस समय प्रभास इसी में काफी व्यस्त है।इसके बाद वह 'सालार 2' पर फोकस करेंगे।

कहा जा रहा है कि 'सलार 2' की रिलीज अगले साल हो सकती है। इससे पहले, सलार को दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। जाहिर है फैंस के लिए यह एक खुशी की खबर है। फिल्म के प्रशंसक काफी दिनों से सोशल मीडिया पर यह पूछ रहे थे कि फिल्म का सीक्वल कब देखने को मिलेगा या फिर इसका शूट कब शुरू होने जा रहा है। बेशक, प्रशंसक इस अपडेट को जानने के बाद बेहद रोमांचित होंगे।

'बस्तर' में मेरा किरदार हीरो के लिए लिखा गया

फिल्म 'द केरल स्टोरी' के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' को लेकर काफी उत्साहित हैं। अदा शर्मा मानती हैं कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे कठिन फिल्म है। इस फिल्म में अदा शर्मा बस्तर की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नीरजा माधवन की भूमिका निभा रही हैं। जब इस फिल्म की कहानी लिखी गई थी तो इस किरदार को पुरुष अधिकारी के हिसाब से लिखा गया था। फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' का ट्रेलर आज रिलीज होने जा रहा है।

व्यक्तिगत जीवन में तो कोई बदलाव नहीं आया है। जैसी थी वैसी ही हूं, प्रोफेशनल जीवन में बदलाव यह आया है कि अब लोगों का विश्वास बढ़ा है। इस फिल्म के बाद इंडस्ट्री के बहुत सारे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। मुझे बहुत खुशी है कि शाहरुख खान, सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार की बड़ी-बड़ी फिल्म के साथ लोग मेरी छोटी सी फिल्म का नाम भी ले लेते है। यह बहुत अच्छा लगता है। जब हम इस फिल्म को बना रहे थे तो यह बहुत ही छोटी फिल्म थी। हमारी कोशिश यही थी कि जितने लोगों तक जागरूकता पहुंचे बड़ी अच्छी बात है। लेकिन, इतने लोगों के दिलों तक फिल्म पहुंच जाएगी लोग इतना पसंद करेंगे यह बात हमने नहीं सोची थी।

इस फिल्म के बाद इंडस्ट्री के लोगों में इतना तो विश्वास बढ़ा कि मैं बड़ी फिल्मों का भी हिस्सा बन सकती हूं। ऑफर तो आते रहते हैं, लेकिन अभी भी कुछ अच्छे प्रोजेक्ट्स का इंतजार है। जब मैं किसी फिल्म के लिए न बोलती हूं तो मुझे अच्छा तो नहीं लगता है, मेरी शुरू से ऐसी ही आदत रही है कि मेरी वजह से किसी को दुख न हो। अच्छा काम करना ही मेरी

प्राथमिकता है। 'द केरल स्टोरी' के बाद लोगों की मुझसे बेहतर काम करने की उम्मीदें बढ़ी हैं, मुझे लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

वेब सीरीज 'सनफ्लावर सीजन 2' में मेरा जिस जिस तरह का किरदार है, उस तरह का अतरंगी किरदार मैंने कभी नहीं निभाया था। इस सीरीज में रोजी का ऐसा किरदार है कि बहुत ही प्यार से सबसे काम निकलवा लेती है। इस किरदार को निभाने का एक अलग अनुभव रहा। कोई भी प्रोजेक्ट साइन करने से पहले मैं अपने दिल की सुनती हूं। जब मैं फिल्म '1920' से अपने करियर की शुरुआत कर रही थी तो लोग यही सलाह देते थे कि हॉरर फिल्म मत करो। आप खूबसूरत दिखती हो, फिल्म की हीरोइन जैसी खूबसूरत दिखो। फिल्म में थोड़ा नाच गाना और ग्लैमर होना चाहिए। लेकिन मुझे लगा कि ऐसे रोल किसे मिलते हैं करने के लिए, लोग पूरी जिंदगी भर काम करते हैं फिर भी ऐसी भूमिकाएं निभाने का मौका नहीं मिलता है। जब 'द केरल स्टोरी' कर रही थी तब सब कहते थे कि 'कमांडो' जैसी बड़ी एक्शन फिल्म की है तो ऐसी ही फिल्म करो।

इस फिल्म को करने से पहले मैं समझती थी कि 'द केरल स्टोरी' ही मेरे करियर की सबसे कठिन फिल्म हैं, लेकिन अब 'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' करने के बाद मैं यह कह सकती हूं कि यह फिल्म मेरे करियर की सबसे कठिन फिल्म है। इस फिल्म में मैं आईजी नीरजा माधवन की भूमिका निभा रही हूं, पहले यह किरदार पुरुष पात्र के हिसाब से लिखा गया था। लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि यह किरदार मुझे करने का मौका मिला है। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। हमारे देश के अंदर के ही दुश्मनों ने हमारे 76 जवानों को मार दिया। इस घटना के बारे में तो सबको पता है। यह कितनी दुखद बात है कि हमारे देश में ही हमारे दुश्मन छुपे बैठे हैं।

यह बहुत अच्छा बदलाव है। रही बात फिल्म 'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' की तो इसमे बहुत कुछ दिखने वाला है। इस फिल्म में हर किरदार का अपना महत्व है। चाहे वह छोटा किरदार हो या फिर कोई दूसरा किरदार हो। इस फिल्म का हर किरदार अपने आप में हीरो है। इस फिल्म के बारे में अभी ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन इतना जरूर है कि इस फिल्म को देखने के बाद दर्शक एक बार जरूर चौंकेंगे।

मम्मी के साथ मेरी बहुत मजबूत बॉन्डिंग है। उनसे सारी बातें साझा करती हूं, जो नहीं बता पाती, वह भी मुझे देखकर वह समझ जाती हैं। हर मां का दिल ही ऐसा होता है कि बिना कुछ कहे ही समझ जाती है। मां की जगह दुनिया में कोई नहीं ले सकता है। हर हाल में वह अपने बच्चों की खुशिया ही देखना चाहती है।

हमारे देश की महिलाएं पहले से ही काफी सशक्त और मजबूत हैं। हर क्षेत्र में महिलाएं खूब नाम और सम्मान कमा रही हैं। लेकिन, जब मैं देखती हूं कि एक महिला दूसरी महिला को नीचा दिखा रही है तो बहुत बुरा लगता है। किसी को नीचा गिराना बहुत आसान लगता है। लोगों को इसमें बहुत खुशी होती है। जब महिलाएं एक-दूसरे का सम्मान करेंगी तो मैं समझूंगी कि महिलाएं पूरी तरह से सशक्त और मजबूत हैं।

कानपुर के वैभव गुप्ता के सिर सजा 'इंडियन आइडल 14' का ताज, ट्रॉफी के साथ मिले ये ईनाम

रविवार रात लोकप्रिय टीवी शो 'इंडियन आइडल 14' का ग्रैंड फिनाले हुआ। इसमें विजेता का ताज कानुपर के वैभव गुप्ता के सिर सजा है। कानपुर के वैभव गुप्ता को इंडियन आइडल 14 की चमचमाती ट्रॉफी मिली है। इसके साथ उन्हें 25 लाख रुपये का चेक और एक 'हॉट एंड टेकी' ब्रेजा कार ईनाम में दी गई है। आद्या मिश्रा, अनन्या पाल, पीयूष पंवार, सुभादीप दास, अंजना पद्मनाभन के साथ वैभव भी टॉप पांच प्रतियोगियों शामिल थे और वह शो के विजेता बनकर उभरे हैं।

ये बने उप विजेता

शो में शुभदीप और पीयूष को प्रथम और द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया। उन्हें ट्रॉफी के साथ पांच लाख रुपये का चेक दिया गया है। वहीं, अनन्या इस शो की तीसरी रनर-अप रहीं। उन्हें ट्रॉफी के अलावा तीन लाख रुपये का ईनाम मिला।

सोनू निगम बने विशेष जज

सोनू निगम इस ग्रैंड फिनाले के विशेष जज रहे। उनके अलावा रियलिटी शो 'सुपरस्टार सिंगर' के आगामी सीजन में 'सुपर जज' के रूप में नजर आने वाली नेहा कक्कड़ भी फिनाले एपिसोड में शामिल हुईं। 'प्यारेलाल सिम्फनी' चैलेंज के लिए वैभव ने 1991 के एक्शन क्राइम ड्रामा 'हम' से 'जुम्मा चुम्मा' गाया, जिसमें अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, गोविंदा, किमी काटकर और अनुपम खेर ने अभिनय किया था। फिनाले के लिए वैभव ने आखिरी गाना सोनू निगम के साथ 'जोरू का गुलाम' गीत गाया।

सलमान-रणवीर के लिए गाने की जताई ख्वाहिश

विनर का एलान सोनू निगम ने किया। शो जीतने के बाद वैभव ने मीडिया से बातें करते हुए कहा, 'मैं बेहद खुश हूं और खुशी की इस भावना को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं अब फिल्मों के लिए गाना चाहता हूं। सलमान और रणवीर मेरे पसंदीदा कलाकार है। मेरा सपना है कि मैं उनके लिए प्लेबैक सिंगिंग करूं'।

रणवीर सिंह ने जल्द पिता बनने पर दी पहली प्रतिक्रिया

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की गिनती बॉलीवुड के पावर कपल में होती है। हाल ही में दीपवीर ने खुशखबरी सुनाई कि दोनों सितंबर महीने में अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद यह कपल अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग समारोह में शिरकत कर चार चांद लगाता नजर आया है। इसी उत्सव के दौरान अभिनेता पहले बच्चे का स्वागत करने पर अपनी खुशी व्यक्त करने से खुद को नहीं रोक सके।

रणवीर सिंह ने जामनगर में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन के दौरान पहली बार पिता बनने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। हिट फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से अपने अंदर के रॉकी रंधावा को दिखाते हुए, अभिनेता ने कहा, 'अनंत और राधिका की शादी हो रही है, दीपिका के साथ मैं अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहा हूं। क्या हो रहा है, मैं अभी भी इस पर विचार नहीं कर पा रहा।'

अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण पर प्यार बरसाते हुए, बी-टाउन स्टार ने आगे कहा, 'हाय बेब्स, रॉकी रंधावा दिस साइड। मैं आपको पिछले जन्म से प्यार करता हूं। आप खूबसूरत महिला हैं...क्या राज है...आओ हम खूबसूरत जोड़ी के लिए कुछ खास डांस करें।' इसके बाद, इस खूबसूरत जोड़ी ने 2015 की फिल्म 'दिल धड़कने दो' से 'गल्लां गूड़ियां' गाने पर डांस किया। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने 29 फरवरी को एक पोस्ट के माध्यम से जल्द माता-पिता बनने की खुशखबरी सुनाई। जोड़े ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा सा अनाउंसमेंट पोस्ट डाला, जिसमें लिखा था, 'सितंबर 2024। दीपिका और रणवीर।' जैसे ही बी-टाउन के पावर कपल ने खुशखबरी साझा की, आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, सोनम कपूर और कई अन्य सेलेब्स ने उन्हें बधाई दी। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह का प्यार संजय लीला भंसाली की 2013 की फिल्म 'राम लीला' के सेट पर परवान चढ़ा। नवंबर 2018 में शादी के बंधन में बंधने से पहले बी-टाउन के इस पावर कपल ने पांच साल से अधिक समय तक डेट किया। अब यह जोड़ा सितंबर के महीने में अपने पहले बच्चे के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है।

अफेयर की चर्चा के बीच रुमर्ड बॉयफ्रेंड संग दिखीं जान्हवी कपूर लोगों ने उड़ाया मजाक, संग में भाई अर्जुन भी आए नजर

अनंत अंबानी का प्री-वेडिंग फंक्शन काफी चर्चा में रहा। इसे 1 मार्च से 3 मार्च तक आयोजित किया गया था। फंक्शन खत्म हो गया है और सोशल मीडिया पर इस पार्टी की तस्वीरें और वीडियोज छाए हुए हैं। इसमें देश-विदेश की नामचीन हस्तियों ने शिरकत की थी। बॉलीवुड से अनिल कपूर, सलमान खान, शाहरुख खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, सैफ अली खान, करीना कपूर और माधुरी दीक्षित जैसे सेलेब्स ने शिरकत की थी। वहीं, जान्हवी कपूर भी पहुंची थीं। वो इस दौरान अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरती हुई नजर आईं।

सोशल मीडिया पर सामने आई फोटोज में देखा जा सकता है कि जान्हवी कपूर को स्टाइलिश लहंगे में नजर आ रही हैं। उन्होंने प्री-वेडिंग फंक्शन के आखिरी दिन पर पर्पल कलर का लहंगा कैरी किया था। इस दौरान उनका लुक देखते ही बन रहा था। इसमें उनके साथ एक्टर और भाई अर्जुन कपूर भी दिखाई दिए। इसमें उनके

साथ रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के सामने आने के बाद एक्ट्रेस के अफेयर की चर्चा को एक बार फिर से हवा मिल गई है। इस पर लोग उनकी चुटकी लेते हुए भी नजर आ रहे हैं।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ तस्वीर सामने आने के बाद लोग इस पर रिएक्शन दे रहे हैं। नेटिजन्स उनका मजाक बनाते नजर आ रहे हैं। एक ने लिखा, 'बॉयफ्रेंड तो चंपक दिख रहा है।' दूसरे ने लिखा, 'ये जान्हवी का बॉयफ्रेंड है?' तीसरे ने लिखा, 'ये उनका BF है?' इसके साथ ही एक अन्य ने अर्जुन कपूर की फिरकी लेते हुए लिखा, 'मलाइका को नहीं बुलाया। भाई को बुरा लग रहा है।' इसी तरह से इस पर लोग खूब रिएक्शन दे रहे हैं।

शिखर पहाड़िया का हाथ थामे दिखीं जान्हवी

इसके अलावा जान्हवी कपूर का सोशल मीडिया पर एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखने के लिए मिल रहा है कि उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया उनका हाथ थामने नजर आ रहे हैं। उनका ये वीडियो अनंत अंबानी के प्री-वेडिंग फंक्शन से आखिरी दिन का है, जिसमें एक्ट्रेस को साउथ स्टाइल में देखा गया था। इस दौरान शिखर उनका हाथ थामे नजर आए। उनका ये वीडियो भी काफी सुर्खियों में है।

जब चलती ट्रेन से गिर गई थीं अंकिता लोखंडे, एक्ट्रेस ने बताया कैसे बची थी जान

'पवित्र रिश्ता' से मशहूर हुईं अंकिता लोखंडे बीते कुछ महीनों से 'बिग बॉस 17' में दिखी उनकी पर्सनैलिटी और पति विक्की जैन संग उनके रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। अंकिता ने इंडस्ट्री में अपना नाम बनाने के लिए खूब स्ट्रगल किया है। करियर की शुरुआत में अंकिता मुंबई की लोकल ट्रेन से ट्रैवल किया करती थीं और इस दौरान उनके साथ कुछ ऐसा हुआ था, जिससे उनकी जान बाल-बाल बची।

हाल ही में दिए इंटरव्यू में अंकिता ने बताया कि उन्होंने मुंबई लोकल में सफर करना बहुत जल्द ही बंद कर दिया था, क्योंकि वह एक बार चलती ट्रेन से गिर गई थीं। अंकिता ने कहा,"मुझे ट्रेन से बहुत डर लगता है। एक बार मैं लोकल ट्रेन से गिर गई थी।" अंकिता ने बताया कि एक बार वह चर्चगेट से चलती ट्रेन पकड़ रही थीं और इस दौरान उनके साथ हादसा हो गया।

अंकिता ने बताया कि चर्चगेट रेलवे स्टेशन पर थी एक तेजी से जा रही ट्रेन में चढ़ रही थीं जबकि उसके दोस्त स्लो ट्रेन में चढ़ गए थे। उनके दोस्तों ने ट्रेन से उतरने के लिए कहा और वह उससे कूद गईं। अंकिता ने कहा,"जैसे ही मैं कूदी मैं गिर गई। मैं किसी तरह बच गई। वो मेरी ट्रेन की आखिरी जर्नी थी। वैसे भी मैं बचपन से ही ट्रेन से डरती हूम।"

अंकिता लोखंडे मध्यप्रदेश के इंदौर की रहने वाली हैं और पिछले 20 साल से मुंबई में रह रही हैं। पहले वह अपने माता पिता के साथ रहती थीं और अब वो अपने पति विक्की जैन के साथ एक आलीशान घर में रहती हैं।

अंकिता लोखंडे अपने पहले टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' के कारण हिंदी टेलीविजन इंडस्ट्री का एक लोकप्रिय नाम रही हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपना कास्टिंग काउच वाला अनुभव भी साझा किया था। उन्होंने कंगना रनौत की 2019 की फिल्म 'मणिकर्णिका' और 'बागी 3' में काम किया है। उनकी तीसरी बॉलीवुड फिल्म, 'स्वतंत्र वीर सावरकर' है, जिसमें वह रणदीप हुडा के साथ नजर आएंगी। ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या प्रोटीन की कमी से भी हो सकता है बीमारियों का खतरा?

शरीर के फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों से भरपूर चीजों का सेवन करते रहने की सलाह दी जाती है। दैनिक रूप से पौष्टिक आहार का सेवन करके आप शरीर के लिए जरूरी तत्वों की पूर्ति कर सकते हैं। प्रोटीन ऐसा ही एक अतिआवश्यक तत्व है जो न सिर्फ मांसपेशियों के निर्माण और इसकी मजबूती में सहायक है, साथ ही ये कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में लाभकारी हो सकता है। शाकाहारी और प्लांट बेस्ड कई चीजों में भरपूर मात्रा में प्रोटीन की मौजूदगी होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्रोटीन हमारी मांसपेशियों, त्वचा, एंजाइम और हार्मोन का निर्माण खंड है और यह शरीर के सभी ऊतकों में भी आवश्यक भूमिका निभाता है। अगर आपके आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं है तो आप मांसपेशियों में दर्द-कमी, कमजोरी जैसी समस्याओं के शिकार हो सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि प्रोटीन की कमी यदि लंबे समय तक बनी रहती है तो इसके कारण आप कुछ गंभीर बीमारियों के भी शिकार हो सकते हैं?

कितनी प्रोटीन है जरूरी?

अध्ययनकर्ता बताते हैं, वयस्कों को प्रतिदिन शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम 0.8 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है। उदाहरण के लिए, जिस व्यक्ति का वजन 75 किलोग्राम है, उसे प्रतिदिन 60 ग्राम प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। प्रोटीन की कमी की स्थिति में शरीर की संरचना में बदलाव होने लग जाता है। अगर इसमें सुधार नहीं होता है तो ये लिवर की बीमारी, हड्डियों की समस्या और बच्चों के विकास को भी प्रभावित कर सकती है।

बच्चों का विकास हो सकता है प्रभावित

प्रोटीन न केवल मांसपेशियों-हड्डियों के निर्माण और मजबूती के लिए आवश्यक है, साथ ही ये शरीर के विकास को भी बढ़ावा देने के लिए जरूरी है। प्रोटीन की कमी या अपर्याप्तता बच्चों के लिए कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के साथ उनके सामान्य विकास को भी प्रभावित करने वालr हो सकतr है। प्रोटीन की कमी से बच्चों के मस्तिष्क का विकास भी प्रभावित हो सकता है, आहार में इसकी मात्रा जरूर सुनिश्चित करें।

संक्रमण और इसके गंभीर रूप लेने का खतरा

प्रोटीन की कमी का असर प्रतिरक्षा प्रणाली पर भी पड़ सकता है। गंभीर स्थितियों में इसकी कमी के कारण संक्रमण का जोखिम और इसके गंभीर रूप लेने का भी खतरा हो सकता है। पशुओं पर किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि केवल 2% प्रोटीन वाले आहार की तुलना में 18% प्रोटीन लेने वाले वाले पशुओं में संक्रामक रोग होने का जोखिम अधिक होता है। महिलाओं पर किए गए एक छोटे अध्ययन से पता चला है कि नौ सप्ताह तक लो प्रोटीन वाला आहार लेने से उनकी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया काफी कम हो गई।

फैटी लिवर का हो सकता है खतरा

शरीर में प्रोटीन की कमी होने का असर लिवर की सेहत को भी प्रभावित करने वाला हो सकता है। ये आपमें फैटी लिवर की समस्या का कारण बन सकती है। फैटी लिवर, यकृत में वसा जमने के कारण होने वाली बीमारी है। उपचार न होने की स्थिति में फैटी लीवर रोग लिवर में सूजन, सिरोसिस और गंभीर स्थितियों में लिवर फेलियर का भी खतरा बढ़ा देती है।

हार्ट-डायबिटीज वालों को काजू से मिल सकता है लाभ, कोलेस्ट्रॉल-शुगर कंट्रोल रखने में फायदेमंद

सूखे मेवे-नट्स को सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी माना जाता है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया अगर आप रोजाना एक मुट्ठी नट्स का सेवन करते हैं तो ये कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाने में मददगार हो सकती है। नट्स में शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा होती है जो आपको गंभीर रोगों से बचाने में सहायक हो सकती है।

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, अगर आप काजू को अपने आहार का हिस्सा बना लेते हैं तो सेहत के लिए ये बहुत लाभकारी हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल को कम करने, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में इस सूखे मेवे का सेवन आपको लाभ दिला सकता है।

पोषक तत्वों से भरपूर काजू

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, काजू पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। 28 ग्राम काजू से प्रोटीन (5 ग्राम), फाइबर (1 ग्राम), दैनिक जरूरतों का 20 प्रतिशत मैग्नीशियम और 15 फीसदी जिंक प्राप्त किया जा सकता है। काजू विशेष रूप से असंतृप्त वसा से भरपूर होता है, इसे समय पहले मौत और हृदय रोग के जोखिमों को कम करने वाला पाया गया है। इसमें शुगर की मात्रा कम होती है और ये फाइबर का स्रोत है, जिससे आपकी सेहत को लाभ मिल सकता है।

वजन बढ़ने का जोखिम कम

वजन कम करने के इच्छुक लोगों को आहार में नट्स की मात्रा शामिल करने की सलाह दी जाती है। अखरोट, बादाम और काजू जैसे नट्स में कैलोरी कम होती है, साथ ही ये अन्य पोषक तत्वों का समृद्ध स्रोत माने जाते हैं, ऐसे में इसके सेवन से वजन बढ़ने का खतरा कम होता है। इसके अलावा काजू के सेवन से हृदय के स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है

काजू सहित अन्य नट्स से भरपूर आहार को कई अध्ययनों में स्ट्रोक और हृदय रोगों के जोखिमों को कम करने वाला पाया गया है। एक अध्ययन में पाया गया कि टाइप-2 डायबिटीज वाले जिन लोगों ने दैनिक कैलोरी का 10% काजू का सेवन किया, उनमें एलडीएल (बैड) कोलेस्ट्रॉल कम हुआ। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की सीमित मात्रा को आमतौर पर अच्छे हृदय स्वास्थ्य के संकेतक के रूप में देखा जाता है।

डायबिटीज में इसके लाभ

टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों को अपने आहार में काजू शामिल करने से लाभ हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि काजू फाइबर का एक अच्छा स्रोत है, ये पोषक तत्व जो रक्त शर्करा को बढ़ने से रोकने में मदद करता है और माना जाता है कि यह टाइप 2 डायबिटीज से भी सुरक्षा प्रदान करता है। एक अध्ययन में, टाइप-2 डायबिटीज वाले लोग जिन्होंने काजू का सेवन किया उनमें इंसुलिन का स्तर काफी नियंत्रित पाया गया।

बढ़ता वजन किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं?

अधिक वजन या मोटापा की समस्या को स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंताकारक स्थिति मानी जाती है। इससे कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल रखने की सलाह देते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया, जिन लोगों का वजन सामान्य से अधिक होता है उनमें डायबिटीज, हृदय रोग और हार्ट अटैक जैसी क्रोनिक बीमारियों और जानलेवा समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है। वजन जितना अधिक होता है घुटने पर उतना अतिरिक्त दबाव बढ़ता है जिससे आर्थराइटिस जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा हो सकता है।

द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित विश्लेषण के अनुसार, दुनियाभर में मोटापे से ग्रस्त बच्चों, किशोरों और वयस्कों की कुल संख्या एक बिलियन (एक अरब) से अधिक हो गई है।

क्या आप भी बढ़ते वजन की समस्या के शिकार हैं? ये स्थिति न सिर्फ आपमें क्रोनिक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है साथ ही कई बीमारियों के विकास का संकेत भी हो सकती है। इसलिए मोटापे या

वजन बढ़ने की समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना और इसे कंट्रोल करना जरूरी हो जाता है।

मोटापा हो सकती है स्वास्थ्य के लिए समस्याकारक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों के साथ-साथ बुजुर्ग भी मोटापा के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन की स्थिति सभी लोगों के लिए समस्याकारक हो सकती है। मोटापा बढ़ने के लिए आहार-जीवनशैली में गड़बड़ी के अलावा कुछ बीमारियां भी कारक हो सकती हैं। वजन बढ़ने का मुख्य कारण अधिक खाना खाना, विशेषतौर पर ज्यादा कैलोरी से भरपूर आहार का सेवन करना माना जाता है।

जो लोग पहले से ही क्रोनिक बीमारियों के शिकार हैं, उनमें मोटापा बढ़ना बीमारियों के जटिलाता को और भी बढ़ाने वाला हो सकता है। उदाहरण के लिए यदि आप पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित है तो मोटापे की समस्या हार्ट अटैक जैसी घातक स्थितियों का कारक हो सकती है। आइए जानते हैं कि वजन बढ़ने के क्या कारण हो सकते हैं।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल है नुकसानदायक

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल या शारीरिक निष्क्रियता की कमी आपमें कई बीमारियों के जोखिम को बढ़ा देती है। दिन में अधिकतर समय बैठे रहना और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण मोटापा हो सकता है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल सिर्फ मोटापा ही नहीं बढ़ाती है, ये आपमें डायबिटीज, हार्ट की समस्याओं का भी कारक हो सकती है। यही कारण है कि सभी लोगों को रोजाना व्यायाम करते रहने की सलाह दी जाती है।

ये बीमारियां भी हो सकती हैं वजह

कई बीमारियों के कारण भी आपमें अचानक से वजन बढ़ने की दिक्कत हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, थायरॉइड, डायबिटीज जैसी बीमारी के शिकार लोग में भी मोटापे का खतरा अधिक होता है। इसके अलावा यदि आप अधिक स्ट्रेस लेते हैं, नींद पूरी नहीं होती है तो जीवनशैली की ये गड़बड़ आदतें भी मोटापे का कारण बन सकती हैं। डॉक्टर कहते हैं जिन लोगों के परिवार में पहले से ही कुछ लोग मोटापे या अधिक वजन के शिकार रहे हैं, उनमें खतरा अधिक होता है। ऐसे लोगों को वजन को लेकर और भी सतर्कता बरतना चाहिए।

60-70% महिलाओं में पीसीओएस का हो ही नहीं पाता निदान

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) महिलाओं में होने वाली एक आम स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें शरीर में हार्मोन्स के असुंतलन के कारण कई प्रकार की जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। पीसीओएस की शिकार महिलाओं के शरीर में एण्ड्रोजन नामक हार्मोन की मात्रा बढ़ जाती है। एण्ड्रोजन को मेल सेक्स हार्मोन के रूप में जाना जाता है, महिलाओं में इसकी बढ़ी हुई मात्रा के कारण मासिक धर्म से संबंधित समस्याओं के साथ, चेहरे-शरीर पर बाल आने और मानसिक स्वास्थ्य विकारों का भी खतरा हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, महिलाओं में भले ही ये आम समस्या है पर ज्यादातर इससे अनजान रहती हैं। यही कारण है अध्ययनों में पाया गया है कि करीब 70 फीसदी महिलाओं में पीसीओएस की निदान ही नहीं हो पाता है, लिहाजा अंदर ही अंदर ये

कई तरह की बीमारियों को बढ़ाती जाती है।

प्रजनन-आयु वर्ग में आम है ये बीमारी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि प्रजनन-आयु वर्ग की अनुमानित 8-13 प्रतिशत महिलाओं में पीसीओएस की समस्या हो सकती है, हालांकि दुनियाभर में 60-70% प्रभावित महिलाओं में इसका निदान नहीं हो पाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि निदान में देरी का प्रमुख कारण महिलाओं में इस बीमारी को लेकर जानकारी और शिक्षा की कमी है।

कुछ महिलाएं डॉक्टर के पास जाने में झिझकती हैं, इस बीमारी के लक्षण भी बहुत स्पष्ट नहीं होते हैं या फिर मासिक धर्म की अन्य समस्याओं जैसे होते हैं जिसके कारण भी बीमारी का समय पर पता नहीं चल पाता है।

अनियमित पीरियड्स की समस्या

मासिक धर्म की अवधि कम होने या इसके नियमित न होने के कई कारण हो सकते हैं, पर अगर बार-बार आपको ये दिक्कत बनी रहती है तो इसको लेकर गंभीरता से ध्यान देना और डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी हो जाता है। मासिक धर्म अगर बार-बार या सामान्य अवधि से अधिक समय तक बना रहता है तो इसे पीसीओएस की दिक्कत माना जा सकता है।

असामान्य बालों के विकास का खतरा

पीसीओएस की समस्या में अक्सर महिलाओं में असामान्य बालों के विकास का जोखिम देखा जाता रहा है। इसके कारण आपके चेहरे, बाहों, छाती और पेट पर बाल उग सकते हैं। पीसीओएस से पीड़ित 70% रोगियों में इस तरह के लक्षण देखे जाते रहे हैं। बालों के विकास के साथ-साथ ये बीमारी त्वचा से संबंधित समस्याओं का भी जोखिम बढ़ा देती है। पीसीओएस में मुंहासे होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

तेजी से बढ़ सकता है मोटापा

पीसीओएस से पीड़ित 40 से 60 फीसदी महिलाओं में वजन बढ़ने का जोखिम होने लगता है। चेहरे पर अधिक बाल, मुंहासे और मोटापा जैसी समस्याएं मानसिक स्वास्थ्य विकारों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। अधिक वजन की स्थिति समय के साथ क्रोनिक बीमारियों जैसे हार्ट की समस्या, डायबिटीज का भी जोखिम बढ़ा देती है, इसलिए जरूरी है कि इन संकेतों पर समय रहते गंभीरता से ध्यान दिया जाए।

वायरस-बैक्टीरिया के कारण होता है साइनस संक्रमण

साइनस की बीमारी लोगों में काफी आम है, पर कुछ स्थितियों में ये जटिल समस्याओं का कारण बन सकती है। साइनस का संक्रमण होने की स्थिति में सांस लेने में दिक्कत से लेकर, दर्द, आंखों और चेहरे के आसपास सूजन जैसी समस्या हो सकती है। गंभीर स्थितियों में ये बीमारी कई प्रकार की अन्य जटिलताओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। जिन लोगों को साइनस का संक्रमण है उन्हें विशेष सावधानी और सतर्कता बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

साइनस हमारी खोपड़ी में हवा से भरे स्थान होते हैं। ये मुख्य रूप से माथे, नाक की हड्डियों, गालों और आंखों के पीछे स्थित होते हैं। इनमें किसी प्रकार के संक्रमण और सूजन की समस्या को साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। जिन लोगों को साइनोसाइटिस की दिक्कत होती है उन्हें बहुत अधिक छींक आने, चेहरे-नाक में तेज दर्द या सिरदर्द की समस्या हो सकती है। अध्ययकर्ता बताते हैं, साइनोसाइटिस मुख्यरूप से किसी वायरस या बैक्टीरिया के कारण होता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जिसे साइनोसाइटिस की दिक्कत है उससे अन्य लोगों में भी इस रोग के फैलने का खतरा हो सकता है?

साइनोसाइटिस और इसके कारण होने वाले जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, बैक्टीरियल-वायरल संक्रमण या फिर किसी एलर्जी के कारण साइनस में सूजन की दिक्कत हो सकती है। इस स्थिति में सूजन के साथ इनमें तरल पदार्थ भी भर जाते हैं। इससे आपके चेहरे पर दबाव और दर्द, नाक बंद होने और अन्य लक्षणों का खतरा हो सकता है।

साइनोसाइटिस की स्थिति में नाक से गाढ़ा पीला बलगम आने, नाक बहने की दिक्कत देखी जाती रही है। बंद नाक की समस्या के कारण सांस लेना मुश्किल हो जाता है। क्या साइनस का संक्रमण एक से दूसरे व्यक्ति में हो सकता है? आइए जानते हैं।

वायरल संक्रमण से साइनोसाइटिस

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, साइनस संक्रामक होता है या नहीं, ये इस बात पर निर्भर करता है कि साइनोसाइटिस का कारण क्या है? अधिकांश मामलों में साइनस का संक्रमण वायरस के कारण होता है।

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों को वायरल साइनोसाइटिस है उनसे इस रोग का कारण बनने वाले वायरस के फैलने का खतरा तो हो सकता है पर संक्रमण के प्रसार का जोखिम नहीं होता है। अधिकांश मामलों में इस प्रकार के वायरस के कारण सर्दी-जुकाम हो सकता है, पर जरूरी नहीं है कि इससे साइनस का संक्रमण हो ही।

साइनस का बैक्टीरियल संक्रमण

कभी-कभी जब साइनस में बलगम भर जाता और बैक्टीरिया पनप जाते हैं, इसके कारण भी संक्रमण होता है। यदि आपमें साइनस का संक्रमण 10-14 दिनों से अधिक समय तक बना रहता है तो आपको बैक्टीरियल साइनसाइटिस होने की अधिक आशंका होती है। बैक्टीरिया संक्रमण के प्रसार का खतरा कम होता है। साइनस की समस्या में इसके कारकों का प्रसार देखा जाता रहा है पर ये अन्य लोगों में संक्रमण का कारण बनेगा ये जरूरी नहीं है।

सिर दर्द के लिए आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- मिंटू देवनाथ, मानिकोंडा हैदराबाद

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें । यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 52 वर्ष है। मुझे बहुत तकलीफ से पेशाब आता है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताइए।

- मुकुंद वर्मा, करीमनगर

उत्तर : कष्ट के साथ पेशाब आने को आयुर्वेद में 'मूत्रकृच्छ्रता' कहते हैं। इसमें रोगी को मूत्र बड़ी मुश्किल से आता है। यह बीमारी मिर्च मसालेदार भोजन अधिक खाने, खून में विषैला माद्दा भर जाने तथा मूत्राशय में रुकावट उत्पन्न होने के कारण होता है। मूत्र करते समय पीड़ा और जलन होती है पेशाब बूंद बूंद आता है पेड़ों में दर्द और एक प्रकार की अकड़न होती है काम कभी के साथ बुखार भी आ सकता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। घरेलू उपचार में :

* गोखरू का काढ़ा बनाकर उसमें जरा सी जवाखार मिलाकर सेवन करने से आराम मिलता है।

* जवाखार तथा मिश्री पीसकर ठंडे पानी से सेवन करने पर लाभ मिलता है।

* आधा चम्मच जीरा तथा 2 ग्राम गुड़ दोनों को मिलाकर उपयोग करने पर लाभ

मिलता है।

आयुर्वेद के प्रसिद्ध योगो में ऊंझा चंद्रप्रभा वटी, गोक्षुरादि गुग्गुलु की दो-दो गोलियों का सेवन दिन में तीन बार करें और भोजन के बाद ऊंझा चंदनासव एवं उशीरासव आधे कप निवाई पानी में 15-15 मिलीलीटर दवा को मिलाकर प्रयोग करने से कष्ट से पेशाब आना बंद हो जाता है। पथ्य में बार्ली का पानी, नारियल का पानी और सुराही का पानी पीने से आराम मिलता है।

प्रश्न : मैं दसवीं का छात्र हूं। बार-बार पढ़ने के बाद भी याद किया हुआ भूल जाता हूं। याददाश्त अच्छी हो जाए ऐसा कोई उपाय बताएं।

- बाबूराव, सिकंदराबाद

उत्तर : आप सुबह सूर्योदय से पहले ब्रह्म मुहूर्त में अपने नित्य कर्मों से निवृत्त होकर अध्ययन के लिए बैठा करें। आप के अध्ययन की जगह शांत, वेंटीलेशन से भरपूर और उचित प्रकाशयुक्त हो। आप सुबह - शाम ऊंझा ब्राह्मी वटी एवं स्मृति सागर रस टिकिया दूध के साथ लिया करें। भोजन करने के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट का सेवन करें। रात्रि सोने से पूर्व ऊंझा शंखपुष्पी सिरप 20 मिलीलीटर को आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन किया करें। ऐसा कुछ महीने सेवन करने से आपकी स्मृति ठीक होने लगेगी। पढ़ा हुआ याद रहेगा और आप परीक्षा में अपनी स्मृति का प्रयोग कर उत्तीर्ण हो जाओगे।

[1/30/2023, 9:56 AM] Dr Purushottam Bidada: प्रश्न : दांतों में पीप और खून आता है। शायद मसूढ़ों में सूजन भी है। उपाय बताएं।

- मोहम्मद अल्ताफ, हैदराबाद

उत्तर : डेंटल कैरीज में दांतों में कैविटीज बन सकती है। और अन्न के कण जमें होने पर संक्रमण की हमेशा गुंजाइश रहती है । मसूढों में सूजन आने (जिंजिवाइटिस) में मसूढें फूल जाते हैं। इसमें कई बार रगड़ने से खून भी आ सकता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। आप ऊंझा दशनसंस्कार चूर्ण में में ऊंझा इरिमेदादी तेल मिलाकर मंजन करें। कुछ देर यह औषधि मुंह में ही रखें। बाद निवाये पानी में नमक डालके कुल्ली करें। मसूढों की सूजन और स्पंजी गमस में सीधे ऊंझा इरिमेदादि तैल मसूढों पर लगाएं। इससे जरूर आराम मिलेगा। खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, आंवला आदि का प्रयोग करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

जर्मनी के बाद अमेरिका हुआ भारत पर मेहरबान, जीडीपी पर कुछ ऐसा दिया अनुमान

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारत की जीडीपी जिस रफ्तार के साथ भाग रही है, उसका कायल दुनिया का हर वो विकसित देश हो चला है, जो मौजूदा समय में मंदी की चपेट में है या फिर मंदी की चपेट में आने वाला है. कुछ देश ऐसे भी हैं, जिनके मंदी के चपेट में आने की संभावना नहीं है, लेकिन इकोनॉमी का पहिया उनती तेजी के साथ नहीं भाग रहा. हर कोई इस बात से वाकिफ है कि यूरोप के सबसे बड़े देशों में शुमार जमर्नी की इकोनॉमी मंदी की गिरफ्त में आ चुकी है. दुनिया की सबसे बड़ी सुपर पॉवर अमेरिका के इकोनॉमिक आंकड़ें उतने बेहतर नहीं है. भले ही मंदी से दूर हो.

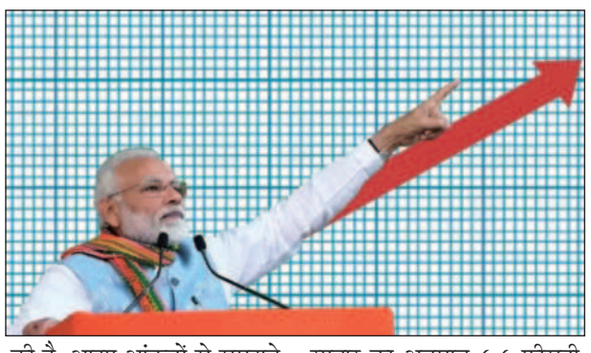

लेकिन दोनों ही देश भारत की इकोनॉमी की रफ्तार के कायल हो चुके हैं. तीसरी तिमाही के आंकड़ों को देखकर कोई इस बात का यकीन तक नहीं कर पा रहा है कि भारत की रफ्तार 8 फीसदी से ज्यादा हो गई है. इसी वजह से अमेरिकी इकोनॉमिक एजेंसियों ने भारत की पूरे सालभर के ग्रोथ के अनुमान को बढ़ा दिया है. कुछ दिन पहले जमर्नी के सबसे बड़ें बैंकों में शुमार डॉयचे ने भारत के इकोनॉमिक ग्रोथ के अनुमान में इजाफा किया था. इस बार अमेरिका के मूडीज बढ़ोतरी की है. आइए आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर मूडीज ने कितना अनुमान बढ़ा दिया है?

मूडीज ने बढ़ाया अनुमान

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.1 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया है. दिसंबर तिमाही की भारत की जीडीपी दुनियाभर के तमाम अनुमानों से ज्यादा देखने को मिली है. रॉयटर्स ने दो सरकारी अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि इसका कारण सब्सिडी में भारी गिरावट की वजह से जीडीपी को बढ़ावा मिला। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान भारत की इकोनॉमी की रफ्तार 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी है, जो डेढ़ साल में सबसे तेज है. जबकि रॉयटर्स के सर्वे में रफ्तार का अनुमान 6.6 फीसदी लगाया गया था.

2025 में कितनी रहेगी तेजी

मूडीज ने अपने वैश्विक वृहद आर्थिक परिदृश्य-2024 में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है और 2023 में उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़ों के कारण हमने 2024 के लिए अपना वृद्धि दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है. भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा. मूडीज ने कहा कि 2025 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है. रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उच्च-आवृत्ति के संकेतकों से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की सितंबर और दिसंबर तिमाही की मजबूत रफ्तार 2024 की मार्च तिमाही में जारी है.

क्यों बढ़ी रफ्तार

मूडीज ने कहा कि मजबूत जीएसटी कलेक्शन, बढ़ती वाहन बिक्री, उपभोक्ता भरोसा और दो अंक की लोन ग्रोथ से पता चलता है कि शहरी मांग मजबूत बनी हुई है. सप्लाई साइड की बात करें, तो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस पीएमआई का विस्तार ठोस आर्थिक रफ्तार का प्रमाण है. इस साल के अंतरिम बजट में कैपेक्स के लिए आवंटन 11.1 लाख करोड़ रुपए या 2024-25 के जीडीपी के 3.4 फीसदी के बराबर रखा गया है. यह 2023-24 के अनुमान से 16.9 फीसदी अधिक है. मूडीज ने कहा कि हम आम चुनाव के बाद नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता की उम्मीद कर रहे हैं.

इसके अलावा हमारा मानना है कि बेसिक इंफ्रा को आगे बढ़ाने का काम जारी रहेगा.

जी20 देशों में है चुनाव

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हालांकि निजी औद्योगिक पूंजीगत व्यय की वृद्धि धीमी रही है, लेकिन सप्लाई चेन विविधीकरण के लाभ और सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं पर निवेशकों की प्रतिक्रिया से इसमें तेजी आने की उम्मीद है.

300 यूनिट फ्री बिजली चाहिए तो ऐसे करें आवेदन, जानें पूरी डिटेल

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। मोदी सरकार लोगों फ्री बिजली का तोहफा दे रही है। इसके लिए सरकार ने नई योजना लॉन्च की है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लोगों को 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। इस योजना को हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी दे दी गई है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत लोगों को घरों की छतों पर बिजली के लिए सोलर पैनल लगवाने होंगे। योजना के तहत शहरों से लेकर गांवों तक घरों पर सोलर पैनल के जरिए बिजली के बिल में भारी-भरकम बचत होगी। इस योजना के तहत सरकार कुल 75,021 करोड़ रुपये निवेश करेगी। अगर आपको भी सरकार की इस योजना का फायदा उठाना है तो आइए बताते हैं आप इसके लिए आवदेन कैसे कर सकते हैं।

कैसे करें अप्लाई

सबसे पहले इच्छुक उपभोक्ता को राष्ट्रीय पोर्टल www।pmsuryagarh।gov।in पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। यह काम राज्य और बिजली वितरण कंपनी (discom) का चयन करके करना होगा। इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर नंबर, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी दर्ज करनी होगी। एक बार रजिस्टर्ड होने के बाद कोई भी कंज्यूमर संख्या और मोबाइल नंबर के साथ लॉगिन कर सकता है। कस्टमर पोर्टल पर फॉर्म भरकर रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन कर सकता है। ऐसा होने पर, कस्टमर को लोकल डिस्कॉम से मंजूरी के लिए इंतजार करना होगा। सरकार ने कहा कि एक बार जब मंजूरी मिल जाए तो अपने डिस्कॉम में किसी भी रजिस्टर्ड वेंडर से सोलर प्लांट इंस्टॉल करना होगा।पैनल में शामिल वेंडर की सूची पोर्टल पर है। नेशनल पोर्टल उचित सिस्टम साइज, बेनिफिट्स कैलकुलेटर, सेलर रेटिंग आदि जैसी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने में सहायता करेगा। इंस्टॉलेशन के बाद, कस्टमर को प्लांट की डिटेल जमा करनी होगी और नेट मीटर के लिए आवेदन करना होगा। नेट मीटर की स्थापना और डिस्कॉम द्वारा निरीक्षण के बाद, पोर्टल पर एक कमीशनिंग प्रमाणपत्र तैयार किया जाएगा। कमीशनिंग रिपोर्ट प्राप्त होने पर कस्टमर को पोर्टल के माध्यम से बैंक खाते की डिटेल और एक कैंसल चेक जमा करना होगा। कस्टमर को 30 दिनों के भीतर उनके बैंक खाते में सब्सिडी प्राप्त हो जाएगी।

जिस एरिया को नितिन गडकरी ने बताया था नर्क अब वहां फरटि भरती हैं गाडियां

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अपने काम और बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। मंत्रालय के सारे अधिकारी भी उनके मिजाज से अच्छी तरह परिचित हो गए हैं। मातहत अधिकारियों को पता है कि गडकरी काम को लेकर किसी तरह की लापरवाही पसंद नहीं करते हैं, और उन्हें जो कहना होता है खरा-खरा बोलते हैं। ऐसा ही मामला दिल्ली में रहने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेता और यहीं से लोकसभा उम्मीदवार के साथ हुआ।

डीएनडी से मुंबई एक्सप्रेसवे को कनेक्ट करने के लिए रोड बनी रही है। यह रोड एक्सप्रेसवे जैसी होगी। वाहन चालक इस रोड से कम समय में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पहुंच सकेंगे। हाल ही में नितिन गडकरी इस रोड का जायजा लेने पहुंचे थे। इनके साथ बदरपुर से विधायक और लोकसभा उम्मीदवार रामबीर सिंह बिधूड़ी थे। निरीक्षण करने के बाद गडकरी ने मीडिया से बात की और मुंबई एक्सप्रेसवे से कनेक्ट करने वाले रोड की प्रगति बताई। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में रामबीर बिधूड़ी के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए बदरपुर आए थे। समारोह तक पहुंचने में कई जगह जाम मिला। पूरे रास्ते ट्रैफिक रेंग-रेंग कर

चला। गडकरी ने बताया कि वहां पहुंचने पर बिधूड़ी से कहा था 'आप तो नर्क में रहते हैं'।बात आयी-गयी हो गयी थी। लेकिन गडकरी ने यह बात याद रखी। केन्द्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद नितिन गडकरी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री बने और राजधानी दिल्ली के आसपास एक्सप्रेसवे और हाईवे का निर्माण करवाया। डीएनडी से मुंबई एक्सप्रेसवे को कनेक्ट करने वाला रोड उसी समय की परिकल्पना मानी जा रही है।इसका जायजा लेने के बाद मंच पर गडकरी और बिधूड़ी मौजूद थे। गडकरी ने 14 वर्ष पहले अपनी कही बात बिधूड़ी को याद करायी और कहा कि आज बदरपुर पूरी तरह से बदल गया है। अब यह इलाका केवल नाम के लिए दक्षिणी दिल्ली का हिस्सा नहीं है, बल्कि खूबसूरती और विकास हिसाब से अन्य इलाकों जैसा हो गया है। अब यह इलाका पूरी तरह बदल गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	05-27 बजे
चंद्र-	धनु में	मीन...	07-04 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	08-40 बजे
बुध-	कुंभ में	वृष...	10-24 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	12-26 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	14-38 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	16-50 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	18-57 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	21-02 बजे
		वृश्चिक..	23-11 बजे
		धनु.....	01-25 बजे
		मकर...	03-32 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-35**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. -**18-18**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **08:03** - तक उपरान्त दशमी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , मंगलवार **05 March**
नक्षत्र - मूल - **15 - 58** - तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - सिद्ध - **14 - 08** - तक उप व्यतिपात
करण- गर - **08 - 03** - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 15:25 से 16:54 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:35 - 08:01 अशुभ	काल	18:18 - 19:54 अशुभ
उत्पात	08:01 - 09:30 अशुभ	लाभ	19:54 - 21:25 शुभ
चंचल	09:30 - 10:59 शुभ	उत्पात	21:25 - 22:56 अशुभ
लाभ	10:59 - 12:28 शुभ	शुभ.	22:56 - 24:27 शुभ
अमृत	12:28 - 13:56 शुभ	अमृत	24:27 - 01:58 शुभ
काल	13:56 - 15:25 अशुभ	चंचल	01:58 - 03:30 शुभ
शुभ	15:25 - 16:54 शुभ	रोग	03:30 - 05:01 अशुभ
रोग.	16:54 - 18:18 अशुभ	काल.	05:01 - 06:35 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है । आप आज अपने आसपास के लोगों में से भी अपने शुभचिंतकों को पहचान पायेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । हर रोज अपने शरीर का ध्यान रखना शुरू करें।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहे हैं ।आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नहीं रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े।

पं।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

निवेशकों ने दिल खोलकर लगाया इस आईपीओ पर पैसा, पहले ही दिन हुआ फुल सब्सक्राइब

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। इंटीग्रेटेड मार्केटिंग कम्युनिकेशंस कंपनी आरके स्वामी के आईपीओ को मार्केट का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. सोमवार को आईपीओ ओपन होने के कुछ ही समय में यह फुल सब्सक्राइब हो गया. इस 423.56 करोड़ रुपये के आईपीओ को ग्रे मार्केट से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. इसका ग्रे मार्केट प्राइस 58 रुपये के प्रीमियम पर चल रहा है. आरके स्वामी का आईपीओ अभी 6 मार्च तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा. आईपीओ का प्राइस बैंड 270 से 288 रुपये रखा गया है.

एंकर निवेशकों से जुटाए 187 करोड़ रुपये

जानकारी के अनुसार, आईपीओ खुलने से ही पहले ही कंपनी ने एंकर निवेशकों से 187.22 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं. एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 1 मार्च को खुला था. इस आईपीओ में कंपनी ने फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल का मिक्स किया है. ओएफएस में श्रीनिवास के स्वामी, नरसिम्हन कृष्णास्वामी, एवंस्टन पायनियर फंड और प्रेम मार्केटिंग वेंचर अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं. फ्रेश इश्यू के जरिए कंपनी 173 करोड़ रुपये और ओएफएस के जरिए 250.56 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही है. दोपहर 2 बजे तक पब्लिक इश्यू 1.15 गुना, रिटेल हिस्सा 4.75 गुना और एनआईआई सेगमेंट 1.17 गुना सब्सक्राइब हो चुका था. एम्प्लॉयीज के लिए रिजर्व किया गया हिस्सा 16 फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है.

13500 रुपये से निवेश की शुरुआत

इस आईपीओ में आपको कम से कम 50 शेयर का लॉट खरीदना होगा. इसके लिए आपको न्यूनतम 13500 रुपये निवेश करने होंगे. यह कंपनी इंटीग्रेटेड मार्केटिंग सर्विस प्रदान करती है. यह डिजिटल सेवाओं पर जोर देती है. कंपनी के सीईओ नरसिम्हन कृष्णास्वामी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पिछले 50 साल में कंपनी ने बाहरी निवेश नहीं उठाया है. यह पहली बार मार्केट से पैसा उठाने की कोशिश है. इस इश्यू के मर्चेंट बैंकर की बात करें तो इसमें एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, आईआईएफएल सिक्योरिटीज और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी शामिल हैं.

कई बड़े कस्टमर्स के साथ काम करती है कंपनी

कंपनी मीडिया, डेटा एनालिटिक्स के लिए सिंगल विंडो सॉल्यूशन और मार्केट रिसर्च सेवाएं मुहैया कराती है. कंपनी इस फील्ड में करीब 50 सालों से काम कर रही है. वित्त वर्ष 2023 के दौरान आरके स्वामी ने विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर ग्राहकों की ओर से 818 से अधिक क्रिएटिव कैंपेन जारी किए. कंपनी के 12 शहरों में 2391 कर्मचारी हैं. कंपनी के कई ग्राहकों में आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी लिमिटेड, सेरा सेनेटरीवेयर लिमिटेड, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड, ईआईडी शामिल हैं.

लहसुन से मिली राहत तो प्याज निकालने लगा आंसू, बढ़ गए दाम

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। सर्दियां कम होने की वजह से लहसुन की कीमतों में मंदी दिखनी शुरु हो गई हैं। कुछ दिन पहले तक लहसुन की कीमतें 600 रुपए के करीब पहुंच गई थी। जो अब घट कर 400 रुपए किलों के करीब आ गई है। इधर लहसुन की कीमतों से आम आदमी को राहत मिली है। तो अब प्याज फिर आंसू निकालने लगा है। प्याज की कीमतों में एक बार फिर तेजी दिखने लगी है। दिल्ली के आजादपुर मंडी में प्याज की कीमतों में 2 से 3 रुपए प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। कारोबारियों का मानना है कि दाम अभी और बढ़ सकते हैं। तो आखिर ऐसा क्या हुआ कि प्याज के दाम अचानक बढ़ने लग गए हैं।इस फैसले के बाद दिल्ली के आजादपुर मंडी में जो प्याज पहले 15 से 25 रुपए प्रति किलो बिक रहा था वो अब बढ़कर 17 से 27 रुपए तक हो गया है। इसी मंडी मे प्याज का कारोबार करने वाले रमेश शर्मा के मुताबिक आने वाले दिनों में कीमतों में और इजाफा देखने को मिल सकता है। आंकड़ों की बात करें तो दिल्ली में हर रोज करीब 70 से 80 ट्रक प्याज मंडियों में आते है। यही प्याज मंडी से रिटेल मार्केट में जाता है। सरकार के फैसले के बाद संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में आवक घट सकती है। अगर आवक घटती है तो प्याज की कीमतों में और इजाफा देखने को मिल सकता है। अभी कुछ समय पहले भी प्याज की कीमतों में अचानक तेजी देखने को मिली थी। फिर सरकार की ओर से किए गए प्रयासों के बाद इसकी बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाया जा सका। सरकार ने नैफेड और अन्य सरकारी स्टोर्स पर सस्ते प्याज बेचने शुरु किए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को विदेश व्यापार महानिदेशालय की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें केंद्र सरकार ने नैशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से बांग्लादेश को 50 हजार टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। इस जिसके बाद शनिवार को सब्जी मंडी में अचानक प्याज के दाम बढ़ने लगे है।

सोना फिर साढ़े 63 हजार पर पहुंचा : चांदी भी 70 हजार के पार निकली

कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दामों में आज, यानी 4 मार्च को तेजी देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 657 रुपए महंगा होकर 63,473 रुपए पर पहुंच गया है। 4 दिसंबर को सोने ने 63,805 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं चांदी में भी आज मामूली बढ़त देखने को मिल रही है। ये 620 रुपए महंगी होकर 70,518 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 69,898 रुपए पर थी। चांदी ने भी बीते साल 4 दिसंबर को ही ऑलटाइम हाई बनाया था। चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी।

फरवरी में सोने में रही थी गिरावट

फरवरी में सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली थी। महीने की शुरुआत यानी 1 फरवरी को सोना 62,775 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 29 फरवरी को 62,241 रुपए पर आ गया था। यानी बीते महीने में इसकी कीमत में 534 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई। वहीं चांदी भी 71,153 रुपए प्रति किलोग्राम से गिरकर 69,312 रुपए पर आ गई थी।

सोना खरीदते समय इन 4 बातों का रखें ध्यान

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एजेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है।कैरेट के हिसाब से ऐसे चैक करें कीमतः मान लीजिए 24 कैरेट सोने का दाम 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम है।

हफ्ते के पहले सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, एनर्जी स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहतर रहा। बैंकिंग, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में खरीदारी के चलते भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। बाजार आज 74,000 के ऐतिहासिक आंकड़े को छूने से कुछ ही फासले की दूरी पर रह गया। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 71 अंकों के मामूली बढ़ोतरी के साथ 73,879 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 20 अंकों के उछाल के साथ 22,400 अंकों पर क्लोज हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग, सरकारी बैंकों, फार्मा, एनर्जी, इंफ्रा, कमोडिटीजऔर ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, आईटी और ऑटो स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। मिडकैप स्टॉक्स में तेजी रही जबकि स्मॉल कैप स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयर तेजी के साथ और 16 गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 24 शेयर तेजी के साथ और 26 गिरकर क्लोज हुए।

मार्केट कैप में उछाल

शेयर बाजार में तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में तेजी देखने को मिली है।

आज के कारोबार में बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 393.68 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 392.23 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में बाजार के मार्केट कैप में 1.45 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में एनटीपीसी 3.50 फीसदी, पावर ग्रिड 2.63 फीसदी, रिलायंस 1.03 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.90 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.64 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

जबकि एम एंड एम 1.75 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.32 फीसदी, टाटा स्टील 1.32 फीसदी आईटीसी 0.75 फीसदी, टीसीएस 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

हाथियों को मारने का अधिकार मांग रहे वायनाड के लोग

घरों में घुसकर अटैक कर रहे जंगली हाथी, हर दिन 11 हमले

वायनाड, 4 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। केरल के इडुक्की जिले के मुनार तहसील में 46 साल के सुरेश कुमार अपने ऑटो से जा रहे थे। जंगल से निकले एक हाथी ने उनके ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर से ऑटो पलट गया। तभी हाथी ने सुरेश को उठाकर जमीन पर पटक दिया। हाथी के जाने के बाद लोगों ने सुरेश को पास के हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। वहां उनकी मौत हो गई।

इस तरह की तीन घटनाएं बीते एक महीने में हुई हैं। इनका असर ये हुआ कि जंगली जानवरों से सबसे ज्यादा प्रभावित केरल के वायनाड, कुन्नूर, पलक्कड़ और इडुक्की में लोगों ने घर से निकलना बंद कर दिया। सिर्फ वायनाड में बीते 10 साल में हाथियों के हमलों में 41 लोगों की जान गई है। इस जिले का करीब 37% एरिया जंगलों से घिरा है।

जंगली जानवरों के हमले रोकने के लिए बनी वायनाड एक्शन कमेटी के मुताबिक, 2022-23 में केरल में जंगली जानवरों के हमले के 8,873 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें से 4,193 हाथियों ने किए थे, यानी हाथियों ने हर दिन 11 हमले किए हैं। इन हमलों में 98 लोग मारे गए, जिनमें से 27 मौतें हाथियों के हमले में हुई हैं।

हमला करने वाले ज्यादातर हाथी रेडियो कॉलर्ड हैं, यानी उनकी आसानी से निगरानी की जा सकती है। इसके बावजूद फॉरेस्ट डिपार्टमेंट लोगों को अलर्ट नहीं कर पाया। जंगली जानवरों के हमले में लगातार मौतों की वजह से लोगों ने प्रोटेस्ट शुरू कर दिया है। 20 फरवरी को ऐसे ही एक प्रदर्शन के बाद धारा-144 लगानी पड़ी थी। गुस्साई भीड़ को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। स्थानीय सांसद राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा बीच में ही छोड़ वायनाड पहुंच गए। हाथी क्यों हिंसक हो रहे हैं, लगातार बस्तियों में घुस रहे हैं और लोगों पर हमला कर रहे हैं। हाथियों के डर के बीच यहां रोजमर्रा की जिंदगी कैसी है। इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

पॉल वेल्लाचालिल का परिवार वायनाड से करीब 20 किमी दूर पुलपल्ली में रहता है। ये बस्ती घने जंगल के बीच है। पॉल के परिवार में पत्नी, बेटी, पिता, बहन और मां हैं। पॉल गांव के पास बने कुरवा टूरिज्म प्रोजेक्ट में फॉरेस्ट गार्ड थे। वे घर में अकेले कमाने वाले थे। पॉल की 14 साल की बेटी सानिया पिता की मौत के बाद दोबारा स्कूल जाने लगी हैं। हालांकि, वे स्कूल पूरा किए बिना दोपहर में घर लौट आती हैं, क्योंकि रास्ते में हाथियों के हमले का डर रहता है।

सानिया बताती हैं, 'पापा हाथी के हमले से बुरी तरह जख्मी हो गए थे। हम उन्हें लेकर 80 किमी दूर कोझिकोड मेडिकल कॉलेज गए। डॉक्टर उन्हें नहीं बचा पाए। पापा की मौत के बाद हमने दोपहर के बाद घर से बाहर जाना बंद कर दिया है।' सानिया आगे कहती हैं, 'वायनाड मेडिकल कॉलेज में इलाज के ज्यादा इंतजाम नहीं है। इसलिए हमें पापा को कोझिकोड ले जाना पड़ा। यहां एक अच्छी एम्बुलेंस तक नहीं थी।' सानिया के दादा पीटर सरकार को पॉल की मौत का जिम्मेदार मानते हैं। वे कहते हैं, 'जंगली जानवर खाने और पानी के लिए हमारी बस्तियों में आते हैं। वे हमले कर रहे हैं और हम अपनों को मरते हुए देख रहे हैं। केंद्र और न केरल सरकार हमें बचाने के लिए कुछ नहीं कर रही है।'

पीटर आगे कहते हैं, 'पॉल की मौत के बाद राहुल गांधी हमारे घर आए थे। उन्होंने परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलवाने, घर रिपेयर करवाने, बाउंड्री वॉल बनवाने और सानिया की पढ़ाई का खर्च उठाने की बात कही है। हमने केरल सरकार से भी आर्थिक मदद मांगी है, लेकिन अब तक नहीं मिली है।'

पॉल की मौत के बाद उनकी पत्नी सैली बीमार रहने लगी हैं। वे कहती है, 'पॉल को 15 हजार रुपए सैलरी मिलती थी। उसी से मुश्किल से गुजारा होता था। अब वो भी बंद हो गई है। मैं बीमार हूं, खेतों में काम नहीं कर सकती। समझ नहीं आ रहा कि आगे जिंदगी कैसे कटेगी। पॉल की 16 साल की बहन मानसिक रूप से बीमार हैं। अब उसे अनाथालय में डालने का सोच रहे हैं।'

पॉल के गांव में स्टैंडिंग कमेटी है, जिसके पास डेवलपमेंट की जिम्मेदारी है। कमेटी के मेंबर जॉली नारितोगी कहते हैं कि अब वाइल्ड लाइफ एनिमल एक्ट में बदलाव होना चाहिए। गांववालों को हक मिले कि वे आत्मरक्षा में जंगली जानवरों को मार सकें। जॉली नारितोगी ने हाथियों के हमले में मारे गए परिवारों को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की डिमांड की है।

47 साल के पंचीइल अजीश पड़ोसी के साथ मॉर्निंग वॉक पर गए थे। तभी एक जंगली हाथी उनके पीछे लग गया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि अजीश एक घर की बाउंड्री वॉल कूदकर आंगन तक पहुंच गए। उनके पीछे आए हाथी ने गेट तोड़ दिया और अजीश को कुचल दिया। अजीश के पिता जोसफ कहते हैं, 'अजीश को मारने वाले हाथी का नाम माखन था। उसके गले में रेडियो कॉलर लगा था। इसका मतलब है कि रेडियो कॉलर वाले हाथियों की रेगुलर मॉनिटरिंग नहीं हो रही है।'

अजीश की पत्नी शीबा कहती हैं कि मेरे पति की मौत हुई, लेकिन वन विभाग के किसी अधिकारी या कर्मचारी पर कार्रवाई नहीं की गई। सरकार ने 10 लाख रुपए मुआवजा देने की बात कही है, इतने पैसों में क्या मैं बच्चों को पाल सकती हूं। नौकरी के वादे का भी कुछ पता नहीं चल रहा है। पहले उन्होंने कहा कि टेम्परेरी जॉब देंगे, फिर बोले परमानेंट नौकरी देंगे।'

अजीश पर हमला करने वाला हाथी माखन 30 नवंबर, 2023 को कर्नाटक की बेलूर तालुका में पकड़ा गया था। उसे बांदीपुर फॉरेस्ट रिजर्व में रखा गया था। माना जा रहा है कि वो खाने या पानी की तलाश में भटकते हुए वायनाड पहुंच गया। यही वजह है कि कर्नाटक सरकार ने अजीश के परिवार को 15 लाख का मुआवजा दिया है।

सांसद राहुल गांधी 17 फरवरी को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के लिए वाराणसी पहुंचे थे। वे यात्रा बीच में छोड़ वायनाड में पॉल और अजीश के परिवारों से मिलने आए थे। उन्होंने पीड़ित परिवारों को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की थी। हालांकि, अब तक केरल सरकार ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।

कुंजवरण 4 नवंबर, 2023 को सुबह करीब 7:30 बजे काम पर जा रहे थे। वे इलाइची के बागान में चौकीदारी करते थे। 58 साल के कुंजवरण पर रास्ते में एक हाथी ने हमला कर दिया। वे बुरी तरह घायल हो गए और कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। कुंजवरण का परिवार वायनाड से करीब 20 किमी दूर मैप्पडी तहसील के चोलामला गांव में रहता है।

कुंजवरण की पत्नी कुंजयिषा कहती हैं, 'मेरे पति को रोज के 400 रुपए मिलते थे। उनके जाने के बाद हमारे पास कुछ नहीं रह गया। घर में प्रेग्नेंट बेटी है। अब तक कोई मदद नहीं मिली। गांव में रहने वाले कुमारन कहते हैं, 'खतरा अभी टला नहीं है। दो दिन पहले ही एक हाथी मेरे घर के दरवाजे पर टक्कर मार रहा था। अगर हम दरवाजा खोल देते तो मौत तय थी।'

वायनाड की डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट डॉ. रेणु राज कहती हैं, 'वायनाड जिला केरल के बॉर्डर पर है। ये कर्नाटक और तमिलनाडु से बॉर्डर शेयर करता है। वायनाड वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी देश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में से एक है। इसमें बांदीपुर, नागरहोली, मुदुमालई और वायनाड फॉरेस्ट रिजर्व भी शामिल है। एक तरफ फॉरेस्ट रिजर्व है और दूसरी तरफ वायनाड जिले का बाकी हिस्सा। घने जंगल में इंसानी बस्तियां बसी हैं, यही सबसे बड़ी दिक्कत है।'

हाथियों के बस्तियों में घुसने पर डॉ. रेणु राज कहती हैं, 'क्लाइमेट चेंज और गर्मी बढ़ने से जंगलों में कई बदलाव हो रहे हैं। इनका असर जानवरों पर भी पड़ रहा है। पहले के मुकाबले जानवर अब सरहदी इलाकों में ज्यादा देखे जा रहे हैं।'

एक फॉरेस्ट ऑफिसर ने नाम न देते हुए बताया कि कर्नाटक ने ऑपरेशन जंबो प्रोजेक्ट के तहत 9 हाथियों को हसन और चिकमंगलूर से पकड़कर वायनाड के जंगलों में छोड़ दिया था। ये कोई पहला मामला नहीं है, जब वहां से हाथियों को केरल में छोड़ा गया है। हाथियों के गले में लगे रेडियो कॉलर को ट्रैक करने पर ऐसी कई घटनाओं का पता चला है। केरल की पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रकृति श्रीवास्तव के मुताबिक, जानवरों का आबादी में घुसकर हमले करना इंसानों की बनाई समस्या है। उन्होंने इस टकराव की 6 वजहें बताईं।

पहली वजहः वायनाड में काफी आबादी जंगल के पास रह रही है। जंगलों में इंसानों का दखल बढ़ा है, इससे जंगल सिकुड़ रहे हैं।

दूसरी वजहः वायनाड के जंगल में कर्नाटक और तमिलनाडु से भी जानवर आ गए हैं। ये काफी एरिया कवर कर रहे है। इससे जंगल का एरिया कम हो रहा है।

तीसरी वजहः वायनाड सैंक्चुरी में सेन्ना प्रजाति के पौधों ने 10% एरिया कवर कर लिया है। ये प्रजाति बढ़ती जाती है, क्योंकि इसे पूरी तरह खत्म करना मुश्किल है। इससे जंगल का हैबिटेट खराब हो रहा है।

चौथी वजहः जंगल में यूकेलिप्टस और बबूल के पेड़ बहुत ज्यादा हैं। ये वाइल्ड लाइफ को सपोर्ट नहीं करते। इनकी कोई इकोलॉजिकल वेल्यू नहीं है, यानी जानवर इन्हें खा नहीं सकते, लेकिन ये पानी सोखते हैं। जंगल में पानी नहीं मिलने पर बड़े जानवर बस्तियों में घुस रहे हैं।

पांचवी वजहः जंगल में बहुत ज्यादा बस्तियां या गांव होने की वजह से ये कॉनफ्लिक्ट बढ़ रहा है। बच्चों को स्कूल या लोगों को मार्केट जाने के लिए जंगल पार करना होता है। गांववालों के टॉयलेट भी बाहर हैं। कई बार वे घर से बाहर निकलते हैं और बाहर हाथी खड़ा होता है। लोग जंगल में खेती करने की कोशिश करते हैं। इस वजह से टकराव बढ़ता है।

छठी वजहः ईको टूरिज्म भी बड़ी वजह है। टूरिस्ट जंगलों में पिकनिक के नाम पर गंदगी और कचरा फैलाते हैं। जंगलों में होटल, रेस्टोरेंट और होम स्टे बढ़ रहे हैं। ये सब जंगली जानवरों को अपनी ओर अट्रैक्ट करते हैं।

प्रकृति श्रीवास्तव कहती हैं, 'केरल में 2017 में 5,700 हाथी थे। 2023 में ये घटकर 2400 रह गए हैं। ऐसे में कॉनफ्लिक्ट कम होना चाहिए था, लेकिन ये बढ़ रहा है। हम जंगल में सभी काम कर रहे हैं और जानवरों के रहने की जगह कम होती जा रही है।' प्रकृति आगे बताती हैं, 'मैंने मुन्नार की डीएफओ रहने के दौरान 2001 में सरकार को लिखकर दिया था कि लोगों को जंगलों में बसाने से टकराव बढ़ेगा। उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी और अब स्थिति बिगड़ गई है। यहां बहुत सारे रिसॉर्ट बनाने की परमिशन दे दी गई। हाथी जहां पानी पीने आते थे, वहां बस्तियां बना दीं, तो अब हाथी कहां जाएंगे।

वायनाड में जानवरों के हमलों के बाद शुरू हुए प्रदर्शन में शामिल रहे मनंतवाडी के बिशप जोस पोरुन्नेदम कहते हैं, 'हम राज्य और केंद्र सरकार के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन से कहना चाहते हैं कि 1972 के वन्यजीव अधिनियम के नियमों में बदलाव किया जाए। ये कानून हमारे जीवन को बहुत मुश्किल बना रहा है।'

'वायनाड की सीमा तमिलनाडु और कर्नाटक से लगती है। वहां से आने वाले हाथी, बाघ, तेंदुए, बंदर, हिरण, भालू और जंगली सूअर हमारी फसलें बर्बाद कर रहे हैं और लोगों पर हमले कर रहे हैं।' वहां वे जंगल काट रहे हैं और हम उसका बुरा असर झेल रहे हैं।'

वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, 1972

जंगली जानवरों के शिकार, खाल और मांस का कारोबार रोकने के लिए ये कानून बना था। 2002 में एक्ट में संशोधन किया गया। इसके तहत सजा और जुर्माना बढ़ा दिया गया।

किसी जानवर पर अटैक करने पर कम से कम 3 साल और अधिकतम 7 साल तक की सजा हो सकती है। चिड़ियाघर में जानवर को तंग करने या नुकसान पहुंचाने पर 6 महीने की सजा और 2 हजार का जुर्माना देना पड़ सकता है। कानून के सेक्शन 39 (डी) के तहत अपराध के लिए इस्तेमाल व्हीकल, फायर आर्म्स और ऐसे दूसरे इक्विपमेंट सरकार जब्त करती है। ये कभी लौटाए नहीं जाते। वन्यजीवों के शरीर के किसी हिस्से का इस्तेमाल करने पर 3 साल तक की सजा हो सकती है। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में शिकार करने पर सजा के साथ 2 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सबसे ज्यादा जुर्माना इसी पर है।

भाजपा में दिखी अंतर्कलह

भाजपा सांसद के मीडिया प्रभारी कर रहे हैं पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ दुष्प्रचार

बालोद, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने 11 लोकसभा प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है जिसके बाद से नए प्रत्याशी को लेकर बालोद जिले सहित कांकेर जिले में जमकर आतिशबाजी करते हुए जश्न मनाया गया, जिसके बाद से एक ऐसा मामला सामने आया है जिससे भाजपा में अंतर्कलह या फिर बड़ी साजिश की बू सामने आने लगी है। दरअसल सांसद मोहन मंडावी के मीडिया प्रभारी के रूप में कार्य करने वाले उमेश सिन्हा के द्वारा ही लोगों को वर्तमान कांकेर लोकसभा प्रत्याशी भोजराज नाग के बारे में अफवाह फैलाने की बात सामने आई है और उनका स्क्रीनशॉट भी वायरल हो रहा है। आखिर सांसद के मीडिया प्रतिनिधि द्वारा ऐसा क्यों किया जा रहा है यह तो समझ से परे है लेकिन कांकेर लोकसभा के संयोजक भरत मटियारा ने पूरे मामले को संज्ञान में लिया है।

सांसद ने कहा उमेश सिन्हा मेरा मीडिया प्रभारी नहीं

पूरे मामले पर सांसद मोहन मंडावी से जब जानकारी ली गई तो उन्होंने पूरे मामले पर अनभिज्ञता जाहिर की उन्होंने कहा कि मेरा कौन मीडिया प्रभारी, जब उमेश सिन्हा नाम के व्यक्ति का नाम लिया गया तो उन्होंने कहा कि मेरा कोई मीडिया प्रभारी नहीं है, उमेश सिन्हा तो बिल्कुल भी मेरा मीडिया प्रभारी नहीं है भले ही सांसद ने उन्हें अपना मीडिया प्रभारी बताने से इंकार कर दिया लेकिन उमेश सिन्हा लगातार सांसद के साथ दौरों में दिखते थे उनका मीडिया और सोशल मीडिया भी संभालते हैं।

दरअसल जिस मोबाइल नंबर से लोगों को वर्तमान सांसद प्रत्याशी भोजराज नाग के विषय में दुष्प्रचार संबंधी मैसेज भेजे जा रहे हैं, उसे सोशल मीडिया व्हाट्सएप अकाउंट में भेजने वाले व्यक्ति का नाम उमेश सिंह मीडिया इंचार्ज एमपी कांकेर लोकसभा लिखा हुआ है। उसके द्वारा सांसद मोहन मांडवी से संबंधित सारे पोस्ट सोशल मीडिया में भेजे जाते हैं और उन्हें सांसद के साथ भी देखा जाता है। पूरे मामले पर सांसद प्रत्याशी भोजराज नाग ने कहा कि आपके माध्यम से जानकारी मिली है मैं इसमें कुछ नहीं कह सकता क्योंकि पूरी जानकारी नहीं थी, अगर कोई ऐसा करता है तो पार्टी को इस संदर्भ में अवगत कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय संभाग को देंगे 208 करोड़ रुपये की सौगात

जगदलपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंगलवार को बस्तर जिले के चित्रकोट महोत्सव में शामिल होंगे, मुख्यमंत्री द्वारा महोत्सव में संभाग के सभी जिलों को 208 करोड़ 32 लाख से अधिक राशि के 643 विकास कार्यों की सौगात देंगे। जिसमें लोकार्पण के तहत 104 करोड़ 20 लाख 61 हजार की लागत से 177 विकास कार्यों और भूमिपूजन-शिलान्यास के तहत 104 करोड़ 11 लाख 65 हजार की लागत से 466 विकास कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण कार्य के तहत बस्तर जिले के 12 करोड़ 40 लाख 69 हजार की लागत से 31 विकास कार्य, सुकमा जिले के 10 करोड़ 27 लाख की लागत से 08 विकास

कार्य, नारायणपुर जिले के 35 लाख 24 हजार की लागत से तीन विकास कार्य, बीजापुर जिले के 25 करोड़ 83 लाख 18 हजार की लागत से 104 विकास कार्य, कोण्डागांव जिले के एक करोड़ 08 लाख 46 हजार की लागत से 15 विकास कार्य, कांकेर जिले के 47 करोड़ 10 लाख 70 हजार की लागत से 14 विकास कार्य और दंतेवाड़ा जिले के 07 करोड़ 15 लाख 28 हजार की लागत से 02 विकास कार्य का लोकार्पण करेंगे।

भूमिपूजन-शिलान्यास के तहत बस्तर जिले में 10 करोड़ 45 लाख 75 हजार की लागत से 108 विकास कार्य, सुकमा जिले में 08 करोड़ 50 लाख 86 हजार की लागत से 06 विकास कार्य, नारायणपुर जिले में 08 करोड़ 73 लाख 77 हजार की लागत से 14 विकास कार्य, बीजापुर जिले में 10 करोड़ 43 लाख 37 हजार की लागत से 70 विकास कार्य, कोण्डागांव जिले में 04 करोड़ 28 लाख 17 हजार की लागत से 07 विकास कार्य, कांकेर जिले में 23 करोड़ 47 लाख 46 हजार की लागत से 29 विकास कार्य और दंतेवाड़ा जिले में 38 करोड़ 22 लाख 27 हजार की लागत से 232 विकास कार्य का मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन किया जाएगा। चित्रकोट महोत्सव उद्घाटन समारोह में पांच मार्च को मुख्यमंत्री विष्णुदेव शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम के तहत 340 नव दंपत्तियों को आशीर्वाद भी प्रदान करेंगे।

इस कार्यक्रम में वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद दीपक बैज, विधायक जगदलपुर किरणदेव, विधायक बस्तर लखेश्वर बघेल, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप एवं समस्त ग्रामीणों के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न होगा।

सरोज पांडेय बोलीं-सबका साथ और सबका विकास के सिद्धांत पर लड़ेंगे चुनाव

कोरबा, 4 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा लोकसभा क्षेत्र से घोषित की गई भाजपा प्रत्याशी और पूर्व सांसद सरोज पांडे ने कहा है कि सबका साथ, सबका विश्वास के नारे के साथ इस चुनाव को लड़ा जाएगा। सुतर्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत के बाद अपनी बात रखी। इससे पहले टिकट की घोषणा होने पर दीपिका कोयलांचल में कार्यकर्ताओं ने उत्साह दिखाया और मिठाई बांटी। लोकसभा और राज्यसभा के साथ-साथ विधानसभा की सदस्य रह चुकीं सरोज पांडे को अब कोरबा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। उनके नाम की घोषणा एक दिन पहले की गई है। प्रत्याशी चयन के एक दिन बाद सरोज पांडे की उपस्थिति कोरबा जिले में हुई।

आप नेता ने वीएचपी प्रखंड संयोजक को मारी 3 गोलियां

रायगढ़, 4 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में आम आदमी पार्टी (आप) नेता अमर अग्रवाल ने विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड संयोजक को गोली मार दी। उन्हें सीने में 3 गोलियां लगी हैं। इसके बाद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, अमर अग्रवाल खरसिया विधानसभा से आप के टिकट पर चुनाव भी लड़ चुका है। बताया जा रहा है कि घायल गोपाल गिरी और अमर अग्रवाल का 2019 से जमीन विवाद चल रहा है। वारदात के बाद से आप नेता भाग गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

बताया जा रहा है कि सोमवार को भी अमर अग्रवाल और खरसिया निवासी गोपाल गिरी के बीच जमीन को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर अमर अग्रवाल ने फायर कर दिया। इसके बाद भाग निकला। लोगों ने गोपाल को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर देख रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

गोपाल के पिता शंकर गिरी गोस्वामी ने बताया कि वह खरसिया के वार्ड नं. 15 के निवासी हैं। उनका बेटा घर के पीछे स्थित सरकारी जमीन पर खड़ा था। इसी बीच अमर अग्रवाल आया और गोपाल से बोला कि इस जमीन से हट जाओ। गोपाल ने मना किया तो दोनों में हाथापाई हो गई। इसके बाद अमर अग्रवाल ने गोपाल पर गोली चला दी। गोपाल के पिता के अनुसार चार बार फायर किया गया है। गोपाल का सिटी स्कैन हो रहा है, उसके बाद पता चलेगा कहां-कहां गोली लगी है।

पोलियो की जगह बच्चों को पिलाया गया पानी

सोशल मीडिया में वायरल हुई तस्वीर, सीएमएचओ ने किया खण्डन

जगदलपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। सुकमा जिले के चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र के एलमागुड़ा गांव में पल्स पोलियो दवा की जगह पानी पिलाये जाने का मामला सामने आया है। इस मामले से जुड़ी फोटो वायरल होते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया, मामले की जांच करने के लिए तीन सदस्यीय टीम का भी गठन कर दिया गया, इसके अलावा सीएचएमओ का कहना है कि फ़ोटो को शरारती तत्वों के द्वारा एडिट करते हुए गलत तरीके से वायरल किया गया है, जो कि पूरी तरह से फर्जी है, इसके अलावा मामले की जांच रिपोर्ट आने के बाद असामाजिक तत्वों के खिलाफ थाने में मामला भी दर्ज कराया जाएगा, लेकिन मामले की रिपोर्ट आते तक बस्तर जिले के अंदुरुनी क्षेत्रों में पोलियो को जड़ से मिटाने में इस तरह की अहम भूमिका स्वास्थ्य विभाग के द्वारा निभाई जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रदेश भर में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान तीन मार्च से शुरू हुआ है पहले दिन तीन मार्च को पोलियो बूथ पर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई है, वहीं चार और पांच मार्च को टीम के सदस्यों द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो पिलाई जाएगी।

जीएसटी विभाग की टीम ने अवैध गुटखा फैक्टरी पर छापेमारी की

दुर्ग, 4 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग में जीएसटी विभाग ने टैक्स चोरी के मामले में चंद्रखुरी के एक अवैध गुटखा फैक्ट्री पर कार्रवाई की है। जहां चोरी छिपे गुटखा बनाकर बाजार में सप्लाई किया जा रहा था। रायपुर जीएसटी की टीम ने इस फैक्ट्री की जानकारी गुटखा पाउच से लदी एक गाड़ी का पीछा करते हुए लगाया है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री संचालक के खिलाफ बड़ी जीएसटी चोरी का मामला दर्ज किया गया है।

रायपुर जीएसटी विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक उनकी एक टीम ई वे बिल की जांच में लगी हुई थी। इसी दौरान एक संदिग्ध वाहन वहां से गुजरा और टीम को देखकर भागने लगा। टीम ने उस वाहन का पीछा किया। वाहन के रायपुर की सीमा से भागता हुआ दुर्ग चंदखुरी की तरफ गया। उसने टीम को चकमा दिया और इस बीच सारे पैकिंग मटेरियल को आग के हवाले कर दिया गया। जीएसटी टीम ने जले हुए मटेरियल से पहचान कर लिया कि सारा माल प्रतिबंधित गुटखा का है और यह सब जीएसटी चोरी के लिए किया जा रहा है।

जीएसटी की टीम ने अवैध गुटका फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में प्रतिष्ठित ब्रांड गुटखा कंपनियों के रैपर तथा गुटखे का कच्चा माल, सुपारी तंबाखू आदि जब्त किया है। टीम ने जीएसटी चोरी का मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है। अवैध गुटखा फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था जीएसटी की टीम ने जांच में पाया कि जो गुटखा फैक्ट्री चंद्रखुरी में संचालित थी वो अवैध है। जिसके लिए विभाग से बिना अनुमति का संचालन किया जा रहा था। जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फैक्ट्री का नाम कोमल फूड्स है टीम ने यहां से अवैध गुटका बनाने में इस्तेमाल की जा रही मिक्सर मशीन को भी जब्त किया है। यहां गुटखा तैयार कर अलग-अलग ब्रांड के रैपर में पैक करके बाजार में बेचा जा रहा था।

दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत

रांची, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी रांची में दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों दीवार के पास ही खेल रहे थे, तभी ये हादसा हुआ। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसा डोरंडा थाना क्षेत्र के हिनू में हुआ। बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन भवन की दीवार अचानक से गिर गई। दीवार बारिश से भींग कर कमजोर हो गई थी। दीवार में दब कर दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल है। मृतक बच्चों में सुमन (5) और चाहत कुमारी हैं। सुमन गुमला का रहने वाला है। वहीं लीलावती घायल हुई हैं। घटना की जानकारी डोरंडा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इधर स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।सिटी एसपी राजकुमार मेहता की पहल के बाद लगभग 4 घंटे बाद जाम हटा लिया गया है।

स्पेनिश महिला से गैंगरेप में 3 गिरफ्तार

हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव-डीजीपी और एसपी दुमका से मांगी रिपोर्ट, पीड़ित बोलीं-ढाई घंटे तक की दरिंदगी

दुमका, 4 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के दुमका जिले में स्पेन की महिला से हुए गैंगरेप मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 4 की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को रविवार को दुमका कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं इस मामले पर झारखंड हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के सामने इस मामले को लाया गया। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी एवं एसपी दुमका से रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार यानी 7 मार्च को होगी। शुक्रवार की रात स्पेन से घूमने आई टूरिस्ट के साथ जिले के हंसडीहा के कुंजी गांव में 7 लोगों ने गैंगरेप किया था। शनिवार को मामला दर्ज हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने इन तीन लोगों को पहले हिरासत में लिया, फिर गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तीन आरोपी कुंजी गांव के बताए जा रहे हैं। विदेशी महिला ने अपनी शिकायत में बताया है कि पहले 2 लोग आए, फिर फोन कर 5 लोगों को बुलाया। सभी ने उनके साथ मारपीट की। फिर पति के हाथ बांधकर करीब ढाई घंटे तक सभी ने बारी-बारी से रेप किया। इधर, इस मामले का राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लिया है। रविवार देर शाम आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने घटनास्थल का जायजा लिया, फिर पीड़ित स्पेनिश कपल से मुलाकात की।

मुठभेड़ में बलिदान हुए जवान को दी गई अंतिम सलामी

कांकेर, 4 मार्च (एजेंसियां)। कांकेर में कल जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के तहत हिदूर के जंगलों में हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़ में बस्तर फाइटर के एक जवान रमेश कुरेठी बलिदान हो गये। जवान का पार्थिव शरीर पखांजूर लाया गया, इस दौरान बस्तर आईजी सुंदरराज पी, एसपी इंदिरा कल्याण एलेसेला समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों की उपस्थिति में पंखाजूर थाने में पुलिस द्वारा जवान को अंतिम सलामी दी गई। जिसके बाद जवान के पार्थिव शरीर को गृहग्राम संगम भेजा गया। इस दौरान जवान के परिजनों का रो-रो कर बुराहाल था। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि बस्तर में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए नक्सल ऑपरेशन चलाये जा रहे हैं।

मुस्लिम देश यूएई में दिखा अयोध्या जैसा नजारा

अबू धाबी के मंदिर में दर्शन करने वालों का लगा तांता, पहुंचे 65 हजार लोग

अबू धाबी, 4 मार्च (एजेंसियां)। यूएई के अबू धाबी में बना हिंदू मंदिर दुनियाभर के भक्तों और पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहा है। आम लोगों के लिए खुलने के बाद इस मंदिर में भी अयोध्या के राम मंदिर की तरह लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बीएपीएस की ओर से बताया गया है कि मंदिर आम लोगों के लिए खुलने के बाद आए पहले रविवार को भारी भीड़ उमड़ी है। 3 मार्च, रविवार को 65,000 से ज्यादा भक्त और पर्यटक मंदिर पहुंचे। मंदिर में आने वाले आगंतुकों ने मंदिर के खुलने पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रबंधन के लिए बीएपीएस स्वयंसेवकों और मंदिर के कर्मचारियों की भी प्रशंसा की है।

बीएपीएस की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, अबू धाबी के हिंदू मंदिर के जनता के लिए खुलने के पहले रविवार को 65,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। सुबह को मंदिर खुलते ही सुबह के समय 40,000 से अधिक पर्यटक बसों और गाड़ियों में भरकर पूजा-अर्चना करने पहुंचे, इसके बाद शाम को भी 25,000 से अधिक पर्यटक पहुंचे। भारी भीड़ के बावजूद, भक्त 2,000 के समूह में एकत्रित हुए और बिना किसी धक्का-मुक्की के धैर्यपूर्वक कतार में लगे रहे। लोग अनुशासन का परियच देते हुए मंदिर में आगे बढ़े और दर्शन किए।

दर्शन कर बोले भक्त- धन्य महसूस कर रहे हैं

अबू धाबी के सुमंत राय ने मंदिर दर्शन पर खलीज टाइम्स से कहा, मैंने हजारों लोगों के बीच ऐसा अद्भुत आदेश कभी नहीं देखा। मुझे चिंता थी कि मुझे घंटों इंतजार करना पड़ेगा और मैं शांति से दर्शन नहीं कर पाऊंगा, लेकिन हमने अद्भुत दर्शन किए और बेहद संतुष्ट हुए। लंदन से आए एक श्रद्धालु प्रवीणा शाह ने मंदिर में अपनी यात्रा का अनुभव साझा करते हुए कहा, मैं विकलांग हूं, इसका हजारों आगंतुकों के बावजूद कर्मचारियों ने ध्यान रखा। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करूंगी।

केरल के बालचंद्र ने कहा कि जब भारी भीड़ देखी तो मैंने सोचा कि मैं लोगों के इस समुद्र में खो जाऊंगा, लेकिन मैं इस बात से आश्चर्यचकित था कि यात्रा का प्रबंधन कितनी अच्छी तरह किया गया था। मैंने शांति से दर्शन का आनंद ले पाया। अब मुझे अपनी अगली यात्रा तक इंतजार है। 40 साल से दुबई में रह रहे नेहा और पंकज ने कहा, हम इस पल का इंतजार कर रहे थे। यह एक चमत्कार जैसा है। हम धन्य महसूस करते हैं क्योंकि अब हमारे पास आने और प्रार्थना करने के लिए एक जगह है। पोर्टलैंड से आए पीयूष ने कहा कि यह मंदिर विभिन्न समुदायों के बीच एकता का एक सुंदर प्रतिनिधित्व है।

वहीं मेक्सिको के लुईस ने कहा कि पत्थरों की वास्तुकला अद्भुत है। मंदिर में आकर भारत की सांस्कृतिक विरासत को देखने का मौका मिल रहा है।

पूर्व पीएम युसूफ रजा गिलानी सीनेट अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे

भरा नामांकन पत्र, 14 मार्च को चुनाव

इस्लामाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री सैयद यूसुफ रजा गिलानी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। उनके सीनेट के अध्यक्ष बनने की संभावनाएं तेज हो गई है। सीनेट के अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए गिलानी ने अपना नामांकन पत्र जमा किया है। गौरतलब है कि आठ फरवरी को पंजाब प्रांत के मुल्तान से नेशनल असेंबली के लिए चुनाव जीता था, हालांकि उन्होंने अपनी सीट खाली कर दी है। इस्लामाबाद से सीनेट सीट के लिए चुनाव लड़ेंगे। 29 फरवरी को निचले सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले गिलानी ने रविवार को नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री चुनने के लिए चुनाव के दौरान पाकिस्तान मुस्लिम लीन-नवाज के अध्यक्ष शहबाज शरीफ के लिए मतदान किया। पीपीपी और पीएमएल-एन के बीच गठबंधन के बाद गिलानी के अगले सीनेट अध्यक्ष बनने की उम्मीद है।

शाहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति भवन में शपथ ली

कैबिनेट मंत्रियों पर फैसला बाद में होगा

इस्लामाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। 72 साल के शाहबाज शरीफ दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में उन्होंने शपथ ली। इस दौरान उनके बड़े भाई और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज, तीनों सेनाओं के अध्यक्ष भी मौजूद रहे। कैबिनेट का ऐलान बाद में किया जाएगा। शाहबाज को पहला बधाई संदेश तुर्किये से मिला। उसने शपथ क एक दिन पहले ही शाहबाज को शुभकामनाएं भेज दीं। शाहबाज पाकिस्तान के 24वें पीएम हैं। वे 3 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री चुने गए थे। उन्हें 201 सांसदों का साथ मिला था। उन्होंने संसद में 1 घंटे 24 मिनट भाषण दिया। इस दौरान उनकी जुबान फिसल गई थी। उन्होंने खुद को पीएम की जगह विपक्ष का नेता बता दिया। शाहबाज ने कश्मीर का जिक्र भी किया। कहा- कश्मीर में लोग मारे जा रहे हैं। इसके अलावा इजराइल लगातार गाजा पर बमबारी कर रहा है। हमें कश्मीर और फिलिस्तीन की आजादी के लिए संसद में प्रस्ताव पास करना चाहिए। यह दूसरी बार है, जब शाहबाज शरीफ पाकिस्तान के पीएम चुने गए हैं। इससे पहले साल 2022 में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद शाहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने 12 अप्रैल 2022 को पीएम पद की शपथ ली थी। वो अगस्त 2023 तक पाकिस्तान के पीएम रहे। अगस्त 2023 में आम चुनाव कराने के लिए संसद भंग कर दी गई थी। इसके बाद केयरटेकर सरकार आई। 3 मार्च को संसद का सत्र शुरू होते ही पीटीआई समर्थक सांसद इमरान खान के पक्ष में 'आजादी' और 'कैदी नंबर 804' के नारे लगाते नजर आए। इसके जवाब में पीएमएल-एन के सांसदों ने 'लॉन्ग लिव नवाज' के नारे लगाए। 8 फरवरी को चुनाव के बाद नवाज शरीफ की पीएमएल-एन और बिलावल भुट्टो की पीपीपी पार्टी ने बहुमत हासिल करने के लिए गठबंधन किया। इस गठबंधन ने नवाज के छोटे भाई और पूर्व प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को पीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया था। 11 फरवरी को 67 घंटों के बाद सभी सीटों के नतीजे घोषित हुए। इसमें किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। हालांकि इमरान समर्थन वाले निर्दलीय उम्मीदवारों ने सबसे ज्यादा 93 सीटें जीतीं। इसके बाद 29 फरवरी को नेशनल असेंबली का पहला सत्र बुलाया गया। सभी सांसदों ने पद की शपथ ली। इसके बाद 1 मार्च को नेशनल असेंबली में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चुनाव हुए।

हैती की जेल से 4 हजार कैदी भागे, इमरजेंसी लगी

देशभर में आगजनी, 12 लोगों की मौत, हिंसा की वजह- प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा

हैती, 4 मार्च (एजेंसियां)। कैरेबियाई देश हैती की सरकार ने देश में 72 घंटे की इमरजेंसी की घोषणा की है। एक हफ्ते से जारी हिंसा को देखते हुए आपातकाल लगाने का फैसला किया है।

दरअसल, 29 फरवरी को देश में मौजूद क्रिमिनल गैंग के लोगों ने कई सरकारी संस्थानों में हमले कर दिए थे। उन्होंने जेल पर हमला किया था, जिसके बाद 4 हजार कैदी फरार हो गए।

ये हथियारबंद लोग देश के कई हिस्सों में आगजनी कर रहे हैं, दुकानों घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। हिंसा में अब तक 12 लोगों की मौत हो गई है। हिंसा की वजह प्रधानमंत्री एरियल हेनरी की विदेश यात्रा बताई जा रही है। जिससे नाखुश क्रिमिनल गैंग के लोग उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

हैती के सभी क्रिमिनल गैंग एकजुट

ब्रिटिश मीडिया बीबीसी के मुताबिक, हैती में हिंसा प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के केन्या जाने के बाद शुरू हुई। दरअसल, प्रधानमंत्री केन्याई नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल (मल्टीनैशनल सिक्योरिटी फोर्स) की हैती में तैनात को लेकर चर्चा करने के लिए नैरोबी गए हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री को पद से हटाने के लिए हैती के सभी क्रिमिनल गैंग एकजुट हो गए और हिंसा करने लगे।

क्रिमिनल्स को पकड़ने मिलिट्री से मदद मांगी

हैती पुलिस ने क्रिमिनल गैंग से जुड़े अपराधियों को पकड़ने के लिए सेना से मदद मांगी है। सरकार की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया- 2 मार्च को दो जेलों पर हमला हुआ। यहां से 4 हजार कैदी भाग गए। कुछ को पुलिस ने मार गिराया। देश में हो रही हिंसा में अब तक 12 आम लोगों की मौत हुई है। भागने वाले कैदियों में वो कैदी भी शामिल है जिसने 2021 में हैती के प्रेसिडेंट जोवेनेल मोइसे की हत्या की थी।

यूएस राष्ट्रपति कैंडिडेट चुनाव-ट्रम्प की पहली हार

वॉशिंगटन में निक्की हेली ने प्राइमरी इलेक्शन जीता, ट्रम्प 2016 में भी यहां हारे थे

वॉशिंगटन, 4 मार्च (एजेंसियां)। वॉशिंगटन में हुए प्राइमरी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से निक्की हेली ने जीत दर्ज की है। यह उनकी पहली जीत है और प्राइमरी इलेक्शन में डोनाल्ड ट्रम्प की पहली हार है। निक्की हेली अमेरिकी इतिहास में रिपब्लिकन प्राइमरी जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, हेली को 63% वोट मिले, वहीं ट्रम्प को 33% वोट मिले।

अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी में उम्मीदवारी के लिए इलेक्शन चल रहे हैं। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसके पहले दोनों पार्टियां- रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, इस इलेक्शन के लिए अपने-अपने उम्मीदवार फाइनल करने में जुटी हैं। रिपब्लिक पार्टी के इस बार के प्राइमरी इलेक्शन में ट्रम्प की पहली हार है। वे 2016 में भी वॉशिंगटन से प्राइमरी इलेक्शन हार गए थे। रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के दो ही उम्मीदवार हैं- ट्रम्प और हेली। ट्रम्प आयोवा, न्यू हैम्पशायर, नेवाडा, साउथ कैरोलिना समेत 8 राज्यों में जीत हासिल कर चुके हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने निक्की हेली कैंपेन के हवाले से अपनी रिपोर्ट में लिखा- निक्की अमेरिकी इतिहास में रिपब्लिकन प्राइमरी जीतने वाली पहली महिला हैं। एलिजाबेथ डोल ने 1999 में रिपब्लिकन पार्टी से नामांकन भरा था पर प्राइमरी चुनाव के पहले ही नाम वापस ले लिया था। मिशेल बैचमैन ने 2012 में नामांकन भरा था, लेकिन आयोवा कॉकस के बाद नाम वापस ले लिया था। कार्ली फियोरिना ने 2016 में नामांकन भरा था लेकिन न्यू हैम्पशायर में हार के बाद नाम वापस ले लिया था। निक्की पहली हैं, जो रिपब्लिकन प्राइमरी जीती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए हो रहे उम्मीदवारी के चुनाव में सबसे बड़ा दिन 5 मार्च को होने वाला है। इस दिन अमेरिका के 15 राज्यों में चुनाव होंगे। अमेरिका में इसे सुपर ट्यूजडे कहा जाता है। सूपर ट्यूजडे से पहले ही ट्रम्प ने अपनी प्रतिद्वंदी निक्की हेली से काफी बढ़त बना ली है। ट्रम्प को कुल 244 डेलिगेट्स का समर्थन मिल चुका है। वहीं, हेली को अब तक केवल 24 डेलिगेट्स का साथ मिला है। निक्की को पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का करीबी माना जाता है। हिलेरी ही उन्हें सियासत में लाई थीं। राजनीति में आने से पहले निक्की कॉर्पोरेट वर्ल्ड में नाम कमा चुकी थीं। परिवार की कंपनियां चलाने के बाद 1998 में ओरेंजबर्ग काउंटी चेंबर ऑफ कॉमर्स के निदेशक मंडल में शामिल हुईं।

2004 में नेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमेन बिजनेस ओनर की अध्यक्ष बनीं। सामाजिक कार्यों में शामिल होने लगीं। इसी से राजनीति में आने का रास्ता बना।

2004 में निक्की साउथ कैरोलिना की स्टेट रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर चुनी गईं।

नेपाल में टूटा सत्तारूढ़ गठबंधन

फिर भी दहल बने रहेंगे प्रधानमंत्री नई सरकार लेगी शपथ

काठमांडू, 4 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल में सियासी उथल-पुथल जारी है। देश के सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच काफी समय से दरार देखी जा रही थी। आखिरकार अब यह गठबंधन टूट गया। पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने बताया कि देश में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) और शेख बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस के बीच सत्तारूढ़ गठबंधन टूट गया है और प्रधानमंत्री पुष्प कुमार दहल के नेतृत्व में नई गठबंधन सरकार सोमवार को शपथ लेगी।

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के उपाध्यक्ष पांडे ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, 'सरकार आज बदल जाएगी। नया मंत्रिमंडल बनाया जाएगा। आज कम संख्या में मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी।' वाम गठबंधन में जिन चार राजनीतिक दलों का विलय होगा वो हैं- प्रधानमंत्री पुष्प कुमार दहल के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) पीएम सचिवालय के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दहल प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे। वहीं नए गठबंधन में पार्टियों द्वारा सुझाए गए मंत्रियों को शामिल किया जाएगा। बता दें, पिछले आम चुनावों के बाद सरकार के गठन के एक साल बाद कैबिनेट में फेरबदल हो रहा है। राजनीति में उतार-चढ़ाव के लिए चर्चित दहल पिछले साल सीपीएन-यूएमएल और अन्य दलों के समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे।

समंदर में भारत की दादागीरी, इस सवाल पर जयशंकर का जवाब

कहा- धौंस जमाते तो दूसरे देशों की मदद नहीं करते

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर से रविवार को पूछा गया कि क्या भारत उपमहाद्वीप और हिंद महासागर क्षेत्र दादागीरी कर रहा है। इसके जवाब में उन्होंने कहा- अगर भारत दादागीरी कर रहा होता तो वो पड़ोसी देशों को 37.30 हजार करोड़ रुपए की मदद नहीं देता। न ही कोरोना वैक्सीन देकर मदद करता।

जयशंकर से यह सवाल मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जु के एक बयान का जिक्र करते हुए पूछा गया। दरअसल, भारत के साथ तनाव के बीच जनवरी 2024 में चीन के दौरे से लौटे मुइज्जु ने भारत का नाम लिए बिना कहा था- मालदीव एक छोटा और स्वतंत्र देश है। हमारे छोटे होने से आपको हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता।

नई दिल्ली में हुए अपनी बुक 'व्हाए भारत मैटर्स' (भारत क्यों मायने रखता है) के प्रमोशन कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा- हम हमेशा जरूरत के समय दूसरे देशों की मदद करते हैं। भारत हमेशा संकट के समय दूसरे देशों की मदद के लिए खड़ा रहता है। हम जंग वाले देशों तक राहत सामग्री, दवाएं, फर्टिलाइजर्स पहुंचाते हैं। इसके लिए दुनिया हमारी तारीफ भी करती है।

भारत अपने पड़ोसी देश मालदीव को डिफेंस समेत कई दूसरे क्षेत्र में लंबे समय से सहयोग करता रहा है। नवंबर 1988 में चुनी हुई राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम की सरकार को तख्तापलट से बचाने के लिए भारतीय सेना मालदीव घुसी थी। तब से दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध हैं। लेकिन नवंबर 2023 में मुइज्जु के सत्ता संभालने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया। मुइज्जु ने चुनाव के दौरान इंडिया आउट का नारा दिया था। प्रेसिडेंट बनते ही भारतीय सैनिकों को निकाले के आदेश दिए। भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वे एग्रीमेंट खत्म करने की घोषणा की। इसके बाद मालदीव के दो मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बाद उनके और भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। इस मामले में मालदीव के 3 मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया गया था। जयशंकर ने कहा- नेपाल, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव में बीते कुछ सालों में ही भारत का निवेश तेजी से बढ़ा है। आज जिस तरह का व्यापार पड़ोसी देशों के साथ हो रहा है, वह अहम है। मैं इस लिस्ट से मालदीव को अलग नहीं कर रहा हूं। मालदीव के साथ भी अच्छे व्यापारिक संबंध हैं। इस मामले में मैं भूटान का नाम नहीं भूल सकता क्योंकि दोनों देशों के बीच बेहद गहरे और मजबूत संबंध हैं। हम एक दूसरे का सम्मान भी बहुत करते हैं।

युद्ध विराम समझौते पर फिरा पानी!

हमास के इस कदम की वजह से काहिरा वार्ता से बाहर हुआ इजराइल

यरुशलम, 4 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच पांच महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। सात अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल पर हमला कर कई सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया था। बाद में, इजराइल ने कड़ी जवाबी कार्रवाई और समझौता कर अपने कुछ लोगों को रिहा करा लिया था। बीच में कहा जा रहा था कि एक बार फिर जंग थोड़े समय के लिए रुक सकती है और बंधकों को आजाद कराया जा सकता है।

हालांकि, अब इस उम्मीद पर पानी फिरता दिखाई दे रहा है। इजराइल ने गाजा संघर्ष विराम और बंधकों को रिहा कराने के संबंध में बातचीत करने के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल को काहिरा नहीं भेजने का फैसला लिया है। इजराइल ने यह फैसला ऐसे समय में लिया, जब हमास उसकी दो मांगों को मानने में असफल रहा। पहली मांग यह थी कि इजराइल ने बंधकों की एक सूची मांगी थी, जिसमें हमास को बताना था कि कितने बंधक जीवित है और कितने मर गए। वहीं, दूसरी यह कि बंधकों के बदले में इजराइल की जेलों से रिहा होने वाले फलस्तीनी कैदियों के अनुपात की पुष्टि करना।

नेतन्याहू ने लिया फैसला

एक इजराइल अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया के साथ समन्वय में वार्ता में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने उम्मीद जताई थी कि सोमवार तक यानी आज इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम हो सकता है। उन्होंने माना था कि दोनों पक्ष छह सप्ताह के प्रस्तावित संघर्ष विराम समझौते के करीब हैं। हालांकि हमास के ढीले रवैया के कारण इजराइल ने काहिरा में होने वाली वार्ता में शामिल होने से इनकार कर दिया।

काहिरा पहुंच चुका है हमास

हमास का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को काहिरा पहुंच चुका है, उसने उम्मीद जताई थी कि बातचीत से दुश्मनी खत्म हो जाएगी। हालांकि, हमास के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने अभी तक इस बात का कोई जवाब नहीं दिया है कि क्या समूह ने इजराइल की शर्तों को संबोधित किया है।

कट्टरपंथी इस्लामिक धर्मगुरु ब्रिटेन नहीं आ सकेंगे

पाकिस्तान-अफगानिस्तान पर खास नजर, सुनक ने कहा था- जहर उगलने वालों को नहीं रहने देंगे

लंदन, 4 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन के अखबार 'द डेली टेलिग्राफ' की एक रिपोर्ट के मुताबिक- देश में बढ़ते कट्टरपंथ से परेशान ऋषि सुनक ने अब इन पर लगाम कसने का प्लान तैयार किया है। इसके तहत अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के कट्टरपंथी इस्लामिक धर्मगुरु ब्रिटेन नहीं आ सकेंगे। इसके लिए वीजा वॉर्निंग लिस्ट तैयार की जा रही है। नए प्लान के मुताबिक, इस लिस्ट में जो भी नाम शामिल होंगे उनको ब्रिटेन में एंट्री नहीं मिलेगी। इसके लिए ऑटोमैटिक एंट्री बैन प्रोग्राम तैयार कर लिया गया है।

इजराइल-हमास की जंग शुरू होने के बाद से ब्रिटेन में फिलिस्तीन के समर्थन में कई प्रदर्शन हुए। पुलिस-प्रदर्शनकारियों में झड़पें हुईं। ब्रिटिश सांसदों को खुलेआम धमकियां दी गईं।

हालात चौंकाने वाले

रिपोर्ट के मुताबिक- ब्रिटिश सरकार ने इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स की स्टडी के बाद माना है कि देश में कट्टरपंथियों की हरकतें और तादाद हैरान करने वाली है। इसके बाद इस तरह के लोगों पर लगाम कसने का फैसला किया गया। इसके तहत दूसरे देशों से आने वाले कट्टरपंथियों की एंट्री रोकने के उपायों पर विचार किया गया।

इसके तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इंडोनेशिया जैसे देशों से आने वाले कट्टरपंथी धर्मगुरुओं की एंट्री पर रोक का फैसला किया गया, ताकि ब्रिटेन आकर ये लोग भड़काउ बयानबाजी न कर सकें। इसके लिए एक लिस्ट तैयार की गई है। इसमें इस तरह के कट्टरपंथियों के नाम होंगे। जैसे ही ये लोग ब्रिटिश वीजा के लिए अप्लाय करेंगे उनका नाम कंप्यूटर प्रोग्राम क्रॉस चेक करेगा। अगर वो बैन लिस्ट में शामिल निकला तो उन्हें एंट्री नहीं मिलेगी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने 1 फरवरी को कहा था- हमने होम मिनिस्टर से कहा है कि ऐसे लोगों को वीजा देने में सख्ती बरती जाए जो हमारे देश में आकर लोगों को भड़काते हैं या दूसरे समुदायों के खिलाफ जहर उगलते हैं। उन्हें हम यहां नहीं रहने देंगे।

ब्रिटेन को तोड़ने की साजिश

सुनक ने कहा था- वो वक्त आ चुका है जब हमें बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा। ये हमारे देश को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। शनिवार को भी ब्रिटेन में फिलिस्तीन के समर्थन में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने 12 लोगों को अरेस्ट किया था।

हाल ही में ब्रिटिश सरकार के सलाहकार लॉर्ड वाल्ने ने एक रिपोर्ट में कहा था कि वामपंथी और कट्टरपंथी गुट इस्लामिक गुटों से हाथ मिला चुके हैं और ये ब्रिटेन के लिए खतरा पैदा करने की साजिश रच रहे हैं। टेलिग्राफ से बातचीत में वाल्ने ने यह बात मानी भी थी कि वामपंथी और इस्लामिक कट्टरपंथी अब साझा खतरा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने फिलिस्तीन समर्थकों की रैलियों को भी जिक्र किया था।

शिवरात्रि से पहले होने वाले अनुष्ठान के दौरान लगी आग

छह लोगों की मौत पर जयशंकर ने जताया दुख

पोर्ट लुईस, 4 मार्च (एजेंसियां)। मॉरिशस से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां महाशिवरात्रि से पहले होने वाले एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान आग लग गई। इस हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। घटना पर विदेश मंत्री एय जयशंकर ने दुख जताया है।

मॉरिशस के पुलिस कमिश्नर अनिल कुमार दिप ने बताया कि श्रद्धालु शिवरात्रि से पहले तीन मार्च को ग्रैंड बेसिन झील तक पैदल यात्रा कर रहे थे। ये लोग लकड़ी और बांस से बनी एक गाड़ी पर देवताओं की मूर्तियां रखकर झील पर जा रहे थे। तभी गाड़ी खुले बिजली के तारों के संपर्क में आ गई और आग लग गई। पुलिस आयुक्त अनिल कुमार दीप ने कहा, दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और सात घायल हुए हैं। घायलों की हालत गंभीर है और उनका इलाज अभी चल रहा है।

विदेश मंत्री एय जयशंकर ने सोमवार को हादसे में मारे गए पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। कहा, 'मैं मॉरीशस में महाशिवरात्रि से पहले होने वाले एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान आग लगने की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। इस हादसे में छह लोगों की जान गई है।' बता दें, तीर्थयात्री शिवरात्रि उत्सव से पहले ग्रैंड बेसिन झील तक पैदल यात्रा कर रहे थे, जिसे पूर्वी अफ्रीकी द्वीप राष्ट्र के हिंदू समुदाय द्वारा पवित्र माना जाता है। पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास में महाशिवरात्रि मनाई जाती है।

विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के घर पर छापा

इस्लामाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव से पहले बलूचिस्तान में अधिकारियों ने राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार और दिग्गज नेता महमूद खान अचकजई के प्रांतीय राजधानी क्वेटा स्थित घर पर छापा मारा। साथ ही उनके द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गई सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के एक हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया। इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल ने पश्तून ख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख अचकजई को चुनावी मैदान में उतारने का फैसला लिया है। वह पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के वरिष्ठ नेता आसिफ अली जरदारी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। क्वेटा में अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने रविवार को अचकजई के आवास पर छापा मारा था। साथ ही उनके द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गई सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के एक हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया। पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा शुक्रवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक राष्ट्रपति का चुनाव नौ मार्च को होगा। बता दें कि, आठ फरवरी को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत हासिल नहीं हुआ था। इसलिए पीएमएल-एन और पीपीपी ने गठबंधन बनाने का एलान किया और बाद में जरदारी को देश के शीर्ष संवैधानिक पद के लिए सर्वसम्मति से उम्मीदवार घोषित किया गया।

राजनीतिक और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ-साथ मीडिया ने छापे की कड़ी निंदा की है। माना जा रहा है कि यह छापेमारी नेशनल असेंबली में अचकजई द्वारा दिए भाषण का नतीजा है। क्वेटा के उपायुक्त साद असद ने कहा कि छापेमारी की योजना इसलिए बनाई गई क्योंकि पीकेएमएपी अध्यक्ष ने अपने आवास पर 2.5 कनाल (0.3 एकड़) जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था जो सरकार की थी।

सीएम शर्मा ने की बैठक, अफसरों से बोले- सौ दिवसीय कार्ययोजना के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करें

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि सौ दिवसीय कार्ययोजना में शामिल सभी बिंदुओं को लागू करना सरकार की प्राथमिकता है। कार्ययोजना में शामिल सभी लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा किया जाए। सभी विभागों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और कार्यकुशलता को बढ़ावा देने के लिए नवाचारों को भी अपनाया जाए।

सीएम भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में सौ दिवसीय कार्ययोजना में शामिल बिंदुओं और बजट (लेखानुदान 2024-25) घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने सौ दिवसीय कार्ययोजना की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्ययोजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण राज्य सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व मामलों का शीघ्र निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। राजस्व के लंबित प्रकरणों का तत्परता के साथ निस्तारण किया जाए। इस दौरान सीएम ने राजस्व संबंधी दस्तावेजों में सुधारीकरण आदि कार्यों के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उद्योग और उद्यमिता को मिले बढ़ावा

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और अधिकाधिक युवा उद्यमियों को इन योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि उद्योग संबंधी योजनाओं, कार्यों व नवाचारों को स्कूल शिक्षा के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, जिससे विद्यार्थियों को उद्यमशीलता के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाये गए विकास कार्यों के भुगतान से पहले कार्यस्थलों का आवश्यक रूप से निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन किया जाए, ताकि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को संवेदको के पंजीकरण व भुगतान की प्रक्रिया के सरलीकरण की समीक्षा करते हुए इसे पारदर्शी एवं सुगम बनाने के निर्देश दिए।

कृषि मंडिया आधुनिक रूप से हो विकसित

शर्मा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की सौ दिवसीय कार्य योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में कृषि मंडियों को आधुनिकता के साथ विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि मंडी के लिए भू-खण्ड एवं निर्मित दुकानों के आवंटन में सरल व प्रभावी प्रक्रिया अपनाई जाए।

सीएम भजनलाल शर्मा अचानक राजभवन पहुंचे

राज्यपाल से मिले, जानें क्या है माजरा

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज जयपुर के राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र से शिष्टाचार मुलाकात की।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अचानक राजभवन पहुंचे। जिसके बाद राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गरम हो गया। लोग तरह - तरह के कयास लगाने लगे हैं। पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग राजस्थान की प्रेस रिलीज के अनुसार राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज जयपुर के राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आपस में राज्य की विभिन्न हालातों पर चर्चा की। इसके इतर राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मुलाकात के कई मायने हो सकते हैं। चर्चाओं में है कि जल्द ही राजस्थान में मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। इसके इतर पिछले दिनों हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। किसान मायूस हैं।

वैसे राजस्थान में सियासत गरम हो गई है। राजस्थान में भाजपा, लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जुट गई है। पहली लिस्ट में 15 उम्मीदवारों के नाम जारी किए गए हैं। भाजपा कार्यकर्ता और नेता जनता को रिझाने की रणनीति बना रहे हैं। दूसरी वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बार फिर राजस्थान आना तय हो गया है। पीएम नरेंद्र मोदी 12 मार्च को जैसलमेर में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में युद्धाभ्यास देखेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजस्थान यात्रा को लेकर जहां सरकारी अमला मुस्तैद हो गया है वहीं भाजपा कार्यकर्ता भी अलर्ट हो गए हैं।

भड़ास बाद में निकाल लेना, अभी मोदी का चुनाव जिताओ

लोकसभा प्रत्याशी बोलीं- कार्यकर्ताओं को हमेशा आगे और निजी समर्थकों को पीछे रखा

नागौर, 4 मार्च (एजेंसियां)। अगर किसी कोई भड़ास निकालनी है, तो बाद में निकाल लेना। अभी हमें पीएम मोदी को चुनाव जिताना है। भाजपा में आने के बाद मैंने कार्यकर्ताओं को हमेशा आगे और निजी समर्थकों को पीछे रखा है। ये बातें भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष डा.ज्योति मिर्धा ने नागौर से लोकसभा टिकिट मिलने के बाद कहीं। ज्योति मिर्धा भाजपा कार्यालय पर सोमवार को तीन बजे पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मिलीं। इस दौरान सभी ने लोकसभा प्रत्याशी का गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं, ज्योति मिर्धा के स्वागत में आए एक कार्यकर्ता की जेब कट गई। कार्यकर्ता निर्मल सोलंकी की जेब से किसी ने 25 हजार रुपये गायब कर दिए।

नवनियुक्त भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और नागौर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बनने के बाद डॉ. ज्योति मिर्धा पहली बार नागौर स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान

जिलाध्यक्ष रामनिवास सांखला ने कहा कि पिछली बार हुई चूक में इस बार ब्याज सहित सुधार करना है। लोकसभा सहप्रभारी व प्रदेश प्रवक्ता अशोक सैनी ने कहा कि हमें आपसी मतभेद भुलाकर डॉ. ज्योति मिर्धा को भारी मतों से विजयी बनाना है। भाजपा के किसी भी अभियान को छोटा ना समझें। मोदी की गारंटी से लाभान्वित लोगों से मिलकर पीएम नरेंद्र मोदी की राम राम कहनी है।

नागौर लोकसभा प्रत्याशी ने कहा कि भाजपा का दिल बहुत बड़ा है। भाजपा संगठन का काम बहुत अच्छे तरीके से सीखकर आगे बढ़ूंगी। आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर भाजपा बहुत कॉन्फिडेंट है। भाजपा संगठन कभी रुकता नहीं है। रोज एक नए टास्क के साथ मेहनत शुरू की जाती है। हर काम के लिए विस्तार से चर्चा की जाती है। संगठन के वरिष्ठ सदस्यों से मैं मार्गदर्शन लेती रहूंगी। 2024 का लोकसभा चुनाव निर्णायक सिद्ध होगा। इससे पहले 2 चुनाव भाजपा के खिलाफ लड़ चुकी हूं। इसलिए भाजपा के कार्यकर्ताओं की ताकत को अच्छे से जानती हूं। स्वागत कार्यक्रम में पूर्व विधायक मोहनराम चौधरी ने कहा कि विदेशी सरकारें मोदी सरकार को हटाने के षड़यंत्र रच रही हैं। हर किसी को टिकट मांगने का हक है। जिसे टिकट मिला है सब उसके साथ हैं। बहकाने वाले सावधान रहें। सब कैमरे की नजर में हैं। हर भाजपा कार्यकर्ता को रोज 50 फोन करके भाजपा को वोट देने के लिए कहना चाहिए। संचालन जिला महामंत्री रमेश अपूर्वा ने किया। स्वागत कार्यक्रम में लोकसभा संयोजक रमाकांत शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष रामचंद्र उत्ता, भामाशाह कृपाराम देवड़ा समेत भाजपा के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में भाजपाई कार्यकर्त्ता मौजूद थे। पिछले साल 2023 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं। मिर्धा परिवार से होने के कारण ज्योति का नागौर सीट पर काफी प्रभाव है। हालांकि वे दो बार लगातार लोकसभा और एक बाद विधानसभा का चुनाव हार चुकी हैं। बताया जा रहा है कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए ही ज्योति को पार्टी में शामिल किया था। नागौर में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती हनुमान बेनीवाल बने। पिछले दो लोकसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल की वजह से ही डॉ. ज्योति मिर्धा की हार मानी जा रही है।

कांग्रेस या आरएलपी? बीजेपी से टिकट कटने के बाद सांसद राहुल कस्वां को लेकर आ गई बड़ी खबर

चुरू, 4 मार्च (एजेंसियां)। टिकट कटने के बाद सांसद राहुल कस्वां की प्रतिक्रिया ने राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक में हलचलें मचा दी हैं। उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जानी शुरू हो गई हैं। इसमें सबसे बड़ी चर्चा उनके 'दल-बदल' करके किसी अन्य पार्टी का दामन थामने की।

लोकसभा चुनाव के लिए राजस्थान से 15 भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने के बाद से राजस्थान में सियासी पारा ज़बरदस्त तरीके से गर्माया हुआ है। खासतौर से जिन सांसदों के टिकट कटे हैं उनकी नाराज़गी की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फहरिस्त में सबसे टॉप पर हैं चूरू से सांसद राहुल कस्वां।

गौरतलब है कि लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची में सांसद राहुल कस्वां का नाम

नदारद रहा। भाजपा ने उनका टिकट काटकर चर्चित पैरालंपिक खिलाड़ी देवेंद्र झाझड़िया को दिया है। इसके बाद से सांसद कस्वां और समर्थकों की नाराज़गी झलकने लगी है।

चूरू लोकसभा सीट पर उम्मीदवारी की दौड़ से बाहर होने के बाद सांसद राहुल कस्वां ने अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया एक सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए साझा की। इसमें उन्होंने सीधे तौर पर तो नहीं, पर इशारों-ही-इशारों में बहुत कुछ ऐसा कह दिया कि चूरू से लेकर जयपुर और जयपुर से लेकर दिल्ली तक में खलबली मच गई।

सांसद राहुल कस्वां ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'राम-राम मेरे चूरू लोकसभा परिवार! लेकर विश्वास-पाकर आपका साथ, देकर हर संकट को मात, ध्येय मार्ग पर बढ़ते जाएंगे, उत्थानों के शिखर चढ़ते जाएंगे।' उन्होंने आगे लिखा, 'आप सभी संयम रखें। आगामी कुछ दिन बाद आपके बीच उपस्थित रहूंगा, जिसकी सूचना आपको दे दी जाएगी।'

टिकट कटने के बाद सांसद राहुल कस्वां की प्रतिक्रिया ने राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक में हलचलें मचा दी हैं। उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जानी शुरू हो गई हैं। इसमें सबसे बड़ी चर्चा उनके 'दल-बदल' करके किसी अन्य पार्टी का दामन थामने की।

चूरू की राजनीति में अच्छा-खासा दबदबा रखने वाले सांसद राहुल कस्वां की नज़र जहां कांग्रेस या आरएलपी से नाता जोड़कर लोकसभा चुनाव में उतरने की है, वहीं उतनी ही नज़र अन्य दलों की भी कस्वां को पार्टी से जोड़कर चूरू सीट पर जीत निकालने को लेकर दिख रही है।

लोकसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत का पीएम मोदी पर सियासी हमला

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। अशोक गहलोत ने कहा कि मोदी सरकार ने हाल में बैठक कर चुनाव होने से पूर्व ही अगली सरकार के 100 दिन की कार्ययोजना एवं अगले 25 साल पर चर्चा कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र की मोदी सरकार पर अगली सरकार के सौ दिन की कार्ययोजना और अगले 25 साल पर चर्चा के नाम पर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसे पहले उसके वर्ष 2014 एवं 2019 के वादों का हिसाब देना चाहिए।

गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हाल में बैठक कर चुनाव होने से पूर्व ही अगली सरकार के 100 दिन की कार्ययोजना एवं अगले 25 साल पर चर्चा कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है, लेकिन पिछले दोनों चुनावों के घोषणा पत्रों की घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट आज तक नहीं दी है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पहले अपने वर्ष 2014 एवं 2019 के वादों का हिसाब दे क्योंकि 2014 में सौ दिन में विदेश से कालाधन वापस लाने एवं दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष जैसे जुमलों को जनता अभी भूली नहीं है। गहलोत ने कहा कि देश के युवाओं को भावनात्मक मुद्दों से भ्रमित होने की बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातों, तथ्यों एवं चिंताओं को जान कर एवं सोच समझकर ही अपने बेहतर भविष्य के लिए वोट करना चाहिए।

अलवर लोकसभा क्षेत्र: यादव बाहुल्य सीट अब तक दस सांसद यादव ही बने

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान का सिंहद्वार कहे जाने वाली अलवर लोकसभा सीट यादव बाहुल्य सीट रही है। यहां अब तक दस सांसद यादव ही बने हैं। पिछले दो चुनाव से मोदी लहर में हिन्दुत्व कार्ड ही खेला जा रहा है। यहां वर्ष 2014 में महंत चांदनाथ को टिकट दिया गया था तो पिछली बार महंत बालकनाथ जीते थे। जबकि कांग्रेस दो बार से लगातार पूर्व राजपरिवार के सदस्य रहे जितेन्द्र सिंह को ही टिकट दे रही है। वे लगातार दो बार हार चुके हैं। इस बार बालकनाथ को विधानसभा का चुनाव लड़ाया गया था। ऐसे में भाजपा ने नए प्रत्याशी के रूप में राज्यसभा सांसद रहे भूपेन्द्र सिंह यादव को मैदान में उतारा है। भूपेन्द्र सिंह पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। वे दो बार से राज्यसभा सदस्य हैं। इनका कार्यकाल अभी पूरा हुआ है। इन्हें दुबारा राज्यसभा का टिकट नहीं मिला तो इनके लोकसभा चुनाव लडने की चर्चाएं चल रही थी।

अलवर लोकसभा सीट पर पूर्व राजपरिवार के सदस्य भी सांसद रहे हैं। सबसे पहले पूर्व राजपरिवार की सदस्य महेन्द्र कुमारी यहां से सांसद बनी थी। वे अब तक एक मात्र महिला सांसद बनी हैं। वे भाजपा में थी। लेकिन इनके बेटे जितेन्द्र सिंह कांग्रेस में हैं। ये भी एक बार चुनाव जीते हैं। हरियाणा से सटी अलवर लोकसभा सीट यादव बाहुल्य होने के बावजूद दोनों ने ही यहां से जीत दर्ज कराई थी।

सीएमएचओ और डॉक्टर में तू-तू, मैं-मैं

मरीजों के सामने लड़ने लगे, एक-दूसरे को थप्पड़ मारने की दी धमकी

उदयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। कम्युनिटी हेल्थ सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे उदयपुर के चीफ मेडिकल हेल्थ ऑफिसर डॉ. शंकर बामणिया और डॉ. मुकेश अटल में तू-तू, मैं-मैं हो गई। सीएमएचओ ने डॉक्टर को बोला- खींच के 4 रखूंगा तेरे। डॉक्टर ने कहा- मैं भी फिर रख दूंगा। मामला उदयपुर के कुराबड़ सीएचसी का सोमवार सुबह साढ़े 9 बजे का है।

पूरा वीडियो डॉ. मुकेश अटल ने खुद बनाया है। वीडियो में वो एक पेशेंट से कहते नजर आ रहे हैं- आपको लेपर्ड ने काटा था, मैं आपको देख रहा था। इतने में सीएमएचओ आए और मुझे कुर्सी से उठाकर भगा दिया। इसके बाद वे डॉक्टर के चेंबर में बैठे सीएमएचओ बामणिया की ओर इशारा करते हुए कहते हैं- इनके लिए प्रायोरिटी केवल मुझे परेशान करना है। ओपीडी देखना नहीं है, लेकिन सीएमएचओ खुद कुर्सी पर बैठे हैं तो मरीज कैसे देखूं।

डॉ. अटल कहते हैं- पेशेंट नहीं देखूं, फालतू की बकवास करते हो आप। जिला लेवल के हो या स्टेट लेवल के। जनसेवक हो आप सबसे पहले। डॉक्टर मुकेश अटल ने बताया- सीएमएचओ मुझे काफी समय से परेशान कर रहे हैं। उन्होंने मेरी पत्नी बीसीएमओ निधि यादव का ट्रांसफर गिर्वा से जोधपुर करा दिया था। इसके बाद उनकी जगह एसीबी में ट्रैप हो चुके डॉ. पृथ्वीराज जीनगर को गिर्वा लगवा दिया था।

इधर, डॉ. अटल की पत्नी डॉ. निधि ने बताया कि सीएमएचओ ने मेरी और मेरे पति की 9 माह से सैलरी रोकी हुई है। इसको लेकर हम कलेक्टर से लेकर चिकित्सा मंत्री को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन सीएमएचओ ने मनमानी कर रखी है। घटना के बाद सीएमएचओ ने भी एक वीडियो जारी करते हुए कहा- मैं जब निरीक्षण करने सीएचसी पहुंचा तो डॉ. अटल ने मुझे कुर्सी नहीं दी। मैंने उन्हें कहा आप मरीज देखो, मैं यहां बैठा हूं। इतने में वह भड़क गए और वीडियो बनाने लगे। मैं तो पास वाली कुर्सी पर बैठा था। मैं इसके खिलाफ उच्चाधिकारियों को शिकायत करूंगा। सीएमएचओ ने कहा कि निरीक्षण में मैंने पाया कि वहां करीब 35 ऐसे मरीज थे, जिनका बीपी और शुगर चेक नहीं किया गया।

जयपुर शहर से क्या रामचरण 'बोहरा के टिकट पर छायेगा कोहरा'...या फिर खिलेगी धूप?

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर लोकसभा सीट पर इस बार कई नए चेहरे चर्चा में है। जयपुर से लगातार दो बार से चुनाव जीत रहे रामचरण बोहरा के टिकट पर इस बार 'संकट' के बादल छाए नजर आ रहे है। राजस्थान में 25 सीटों में से 15 सीटों पर भाजपा ने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। जिसके बाद अब 10 सीटों पर नामों की चर्चा शुरू हो गई है। वहीं जयपुर लोकसभा सीट पर इस बार कई नए चेहरे चर्चा में है। जयपुर से लगातार दो बार से चुनाव जीत रहे रामचरण बोहरा के टिकट पर इस बार 'संकट' के बादल छाए नजर आ रहे है। पिछले एक साल से कई चेहरों की चर्चा है, जिसमें ब्राह्मण, वैश्य दोनों मांग कर रहे है।

हालांकि रामचरण बोहरा भरोसा जता है कि उनके काम को देखते हुए उन्हें टिकट मिलेगा। जबकि सियासी गलियारों में चर्चा कि इस बार भाजपा जयपुर शहर से टिकट बदल सकती है। जिस तरह से बीजेपी ने पहली सूची में 5 वर्तमान सांसद के टिकट काटकर संकेत दे दिया है। जानकारी के मुताबिक 6 मार्च को दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी, उसके बाद दूसरी लिस्ट आ सकती है।

राज विवि के प्रोफेसर प्रकाश शर्मा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ श्याम शर्मा, डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत, बीजेपी प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज, सुनील कोठारी जैसे कई नाम चर्चा में है। कई महिला नेत्री भी टिकट की दौड़ में शामिल हैं। इस बार यहां से बीजेपी के टिकट मांगने वालों की लिस्ट लम्बी है। रामचरण बोहरा जयपुर से दो बार के लगातार बीजेपी सांसद हैं। वर्ष 2014 में मोदी लहर में राम चरण बोहरा ने बीजेपी के टिकट पर 5,39,345 मतों के अंतर से चुनाव को जीत लिया था। उसके बाद वर्ष 2019 में भी 4,30,626 मतों के अंतर से बोहरा को जीत मिली थी। वर्ष 1995-2000 तक बोहरा जयपुर के जिला प्रमुख रहे. उसके बाद 2000-04 भारतीय जनता पार्टी जयपुर देहात अध्यक्ष रहे।

महिला मरीज के साथ दुष्कर्म का आरोपी डेंटिस्ट गिरफ्तार

मामला दर्ज होने के बाद से था फरार

जालौर, 4 मार्च (एजेंसियां)। महिला मरीज के साथ दुष्कर्म कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोपी डेंटिस्ट को भीनमाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उप अधीक्षक हिम्मत चारण ने जानकारी देते हुए बताया कि एसपी ज्ञानचंद्र यादव के निर्देश पर थाना प्रभारी बाबूलाल जांगिड़ के सुपरविजन में एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद दुष्कर्म के मामले को लेकर आरोपी डॉ. सुरेश की तलाश प्रारंभ की गई। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी गंगानगर भाग गया था। पुलिस ने उसे वहां से पकड़कर पूछताछ की। आरोपी ने मामले में पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म करने की बात स्वीकार की है। आरोपी डॉ. सुरेश सुंदेशा निवासी नीलकंठ महादेव मंदिर के पास, भीनमाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

गौरतलब है कि भीनमाल में एक महिला मरीज ने आरोप लगाया था कि चिकित्सक सुरेश सुंदेशा ने उसे बेहोशी का इंजेक्शन देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाए। साथ ही उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश भी की। महिला ने सुसाइड नोट लिखकर जब आत्महत्या की कोशिश की तो पति को इसकी खबर हुई। बाद में इस संबंध में भीनमाल थाने में प्रकरण भी दिया गया था।

रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट से 7.8 किलो सोना पकड़ा, कस्टम विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। सोने की तस्करी के मामले में कस्टम विभाग ने प्रदेश में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर 7.8 किलो सोना पकड़ा है। पहली कार्रवाई में जोधपुर में कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन से तस्करी करके लाया जा रहा सोना पकड़कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। मामले में फिलहाल कस्टम विभाग से पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्टम विभाग ने जोधपुर रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए यहां से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। विभाग ने इनके पास से चार करोड़ रुपये कीमत का 6.3 किलो सोना जब्त किया है। कस्टम विभाग ने मुंबई से आ रही विवेक एक्सप्रेस से दो तस्करों को जोधपुर स्टेशन पर गिरफ्तार किया है। ये तस्कर मुंबई एयरपोर्ट से ट्रेन के जरिए सोना लेकर राजस्थान आ रहे थे। कस्टम विभाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विभाग ने जोधपुर स्टेशन पर ट्रेन रोककर गहन जांच-पड़ताल की और तस्करों पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार तस्कर रेक्टम में सोना

छिपाकर ला रहे थे लेकिन विभाग ने तस्करों को ढूंढ़ निकाला। पकड़े गए सोने का वजन करीब 6.3 किलो है। अब कस्टम विभाग मामले में गिरफ्तार दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है।

कस्टम विभाग की दूसरी कार्रवाई जयपुर एयरपोर्ट पर हुई, 1.5 किलो सोने के साथ एक तस्कर को पकड़ा गया। तस्कर ने चालाकी से सोने के पेस्ट को मोजों में छुपाया था। विभाग अब इस मामले में जांच कर रहा है कि वह सोना कहां से लेकर आया था और इसका क्या करने वाला था। इससे पहले भी जयपुर एयरपोर्ट पर सोना तस्करी के मामले कई बार सामने आ चुके हैं।

साइंस एक्सपीरियन्स सेंटर की स्थापना हैदराबाद के लिए ऐतिहासिक दिवस : जी किशन रेड्डी

हैदराबाद, 4 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के सीएसआईआर-आईआईसीटी परिसर में साइंस एक्सपीरियन्स सेंटर की स्थापना हेतु केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन व डीओएनइआर मंत्री जी किशन रेड्डी और केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान डॉ. जितेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से आधारशिला रखी।

इस अवसर पर जी किशन रेड्डी ने कहा की साइंस एक्सपीरियन्स सेंटर की स्थापना ग्रेटर हैदराबाद के लिए ऐतिहासिक दिवस है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों सहित सचिव, डीएसआईआर और महानिदेशक, सीएसआईआर डॉ. एन कलैसेल्वी, पूर्व सचिव, डीडीआर एंड एम्प डी, अध्यक्ष, डीआरडीओ डॉ जी सतीश रेड्डी, अध्यक्ष, जीबी, एनसीएसएम, पूर्व सचिव डीएसआईआर डॉ शेखर मांडे, तथा पूर्व महानिदेशक, सीएसआईआर, मुग्धा, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार सिन्हा, महानिदेशक, एनसीएसएम ए. डी. चौधरी, डीडीजी, एनसीएसएम समरेंद्र कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी और अन्य वैज्ञानिकों व गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह कहा कि देश में समाज में अंधविश्वास को समाप्त कर, विज्ञान का संचार कर वैज्ञानिक विकास करने में विज्ञान केन्द्रों की अहम भूमिका है। साथ ही उन्होने आशा जतायी कि, सीएसआईआर और एनसीएसएम का यह सहयोगात्मक प्रयास इसे अगले स्तर पर ले जाएगा और हम एक अधिक वैज्ञानिक रूप से सशक्त समाज को विकसित भारत के अपने सपने को पूरा करते हुए देख पाएंगे।

इस कार्यक्रम के समापन के दौरान सीएसआईआर-आईआईसीटी निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने तत्संबंधित स्थापना के लिए भारत सरकार के मंत्रियों सहित सभी तत्संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद देकर आभार प्रकट किया।

ईसीआईएल को मिली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईसीआईएल को राजभाषा विभाग ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति हैदराबाद-सिकंदराबाद की अध्यक्षता का उत्तरदायित्व दिया है। सीएमडी अनुराग कुमार इस समिति के अध्यक्ष और प्रबंधक डॉ राजनारायण अवस्थी सचिव होंगे। डॉ अवस्थी ने कहा कि ईसीआईएल ने नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में एक विस्तृत कार्य योजना बनाई है। ईसीआईएल भाषा प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी अनुवाद के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केन्द्र है। नराकास के तत्वावधान में प्रशिक्षण एवं तकनीकी कौशल-विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ईसीआईएल ने प्राकृतिक भाषा संसाधन (एनएलपी), क्लाउड ट्रांसलेशन तथा मशीन अनुवाद पर एक विस्तृत एवं व्यापक प्रशिक्षण माड्युल बनाया है। नराकास के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों के छात्रों एवं रिसर्च स्कॉलर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा ने ईसीआईएल से अनुरोध किया है कि अनुवाद अध्ययन विभाग के शोधछात्रों को ज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में 'रियल टाइम अनुवाद' करने के लिए समझौता ज्ञापन किया जाएगा। कॉरपोरेट कार्यालय में नराकास (उपक्रम) का तकनीकी समन्वय कार्य के लिए अजहर सुल्तान, वी कनका महालक्ष्मी एवं डॉ सीएच अंबेडकर को जिम्मेदारी दी गई है।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी बैठक

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक सिकंदराबाद स्थित अग्रसेन भवन में अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रेस विज्ञप्ति अनुसार बैठक में पिछली बैठक की मिनट्स सर्व सम्मति से पारित किए गए। बैठक में भवन को ठीक करने हेतु एक कमिटी बनाई गई जिसमे मनोज अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, किशन अग्रवाल सम्मिलित हैं उनकी रिपोर्ट के अनुसार भवन की मरम्मत करने का निर्णय लिया गया। अग्रसेन भवन को शादी विवाह, भजन, जागरण हेतु उपयोग में लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में चेयरमेन नरेंद्र कुमार गोयल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री मनोज अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, ट्रस्टी गण किशन अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल, संजय कुमार सिंघानिया आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज मलकपेट द्वारा बच्चों को साहित्य वितरण

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के तत्वाधान से युसुफ़ गुड़ा स्थित हमसानजली चैरिटेबल ट्रस्ट के बच्चों को घड़िया, ड्रेसेस, नोटबुक, किराना सामान आदि वितरित किए गए। इस अवसर पर ट्रस्ट की बालिकाओं ने नृत्य प्रस्तूती दी। इस समय बालिकाओं को लाफिंग कला सिखायी गई। इस समय शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, मानद मंत्री प्रदीप बसल, संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, श्यामसुंदर अग्रवाल तथा दिनेश गोयल उपस्थित थे।

वेंकटेश दोत्रे ने संभाला जिला कलेक्टर का पदभार

आसिफाबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वेंकटेश दोत्रे ने सोमवार को कुमरमभीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर के रूप में कार्यभार संभाला। वह 2017 आईएएस बैच के हैं और कर्नाटक राज्य से हैं।

वेंकटेश दात्रे 2014 में आईपीएस के रूप में चुना गया और उन्होंने आसाम राज्य में तीन साल तक सेवा की। 2017 में सिविल पूरा करने के बाद, मसूरी में प्रशिक्षण किया। बाद में उन्हें तेलंगाना राज्य में नियुक्त किया गया। कामारेड्डी में पहले अतिरिक्त कलेक्टर के रूप में कार्य किया और फिर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम एक्स के तहत जयरताबाद के क्षेत्रीय आयुक्त के रूप में कार्य किया। आसिफाबाद के जिलाधिकारी का सरकार ने तबादला कर दिया और उन्होंने पहली बार जिलाधिकारी का कार्यभार संभाला। इससे पहले अपर समाहर्ता दीपक तिवारी, दसारी वेणु, आसिफाबाद आरडीओ लोकेश्रवु, डीपीआरओ संपत कुमार ने स्वागत किया।

जिला कलेक्टर के रूप में कार्यभार संभालने वाले वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि कलेक्टर के रूप में यह उनकी पहली पोस्टिंग है क्योंकि वह कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के व्यापक विकास के लिए काम करेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मामले निपटाने का प्रयास हो : के युवराज

आसिफाबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला विधिक सेवा संगठन के सचिव के युवराज ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा करने का प्रयास करना चाहिए।

16 तारीख को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम को लेकर सोमवार को जिला केंद्र स्थित जिला न्यायालय भवन परिसर में जिला जूनियर जज अनंतलक्ष्मी, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की समन्वय बैठक में सचिव के युवराज ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि इस माह की राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मामलों को समझौते के माध्यम से निपटाने का प्रयास किया जाना चाहिए। अधिकारी आपसी समन्वय से काम करें और पक्षकारों को जागरूक करें। पक्षकारों को बताएं कि वे मामलों को इस तरह से बनाकर समय और धन की बचत कर सकते हैं, जिससे समझौता हो सके। संबंधित थाने के अनुसार मामलों पर विशेष ध्यान दें। बड़ी संख्या में साइबर अपराध के मामलों में समझौता होने के कारण, इसे प्रदान करने वालों के हस्ताक्षर अवश्य लिए जाने चाहिए और समझौता ही मामलों को सुलझाने का शाही तरीका है।

इस बैठक में आसिफाबाद एसडीपीओपी सदैया, जैनूर, वांकिडी, रेबेना सीआई के अंजैया, बी श्रीनिवास, एन चित्तिबाबू, अग्निशमन विभाग अधिकारी के रविंदर, एसएचओ पुलिस, कर्मियों ने भाग लिया।

पुल का काम फिर से शुरू करने की बीआरएस की मांग

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकर्ताओं ने कोटाला मंडल के गुंदायीपेट गांव में वर्धा नदी पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय पुल को खत्म करने के लिए सरकार की आलोचना की।

जेडपीटीसी सदस्य अनुषा, डीसीएमएस के अध्यक्ष मंथैया के नेतृत्व में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने कोटाला तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपकर काम फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन बीआरएस सरकार ने 70 करोड़ रुपये आवंटित करके तेलंगाना और महाराष्ट्र दोनों राज्यों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार के लिए पुल को मंजूरी दी थी।

इससे पहले, कार्यकर्ताओं ने सिरपुर (टी)-कोटाला रोड पर रास्ता रोको किया, जिससे कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। बीआरएस मंडल अध्यक्ष आदि वसंत राव और पार्टी के कई सदस्य उपस्थित थे।

लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें : जिला कलेक्टर

निर्मल, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिये। सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों की समस्या युक्त याचिकाएं प्राप्त कीं। इस अवसर पर बोलते हुए, कलेक्टर ने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं की जांच करने और समाधान करने की सलाह दी। प्रजावाणी और सीएम प्रजावाणी के जो आवेदन विभाग द्वारा लंबित हैं, उनका परीक्षण कर प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए पहले से ही इंतजाम कर लिए जाएं। धरणी, राजस्व, नए राशन कार्ड, पेंशन और भूमि संबंधी मुद्दों पर शिकायतें अधिक प्राप्त हुई हैं। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता फैजान अहमद, किशोर कुमार, डी.आर.ओ गंगैया, आरडीओ रत्नकल्याणी, डीआरओ विजयालक्ष्मी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

प्रजावाणी के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास : दसारी वेणु

आसिफाबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अपर समाहर्ता (राजस्व) दसारी वेणु ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय भवन में आवेदन प्राप्त किये गये। बसंती नगर के मित्रा सुबोध, अगरगुडा गांव की गोलेटी शारदा, आर.आर. कॉलोनी की पेंडोर भुवनेश्वरी, बसंती नगर के मित्रा सुबोध, बिबरा गांव के सुनकारी भीमैया, अंकुसापुर गांव की गैनी तिरूपति,कपुवाड़ा कस्बे की पोटाराजुला प्रमिला, गोलेटी गांव के बुसी पोशम, गोरलापल्ली माधवी ने अलग अलग आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जिले के अपर समाहर्ता ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त प्रत्येक आवेदन की गहनता से जांच की जायेगी तथा संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर त्वरित समाधान हेतु कदम उठाये जायेंगे। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

भारतीय अर्थव्यवस्था की ...

उन्होंने कहा कि सरकार तेलंगाना के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अंबारी आदिलाबाद पिंपलखुटी विद्युतीकरण मुदखेड पिंपलखुटी विद्युतीकरण कार्य परियोजना का हिस्सा है। इस खंड के विद्युतीकरण के लिए 182 रूट किलोमीटर की लंबाई 206 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर स्वीकृत की गई है। अंबारी आदिलाबाद पिंपलखुटी खंड के 58 रूट किमी (71 ट्रैक किमी) को लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से विद्युतीकृत किया गया है। इस रेलवे लाइन के विद्युतीकरण से आदिलाबाद से हैदराबाद/सिकंदराबाद, दक्षिण में बेंगलुरू के साथ-साथ उत्तर में नागपुर और उससे आगे तक निर्बाध रेल कनेक्टिविटी की सुविधा मिलती है। इससे ट्रैक्शन परिवर्तन के कारण ट्रेनों की देरी से भी बचा जा सकेगा, जिससे यात्री और मालगाड़ियों दोनों की औसत गति में सुधार होगा। यह कपास, मिर्च, दालें और मक्का जैसे उत्पादों को सुरक्षित, तेज और किफायती परिवहन प्रदान करके आदिलाबाद और आसपास के क्षेत्रों में कृषि क्षेत्र की मदद करता है।

प्रधानमंत्री 6 नए

दोहरीकरण और विद्युतीकरण के हिस्से के रूप में, सेक्शन में छह नए स्टेशन भवनों का निर्माण भी किया गया है जो यात्री यातायात की संभलाई करेंगे। खोले गए सभी नए एमएमटीएस स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुख-सुविधाएं, हाई लेवल प्लाटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, प्लाटफॉर्म शेल्टर आदि प्रदान किए गए है। ये 6 स्टेशन फिरोजगुडा, सुचित्रा सेंटर, भूदेवीनगर, अम्मुगुडा, नेरेडमेट तथा मौलाअली एचबी कॉलोनी है। घटकेसर से लिंगमपल्ली, बरास्ता मौलाअली-सनतनगर एमएमटीएस गाड़ी सेवा पहली बार हैदराबाद-सिकंदराबाद नगरद्वय क्षेत्रों में लोकप्रिय उपनगरीय गाड़ी सेवा का नए क्षेत्रों तक विस्तार करती है।

यह शहर के पूर्वी हिस्से में चर्लपल्ली, मौलाअली जैसे नए क्षेत्रों को नगर द्वय क्षेत्र के पश्चिमी हिस्से से जोड़ती है। इन सेक्शनों में नई एमएमटीएस गाड़ी सेवा आरंभ होने से नगर द्वय क्षेत्र के पूर्वी भाग को पश्चिमी भाग से जोड़ते हुए परिवहन का सबसे सुरक्षित, तेज और सबसे किफायती साधन उपलब्ध होगा। यह छात्रों, छोटे व्यापारियों, कर्मचारियों आदि के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगा। यह गाड़ी हैदराबाद-सिकंदराबाद नगरद्वय के उपनगरीय सेक्शन में एमएमटीएस सेवाओं के क्षेत्राधिकार को मौजूदा 90 किलोमीटर (44 स्टेशनों) से 123.52 किलोमीटर तक (53 स्टेशन) बढ़ाती है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि यह एमएमटीएस गाड़ी सेवा को पूर्वी हिस्से में सिकंदराबाद स्टेशन से आगे तक बढ़ाती है और इसे पश्चिमी हिस्से में व्यापार और वित्तीय जिला हब से जोड़ती है। यह रेल गाड़ी 48 किमी लंबे पूर्व-पश्चिम कॉरिडॉर से गुजरते हुए घटकेसर, चर्लपल्ली, मल्लापुर, नेरेडमेट, ईसीआईएल, सुचित्रा, भूदेवीनगर आदि आवासीय क्षेत्रों को व्यापार और वित्तीय जिला हैदराबाद से जोड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट का ...

जबकि बाकी 5 राष्ट्रीय पार्टियां दिल्ली में आवंटित कार्यालय से संचालित हैं। आप ने यह भी कहा कि भारत सरकार ने 2012 में निर्देश जारी किए थे कि राष्ट्रीय स्तर की पार्टियां दिल्ली में 2 जगह ऑफिस बनाने की हकदार हैं, एक नेशनल ऑफिस और दूसरा दिल्ली यूनिट के लिए।

आप ने कहा कि वह जमीन खाली करने को तैयार है, लेकिन कोर्ट को यह साफ करना होगा कि राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे के अनुसार उसे ऑफिस के लिए दूसरी जगह दी जाएगी। अगर पार्टी को नई दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में उसके हक की 2 जगहों में से एक ही जगह दी जाती है तो वह राउज एवेन्यू में मौजूदा ऑफिस खाली कर देगी।

प्रजावाणी में प्राप्त हुए 207 आवेदन

हनुमाकोंडा, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को हनुमाकोंडा जिला समाहरणालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला, अपर कलेक्टर वेंकट रेड्डी, डीआरओ वाईवी गणेश ने विभिन्न मुद्दों पर जनता से आवेदन प्राप्त किये। जिले के विभिन्न हिस्सों में अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित लोगों से 207 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

मंचेरियाल सब डिवीजन में सीपी का दौरा

मंचिरयाल, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त एम श्रीनिवास ने मंचिरयाल डीसीपी अशोक कुमार के साथ रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय के मंचिरयाला सब डिवीजन के तहत हाजीपुर, लक्शेट्टीपेट, दांडेपल्ली, जन्नाराम, सीसीसी नासपुर पुलिस स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया।

पुलिस कमिश्नर ने थाने पहुंचकर सबसे पहले थाने के आसपास और थाने के रिसेप्शन सेंटर का दौरा किया और अभिलेखों की जांच की। इस मौके पर पुलिस अधिकारियों ने स्टाफ की डिटेल जानी, वे क्या काम कर रहे हैं और उन्हें कोई दिक्कत तो नहीं है। सीपी एम श्रीनिवास ने कहा कि पुलिस को लोगों के लिए सुलभ होना चाहिए और शांति और सुरक्षा बनाए रखनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में डीसीपी अशोक कुमार, एसीपी आर प्रकाश, मंचिरयाला ग्रामीण सीआई अशोक कुमार, लक्शेट्टीपेट सीआईए नरेंद्र, एसआई नरेश कुमार, एसआई चंद्र कुमार, जन्नाराम एसआई सतीश, सीसीसी नासपुर एसआई रवि कुमार सहित स्टाफ ने भाग लिया।

सोम अष्टमी के अवसर पर उत्तर भारतीय नागरिक संघ के अध्यक्ष एनके सिंह द्वारा साहब नगर शांति निकेतन अनाथ आश्रम में बच्चों में फलाहार का वितरण किया गया। इस अवसर पर नंदकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह, सुरेश, पवन, राजेंद्र तिवारी, निखिल और शाहनवाज आदि उपस्थित थे।

बिजली मीटर में लगी आग

आसिफाबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद के जिला केंद्र में एक घर के बिजली मीटर में आग लग गई। परिणामस्वरूप, निवासियों ने तुरंत सब स्टेशन कार्यालय को फोन किया। लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। यहां तक कि जब स्थानिक ने बिजली विभाग के कार्यालय में फोन किया तो वहां से कोई जवाब नहीं मिला क्योंकि उन्होंने फोन नहीं उठाया।

अधिकारियों के फोन जहां बंद हैं वहीं दफ्तरों में फोन नहीं लग रहे हैं। परिणाम स्वरूप उन क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड रहा है। अंत में जब लोगों को समझ नहीं आया तो आसिफाबाद के सीआई को फोन किया और बताया कि मीटर जल गया है। फिर सीआई ने लाइन मैन और दमकल को सूचना दी, तब बिजली अधिकारियों ने जवाब दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पैट कमिंस बने आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे कप्तान

केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा, एसआरएच की संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के शुरू होने से पहले सनराइजर्स हैदराबाद में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है. ये बदलाव टीम के कप्तान के तौर पर हुआ है. हैदराबाद फ्रेंचाईजी ने 17वें सीजन के लिए पैट कमिंस को अपना नया कप्तान बनाया है. कमिंस इस पद पर एडन मार्करम की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में टीम की कमान संभाली थी.

कमिंस को कप्तान बनाए जाने की खबर सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से ही कन्फर्म की गई. वैसे ये खबर पहले ही चर्चा में आ गई थी कि पैट कमिंस आईपीएल 2024 में हैदराबाद की कप्तानी कर सकते हैं. वो बतौर कप्तान मार्करम को टीम में रिप्लेस कर सकते हैं. बस उस पर मुहर लगना बाकी था, जो कि अब लग चुका है. कमिंस को कप्तान बनाए जाने का मतलब है कि मार्करम की भूमिका टीम में अब बस एक बल्लेबाज की रहेगी.

आईपीएल में कप्तानी का

अनुभव कमिंस को नहीं

सनराइजर्स हैदराबाद ने कमिंस को कप्तान तो बनाया है, पर उनके पास आईपीएल में कप्तानी का कोई पिछला अनुभव नहीं है. बतौर कप्तान कमिंस ने बस इंटरनेशनल क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की है, जहां वो सफल रहे हैं. उनकी अगुवाई में ही ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और 2023 के वनडे वर्ल्ड पर कब्जा जमाया.

कमिंस बने आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे कप्तान

पैट कमिंस ने इंटरनेशनल क्रिकेट पर फोकस करने के लिए आईपीएल 2023 से अपना नाम वापस ले लिया था. मगर जब आईपीएल 2024 का ऑक्शन हुआ तो उसमें कमिंस ने भी अपना नाम डाला, जहां वो आईपीएल इतिहास के पहले ऐसे खिलाड़ी बने जिन पर 20 करोड़ रुपये से ज्यादा की बोली लगी. कमिंस को 20.50 करोड़ रुपये में एसआरएच ने खरीदा. इसी के साथ वो आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे कप्तान भी बन गए. इस मामले में उन्होंने केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिन्हें एलएसजी ने 17 करोड़ रुपये में खरीदा था.

पिछले तीन सीजन में तीसरे कप्तान होंगे कमिंस

आईपीएल के पिछले तीन सीजन में कमिंस एसआरएच के तीसरे कप्तान होंगे. केन विलियमसन की कप्तानी में एसआरएच ने आईपीएल 2022 में 8वां स्थान हासिल किया था. विलियमसन 2023 सीजन के शुरू होने से पहले टीम से रिलीज कर दिए गए, जिसके बाद मार्करम को टीम की कमान मिली. मगर आईपीएल 2023 में उनकी कप्तानी में टीम ने 14 मैच में से बर 4 जीते.

आईपीएल में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

आईपीएल में ऑस्ट्रेलियाई कप्तानों का इतिहास अच्छा रहा है. 2009 में एडम गिलक्रिस्ट की कप्तानी में डेक्कन चार्जर्स चैंपियन बनी थी. 2016 में डेविड वॉर्नर की कमान में सनराइजर्स हैदराबाद जीता था. अब देखना है कि कमिंस आईपीएल 2024 में इस सिलसिले को बरकरार रख पाते हैं या नहीं.

सीएसके के डेवन कॉनवे के आईपीएल 2024 में खेलने पर लटकी तलवार, अब धोनी क्या करेंगे?

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का कैंप लग चुका है. कुछ खिलाड़ियों ने लीग के 17वें सीजन में खिताब को डिफेंड करने की तैयारी भी शुरू कर दी है. लेकिन, इस बीच सीएसके के लिए आई एक खबर कुछ अच्छी नहीं है.

दरअसल, उसके एक खिलाड़ी पर आईपीएल के 17वें सीजन से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है. इस मंडराते खतरे की वजह इंजरी और उसके चलते होने वाली सर्जरी है, जो उस खिलाड़ी को पूरे आईपीएल 2024 से नहीं तो कम से कम आधे सीजन से तो जरूर दूर कर सकती है. आईपीएल 2024 में जिस खिलाड़ी की कमी धोनी और सीएसके को खलने वाली है, उसका नाम डेवन कॉनवे है.

न्यूजीलैंड के ओपनर डेवन कॉनवे आईपीएल में सीएसके के लिए भी वही काम करते हैं. वो ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर आईपीएल की पिच पर सीएसके के रनों की बुनियाद रखते हैं.

हालांकि, आने वाले आईपीएल सीजन में धोनी को ऋतुराज का नया ओपनिंग पार्टनर ढूंढ़ना पड़

सकता है. उन्हें डेवन कॉनवे की सेवाएं मिलती नहीं दिख सकती है.

हाथ के अंगूठे की होगी सर्जरी

अब सवाल है कि डेवन कॉनवे के साथ ऐसा हुआ क्या है, जिसके चलते उन्हें आईपीएल 2024 से बाहर होना पड़ सकता है. तो इसके पीछे है उनके हाथ के अंगूठे की इंजरी. न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक डेवन कॉनवे के अंगूठे की इस हफ्ते सर्जरी होगी. उन्हें ये चोट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ T20 सीरीज के दौरान लगी थी.

रिकवरी में 8 हफ्ते तो आईपीएल खेलेंगे कैसे?

डेवन कॉनवे के अंगूठे की सर्जरी करने फैसला तमाम स्कैन और स्पेशलिस्ट डॉक्टर की सलाह पर लिया गया है. सर्जरी के बाद उससे रिकवर होने में उन्हें कम से कम 8 हफ्ते यानी 2 महीने का वक्त लगेगा, जिसका मतलब है कि आईपीएल 2024 के फर्स्ट हाफ से तो उन्हें बाहर ही रहना पड़ सकता है.

आईपीएल 2024 में कॉनवे के स्टेटस पर आधिकारिक मुहर बाकी

बहरहाल, आईपीएल 2024 में नहीं खेलने और वापसी करने जैसी खबरों को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक अपडेट नहीं है. ये बस उनकी इंजरी और सर्जरी के बाद उसकी रिकवरी में लगने वाले वक्त को देखते हुए हमारा कयास है कि कॉनवे आईपीएल 2024 के पहले हाफ से बाहर रख सकते हैं. इससे पहले इंजरी का पता चलते ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट से बाहर रखा गया था.

कहा तो तब यही गया था कि कॉनवे क्राइस्टचर्च में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में वापसी करेंगे लेकिन सर्जरी की खबर के बाद अब वो मुमकिन नहीं लग रहा.

केकेआर टीम को गौतम का 'गंभीर संदेश'

'बॉलीवुड की तरह नहीं है आईपीएल'

मुंबई, 4 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर का फोकस राजनीति छोड़ने के बाद अब आईपीएल 2024 पर है। आईपीएल 2024 के लिए गौतम गंभीर पहले ही कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटोर बन चुके हैं। जिसके बाद अब गौतम गंभीर ने आईपीएल के नए सीजन को लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स को 'गंभीर संदेश' दिया है। गंभीर का कहना है कि आईपीएल बॉलीवुड से जुड़ी चकाचौंध और ग्लैमर जैसा नहीं है। यह क्रिकेट के लिए एक गंभीर मंच है।

केकेआर के खिलाड़ियों को गंभीर का सख्त संदेश

गौतम गंभीर का कोलकाता नाइट राइडर्स से पुराना नाता है। अपनी कप्तानी में गौतम गंभीर ने केकेआर को दो बार आईपीएल का खिताब जिताया है। गौतम गंभीर आईपीएल 2022 और

आईपीएल 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटोर बने थे। जिसके बाद अब एक बार फिर से पूर्व भारतीय खिलाड़ी की केकेआर में वापसी हो चुकी है।

गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि मैं पहले भी कह चुका हूं कि आईपीएल मेरे लिए गंभीर क्रिकेट है। ये कोई बॉलीवुड, पार्टियों और अन्य चीजों जैसा नहीं है। इसलिए मेरा मानना है कि आईपीएल दुनिया की सबसे कठिन लीग है। यह दुनिया की सबसे सफल क्रिकेट लीग है जहां पर आपकों अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

कोलकाता टीम के फैंस को लेकर गौतम गंभीर ने कहा कि केकेआर के फैंस काफी भावुक है हमें उनके प्रति ईमानदार रहने की जरुरत है। हमें शानदार खेल दिखाकर फैंस के चेहरे पर मुस्कुराहट लानी होगी। इसके अलावा गंभीर ने कहा कि केकेआर के खिलाड़ियों को मैदान के बाहर की गतिविधियों को छोड़कर मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने पर ध्यान देना चाहिए।

बता दें, कोलकाता नाइट राइडर्स का पिछला सीजन कुछ खास नहीं रहा था। टीम प्लेऑफ में भी अपनी जगह नहीं बना पाई थी। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर थी। पिछले सीजन की नाकामयाबी को भुलाकर इस बार केकेआर नए मेंटोर के साथ खिताब को जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बाद केकेआर आईपीएल की तीसरी सबसे सफल टीम है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पूर्व कोच की बढ़ी मुश्किलें

पुलिस ने घर से बरामद की करोड़ों की नगदी

वड़ोदरा, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पूर्व कोच का नाम सट्टेबाजी में आने के बाद से मुश्किलें बढ़ने लगी है। पुलिस ने पूर्व कोच के घर से करोड़ों रूपये की नगदी भी बरामद की है। दरअसल वड़ोदरा पुलिस को सूचना मिली थी कि वड़ोदरा के एक घर में थैले में भर कर रूपये लाये जा रहे है। सूचने मिलने के बाद पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने पूर्व क्रिकेटर और पूर्व कोच तुषार अरोठे के वड़ोदरा स्थित घर की तलाशी ली।

तलाशी में मिले 1 करोड़ 39 लाख रूपये

पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने पूर्व क्रिकेटर और पूर्व कोच तुषार अरोठे के वड़ोदरा स्थित घर की तलाशी के दौरान 1 करोड़ 39 लाख रूपये की नगदी बरामद की। जानकारी के मुताबिक 1 करोड़ 39

लाख रूपये की नगदी बेंगलोर से तुषार अरोठे के बेटे ऋषि अरोठे ने भेजी थी। बता दें, पूर्व क्रिकेटर और पूर्व कोच तुषार अरोठे के बेटे ऋषि अरोठे भी पूर्व रणजी क्रिकेटर हैं।

सट्टेबाजी में भी आ चुरा है ऋषि अरोठे का नाम

बता दें, पूर्व रणजी क्रिकेटर ऋषि अरोठे पहले क्रिकेट सट्टेबाजी और धोखाधड़ी के मामलों में शामिल थे। दरअसल तुषार अरोठे को 2019 में सट्टा मामले में गिरफ्तार किया गया था। तुषार अरोठे और अन्य सट्टेबाज अलकापुरी के एक कैफे में प्रोजेक्टर पर मैच देखते हुए अलग-अलग मोबाइल सॉफ्टवेयर की मदद से सट्टा खेल रहे थे।

तुषार अरोठे से पुलिस की पूछताछ

घर से मिली नकदी के बारे में पुलिस ने जब तुषार अरोठे से पूछा तो वह कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। जिसके बाद एसओजी पुलिस ने पूर्व क्रिकेटर तुषार अरोठे को हिरासत में लिया। इस मामले में इसके अलावा महाराष्ट्र से विक्रांत रायपटवार और अमित जलीत को भी हिरासत में लिया गया है। इस मामले में अन्य और कौन-कौन शामिल है पुलिस इस मामले में भी छानबीन कर रही है।

भारतीय वेटलिफ्टिंग महासंघ की नई पहल

देश के अंदर ही प्रशिक्षकों को तैयार करेगा विदेशी कोच

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। अब तक भारतीय खिलाड़ियों की ओलंपिक, एशियाई खेलों की तैयारियां के लिए विदेशी प्रशिक्षक अनुबंधित किए जाते रहे हैं, लेकिन भारतीय वेटलिफ्टिंग महासंघ अपने प्रशिक्षकों को विदेशी कोच से तैयार कराने की परंपरा आगे बढ़ाना जा रहा है। वेटलिफ्टिंग महासंघ ने 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक तक भारतीय प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए मिस्र के जाने वेटलिफ्टिंग कोच और एजुकेटर अहमद अवाद अहमद हसन को अनुबंधित किया है। हसन के इस सप्ताह भारत आने की उम्मीद है।

वेटलिफ्टिंग महासंघ ने प्रशिक्षकों

को तैयार करने के लिए विदेशी प्रशिक्षक अविनाश पांडु को पहले भी अनुबंधित किया था, लेकिन वह कुछ माह तक ही रुके। इसके बाद से यह योजना बंद हो गई थी। अब इसे सिरे चढ़ाने के लिए अहमद अवाद अहमद हसन को अनुबंधित किया जा रहा है। अहमद एनआईएस, पटियाला में रहेंगे। हालांकि उनका सीनियर टीम की तैयारियों से कोई मतलब नहीं होगा। महासंघ की पहल पर वह देश के विभिन्न राज्यों में जाकर लेवल-1, 2, 3 के कोर्स आयोजित करेंगे।

भारतीय प्रशिक्षकों को वह वेटलिफ्टिंग की नई तकनीकि और चोट से बचाव के तरीकों के बारे में बताएंगे। यही नहीं उनकी अगुवाई में देश में वेटलिफ्टिंग की प्रतिभाओं को भी ढूंढा जाएगा, जिन्हें उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) में रखा जाएगा। अहमद मिस्र की दैमिएत्ता यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर रह चुके हैं और वर्तमान में मिस्र के राष्ट्रीय स्पोर्ट्स सेंटर में कार्यरत है। उनकी अगुवाई में एनआईएस के डिप्लोमा कोर्स का सिलेबस में भी बदलाव किया जाएगा।

केएल राहुल की हेल्थ पर आया बड़ा अपडेट

क्या आईपीएल में वापसी कर पाएंगे खिलाड़ी

बेंगलुरु, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल चोटिल होकर इंग्लैंड के खिलाफ पूरी सीरीज से बाहर हो गए थे। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में राहुल ने सिर्फ एक ही मैच खेले फिर चोटिल होकर पूरी सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। पहले तो उम्मीद जताई जा रही थी कि खिलाड़ी सिर्फ एक मैच के लिए बाहर हुए हैं, वह तीसरे मुकाबले में वापसी कर लेंगे। लेकिन वह चोट से नहीं उबर पाए और पूरी सीरीज से ही बाहर हो गए। राहुल के चोटिल होने से लखनऊ सुपरजाइंट्स के फैंस भी टेंशन में आ गए कि वह आईपीएल खेल पाएंगे या फिर नहीं। कुछ दिन पहले मीडिया में ऐसी खबरें भी चल रही थी कि खिलाड़ी आईपीएल से भी बाहर हो सकते हैं। अब राहुल की हेल्थ पर नया अपडेट आया है।

रिटर्न टू प्ले सर्टिफिकेट का इंतजार

केएल राहुल आखिरी आईपीएल सीजन में भी 9 मुकाबले खेलने के बाद चोटिल होकर पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। इससे लखनऊ की टीम को काफी नुकसान भी उठाना पड़ा था। ऐसे में फैंस खुश थे कि आईपीएल 2024 में वह एक बार फिर से अपने कप्तान को खेलते

देख सकेंगे, लेकिन राहुल की चोट ने फैंस की उत्साह पर पानी फेर दिया। अब टाइम्स ऑफ इंडिया ने केएल राहुल को लेकर नया अपडेट जारी किया है। बताया जा रहा है कि राहुल मेडिकल टीम से परामर्श लेने के लिए लंदन गए हुए थे। फिलहाल वह लंदन से लौटने के बाद बेंगलुरु पहुंचे हैं, जहां वह बीसीसीआई की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जांच करवा रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि खिलाड़ी को एनसीए से रिटर्न टू प्ले सर्टिफिकेट मिल जाएगा।

क्या आईपीएल 2024 खेलते दिखेंगे राहुल

केएल राहुल भी चोट के बाद वापसी करने के लिए आतुर हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ी आईपीएल 2024 में खेलते दिखेंगे। इससे लखनऊ सुपरजाइंट्स के फैंस में खुशी की लहर है। राहुल की वापसी से लखनऊ की टीम और अधिक मजबूत हो गई है। बता दें कि केएल राहुल इन दिनों काफी फॉर्म में चल रहे हैं।

खिलाड़ी ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भी शानदार पारी खेली थी। उन्होंने मैच की पहली पारी में 123 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 22 रन बनाए थे। ऐसे में फैंस को उम्मीद है कि वह आईपीएल 2024 में भी अपने बल्ले से खूब धूम मचाते नजर आएंगे।

120 घंटे में सीखा सबक, 10 छक्के 5 चौके के साथ ठोका शतक

उस्मान खान ने पीएसएल में तबाही मचाई गजब

इस्लामाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। 28 साल के बल्लेबाज उस्मान खान ने पाकिस्तान सुपर लीग की पिच पर तूफानी शतक जड़ा है. ये उनके पीएसएल करियर का दूसरा शतक है, जो कि कराची किंग्स के खिलाफ उनके बल्ले से निकला है. उस्मान के शतक की बदौलत मुल्तान सुल्तांस ने 20 रन से जीत दर्ज की.

कहते हैं गलतियों से सीखना चाहिए. उन्हें दोहराने से बचना चाहिए. और, पीएसएल की पिच पर ऐसा ही कुछ किया है यूएई के बल्लेबाज उस्मान खान ने. 28 साल के इस मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज ने 120 घंटे पहले की

अपनी गलती से सबक लेते हुए शतक जड़ दिया. उनके शतक में 15 छक्के-चौके देखने को मिले, जिसन मैच का मूमेंटम भी उनकी ओर मोड़ दिया. हम बात कर रहे हैं पाकिस्तान सुपर लीग में 3 मार्च की शाम खेले मुकाबले की, जो मुल्तान सुल्तांस और कराची किंग्स के बीच खेला गया. इस मुकाबले में पीएसएल की टेबल टॉपर मुल्तान सुल्तांस ने अपनी छठी जीत दर्ज की. उसने कराची किंग्स को 20 रन से हराया, जो कि पाकिस्तान सुपर लीग के मौजूदा सीजन में अब तक खेले 6 मैचों में उसकी चौथी हार रही. मुल्तान सुल्तांस की शानदार जीत और कराची किंग्स की हार की गाथा के बीच जिस एक बल्लेबाज ने बड़ा रोल प्ले किया, वो रहे उस्मान खान.

उस्मान खान ने मुकाबले में 10 चौके और 5 छक्के के साथ 179.66 की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 59 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाए. ये पाकिस्तान सुपर लीग में उनका दूसरा शतक है. उस्मान के इस शतक की बदौलत मुल्तान सुल्तांस ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 189 रन बनाए, जिससे पार पाना कराची किंग्स के लिए मुश्किल हो गया. 190 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कराची किंग्स 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन ही बना सकी.

अब आइए जानते हैं कि उस्मान खान के साथ 120 घंटे पहले क्या हुआ था? 120 घंटे पहले यानी 27 फरवरी को जब उन्होंने पीएसएल की पिच पर अपना पिछला मैच लाहौर कलंदर्स के खिलाफ खेला, तो शतक बनाने का मौका वहां भी मिला था.

मियामी की जीत में मेसी और सुआरेज का डबल गोल

मेजर लीग सॉकर में इंटर ने ओरलैंडो सिटी को 5-0 से रौंदा

लाउडरडेल, 4 मार्च (एजेंसियां)। यह वह नजारा था जो कभी स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के लिए देखने को मिलता था। लियोनल मेसी और लुई सुआरेज की जोड़ी ने जो कभी बार्सिलोना के लिए किया, वही पहली बार अपने नए अमेरिकी क्लब इंटर मियामी के लिए करके दिखाया। इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में ओरलैंडो सिटी पर 5-0 से जीत दर्ज की, जिसमें मेसी और सुआरेज ने दो-दो गोल किए। सुआरेज ने खेल के सात मिनट में ही दो गोल कर डाले और

बाद में मेसी के एक गोल में उन्होंने सहायता भी की।

मेसी और सुआरेज की बदौलत इंटर मियामी ने अब तक की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। एमएलएस में मेसी ने एक मैच में पहली बार दो गोल किए। मेसी और सुआरेज के अलावा बार्सिलोना में उनके पूर्व साथी सर्गियो बस्कुए और जोर्डी एल्बा की मौजूदगी में मियामी की टीम बिल्कुल बदली हुई नजर आई। मेसी ने मैच के बाद कहा भी कि हम सभी जानते हैं कि सुआरेज कितने सक्षम हैं। चौथे और सातवें मिनट में सुआरेज के दोनों गोल में जूलियन ग्रेसेल ने सहायता की। इस जीत के साथ मियामी के तीन मैच में सात अंक (दो जीत, एक ड्रॉ) हो गए हैं। यह लीग के इतिहास में पहली बार है जब मियामी को पहले तीन मैच में कोई हार नहीं मिली है।

मेसी ने कहा कि पहले गोल ने मैच की पूरी दिशा बदल दी। सुआरेज ने राबर्ट टेलर की ओर से 29वें मिनट में किए गए तीसरे गोल में भूमिका निभाई। उन्होंने दाएं छोर से टेलर के लिए क्रास फेंका, जिसे उन्होंने 15 गज की दूरी से गोल में पहुंचा दिया। मेसी ने पहला गोल 57वें मिनट में किया।

दक्षिण अफ्रीकी टीम से मुख्यमंत्री ने मुलाकात की

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दक्षिण अफ्रीका के मीडिया पेशेवरों के साथ बातचीत की। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न हिस्सों के 29 मीडिया पेशेवरों के साथ बातचीत की, जो भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पत्रकारिता और जनसंपर्क पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 फरवरी से 9 मार्च, 2024 तक डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक एवं विशेष मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार के डॉ. शशांक गोयल, आईएएस और पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. माधवी रावुलापति भी उपस्थित थे। दक्षिण अफ्रीका के मीडिया पेशेवरों ने माननीय की गहरी सराहना की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, उनके साथ बातचीत करने और इस तरह उनका मनोबल बढ़ाने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद। उन्होंने डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता, जिसमें उनके प्रवास, विशेषज्ञों के सत्र और क्षेत्र के दौरे शामिल हैं, पर भी प्रसन्नता व्यक्त की बातचीत के बाद रेवंत रेड्डी के साथ मीडिया पेशेवरों की एक समूह तस्वीर ली गई।

एमएलसी कविता ने कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी की एमएलसी कविता ने जीओ नंबर 3 जारी कर बच्चियों के मुंह में कीचड़ डालने के कांग्रेस सरकार के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है। सोमवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कविता ने कहा कि जीओ जारी होने से महिलाओं के लिए नौकरी के अवसर कम हो जाएंगे और उन्होंने कहा कि गुरुकुल में केवल 77 पद महिलाओं को दिए गए हैं।

यह कहते हुए कि 6,000 नौकरियों में से केवल 70 पद महिलाओं को दिए गए, उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत जीओ नंबर 3 को रद्द कर दे, जो महिलाओं के लिए अनुचित है। उन्होंने कहा कि जीओ 3 के खिलाफ काले रिबन पहनकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है और कहा कि 8 मार्च को महिला दिवस पर धरना चौक पर धरना दिया जाएगा। रोस्टर प्रणाली के साथ, अधिक महिलाओं को नौकरी नहीं मिलने का खतरा है।रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी को बड़े भाई कहकर संबोधित किया। इससे पता चलता है कि भाजपा-कांग्रेस एक ही हैं। कविता ने जानना चाहा कि केंद्रीय बजट में एक भी रुपया नहीं देने वाले मोदी रेवंत रेड्डी के बड़े भाई कैसे बनेंगे।

गोपनपल्ली एडलावानीकुंट में झील अधिकारियों ने अवैध गतिविधियों को रोका

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। झील अधिकारियों ने शेरिलिंगमपल्ली मंडल के गोपनपल्ली में एडलावानीकुंटा की अवैध गतिविधियों को रोक दिया है। जीएचएमसी के अंतर्गत 5.300 एकड़ एफटीएल क्षेत्र अधिसूचित जल निकाय तालाब पर कुछ रेलकर्मियों ने भागने की कोशिश की। उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। अदालत की मदद से उन्होंने पूरे तालाब पर कब्ज़ा करने के लिए तालाब के तटबंध को काट दिया और झील के अधिकारियों ने तालाब में मलबा और पत्थर डालना बंद कर दिया और तालाब को अलग होने से रोक दिया। जीएचएमसी ने हाल ही में शेरलिंगमपल्ली मंडल के गोपनपल्ली गांव में स्थित जल निकाय को अधिसूचित किया, जबकि झील विभाग तालाब के जीर्णोद्धार, मुख्य बंधन निर्माण, इनलेट बहाली बाड़ लगाने आदि जैसे विभिन्न विकास कार्यों को अंजाम दे रहा था। यह दावा करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया कि यह संपत्ति थी। उन्होंने सिंचाई विभाग द्वारा की जा रही खुदाई को रोकने और उन्हें उक्त सर्वेक्षण संख्या में भूमि पर खेती करने की अनुमति देने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। उच्च न्यायालय डब्लूपी संख्या 345/2024 दिनांक 5-6-2024 के पैरा 6 में न्यायिक स्थिति के लेक्स डिवीजन को निर्देश जारी किए हैं कि उच्च न्यायालय आदेश के अनुसार मालिक की भूमि में हस्तक्षेप किए बिना कार्य किया जा सकता है। संपत्ति और कृषि भूमि को नुकसान पहुंचाए बिना 95 प्रतिशत कार्य पहले ही पूरे हो चुके हैं। झील के अधिकारियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान देखा कि पट्टेदार तालाब में निर्माण सामग्री, बोल्डर डंप कर रहे थे और दिनांक 5 जुलाई 2023 को गच्चीबोवली पुलिस स्टेशन में पट्टेदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। सर्वे नंबर 71/1,71/2 प्रकाश और राजू एडलावानीकुंटा ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए जिला कलेक्टर रंगारेड्डी को इसकी सूचना दी और जिला कलेक्टर ने उन्हें नोटिस जारी किया। इस संबंध में, विभिन्न कॉर्पोरेट कंपनियां सीएसआर कार्यक्रम, जीएचएमसी के तहत झीलों के कायाकल्प और विकास के तहत अपनाए गए तालाबों के विकास के लिए अच्छे इरादों के साथ आगे आई हैं। स्वीकृत योजनाओं और डिज़ाइनों के अनुसार, सीएसआर एजेंसियों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों की देखरेख में झील के जीर्णोद्धार का काम शुरू कर दिया है। तालाब के चारों ओर बाड़ लगाने, भू-दृश्य निर्माण, सौंदर्यीकरण के साथ तालाब के चारों ओर पैदल चलने वाले ट्रैक के विकास, इनलेट, आउटलेट में सुधार, तालाबों की सफाई, डिसिल्टिंग आदि के साथ एफटीएल सीमाओं की रक्षा के लिए काम करता है। पेद्दारचेरुवु नल्लागंडला एफटीएल भूमि में झीलों का विकास नहीं किया गया है। बड़े तालाब गंगाराम, पटेल तालाब गोपी तालाब और गोपनपल्ली टैंक की आगे की विकास गतिविधियां भी मानदंडों के अनुसार तालाब बफर जोन के भीतर हैं। जंगनकुंटा राजस्व अधिकारियों के साथ जांच कर नियमानुसार कार्रवाई कर रही है। इसके अलावा, जीएचएमसी आयुक्त क्षेत्र स्तर पर सभी सीएसआर झीलों का निरीक्षण कर रहे हैं और उचित विकास सुनिश्चित करने के लिए झील अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर रहे हैं।

जीएसआई दक्षिणी क्षेत्र ने शहर में 174वां स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिणी क्षेत्र, जीएसआई द्वारा 174वां जीएसआई स्थापना दिवस सोमवार को हैदराबाद स्थित अपने मुख्यालय में बड़े उत्साह और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में वेंकटेश्वर राव, अतिरिक्त महानिदेशक और एचओडी, एसआर एल.पी. सिंह, डिप्टी महानिदेशक, एसयू: तेलंगाना, एस.एन. महापात्रो, उप. महानिदेशक, एसयू: आंध्र प्रदेश, अंशुमन आचार्य, उप। महानिदेशक एवं आरएमएच-III आरएमएच-I, के.वी. के अतिरिक्त प्रभार के साथ मारुति, उप महानिदेशक एवं आरएमएच-IV और एम.एन. प्रवीण, उप महानिदेशक और आरएमएच-द्वितीय, एसआर जीएसआई के पूर्व महानिदेशक एम. राजू भी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अलावा, आसपास के स्थानीय स्कूलों के छात्रों को एसआर, जीएसआई, हैदराबाद के रॉक गार्डन का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस अवसर पर बोलते हुए सी.एच. वेंकटेश्वर राव, अतिरिक्त महानिदेशक और एचओडी, एसआर ने दक्षिणी क्षेत्र के सभी कर्मचारियों को इस महान संगठन का हिस्सा बनने के लिए बधाई दी और जीएसआई के गौरवशाली अतीत के बारे में बात की।

उन्होंने सभी कर्मचारियों से भारत सरकार के खान मंत्रालय की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उत्कृष्टता हासिल करने के लिए पूरे दिल से योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने रिकॉर्ड समय के भीतर ई-एचआरएमएस और आईजीओटी के संबंध में निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में दक्षिणी क्षेत्र की सफलता के बारे में दोहराया। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की और सभी उपनिदेशकों को बधाई दी। खान मंत्रालय के सचिव के निर्देश का पालन करते हुए एनजीसीएम डेटा की उपयोगिता, एनजीडीआर पोर्टल और उभरती प्रौद्योगिकी पर कार्यशालाओं के सफल आयोजन के लिए राज्य इकाइयों के महानिदेशक और जीएसआई, एसआर के उन अधिकारियों को सम्मानित किया जिन्होंने जीएसआई के लिए अपनी समर्पित सेवा के 30 से अधिक वर्षों का समय दिया है। उन्होंने जीएसआई को गौरवान्वित करने के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न शाखाओं के जीएसआई, एसआर के कुछ अधिकारियों को भी सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के मौके पर, जीएसआई, दक्षिणी क्षेत्र की बहुमुखी गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली कॉफी टेबल पुस्तकें भी जारी की गईं।

बीआरएस ने चार प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता के.चंद्रशेखर राव ने बीआरएस पार्टी के उम्मीदवारों की घोषणा की जो संसदीय चुनाव लड़ेंगे। करीमनगर बी विनोद कुमार, पेद्दापल्ली कोप्पुला ईश्वर, खम्मम नामा नागेश्वर राव, महबूबाबाद मलोट की कविता के नाम की घोषणा की गई है। पिछले दो दिनों से संबंधित संसदीय क्षेत्र के प्रमुख नेताओं से चर्चा के बाद सामूहिक निर्णय के तहत चार प्रत्याशियों की घोषणा की गयी। इस मौके पर केसीआर ने उम्मीदवारों को बधाई दी।

बीआरएस के मेयर समेत बीस पार्षद कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामगुंडम नगर निगम में 20 बीआरएस पार्षद गांधी भवन में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। विधायक राज ठाकुर के नेतृत्व में एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, मंत्री श्रीधर बाबू, सरकार के सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल, एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

मेयर बांगी सहित 20 नगरसेवकों को कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया गया।

प्रेमिका के परिवार वालों ने की युवक की हत्या

जगतियाल, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मल्लियाल मंडल के थक्कलपल्ली में एक युवक की उस महिला के परिवार के सदस्यों ने दिनदहाड़े हत्या कर दी जिससे वह प्यार करता था। पेगडापल्ली मंडल के बथकेपल्ली का मूल निवासी, महेश कथित तौर पर थक्कलपल्ली की एक महिला से प्यार करता था। सोमवार को, महेश महिला के घर गया जब उसके परिवार के सदस्यों ने उससे बहस की। जब बहस गंभीर हो गई तो महेश ने कथित तौर पर महिला की मां और दादा पर चाकू से हमला कर दिया। घटना से गुस्साए महिला के परिजनों ने जवाबी कारवाई में महेश की मौके पर ही हत्या कर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच जारी है।

मेट्रो रेल के दूसरे चरण के निर्माण को अंतिम रूप

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेट्रो ट्रेन के दूसरे चरण के निर्माण को अंतिम रूप दे दिया गया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इस महीने की 8 तारीख को पटाबस्ती में दूसरे चरण की आधारशिला रखेंगे। एमजीबीएस से फलकनुमा तक 5.5 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन पर काम शुरू किया जाएगा। यह गलियारा सालारजंग संग्रहालय, चारमीनार, सलीबदा और फलकनुमा के बीच चार स्टेशनों के साथ बन रहा है। दूसरे चरण में कुल 70 किमी राज्य सरकार ने नई रेलवे लाइन बनाने का निर्णय लिया है और रूट मैप को अंतिम रूप दे दिया है। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि इसके तहत, मुख्यमंत्री इस महीने की 8 तारीख को दूसरे चरण के 5.5 किमी लंबे हिस्से की आधारशिला रखेंगे। हैदराबाद में वर्तमान में तीन गलियारों में 69 किमी मेट्रो रेल है। मियापुर से एलबीनगर, जेबीएस से एमजीबीएस, नागोल से रायदुर्गम तक कनेक्टिविटी है। 5.5 किमी का नव निर्माण। यदि उपलब्ध हो, तो एमजीबीएस के माध्यम से सिकंदराबाद, जेबीएस से सीधे फलकनुमा पहुंचा जा सकता है। कॉरिडोर 4, 5, 6 और 7 का रूट मैप तैयार कर चुकी सरकार को यह बताना होगा कि इनके निर्माण की आधारशिला कब रखी जाएगी।

कांग्रेस सरकार एलआरएस योजना के माध्यम से 20 हजार करोड़ रुपये लूट रही है : केटीआर

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के तारकरामा राव ने कांग्रेस सरकार पर भूमि नियमितीकरण योजना (एलआरएस) के माध्यम से लोगों से 20,000 करोड़ रुपये लूटने का आरोप लगाया। आज तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, केटीआर ने आवेदकों से कोई शुल्क लिए बिना एलआरएस के माध्यम से भूखंडों को तत्काल नियमित करने की मांग की। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने अतीत में वादा किया था कि एलआरएस शुल्क की कोई आवश्यकता नहीं होगी और भूमि नियमितीकरण मुफ्त में किया जाएगा। केटीआर ने वर्तमान कांग्रेस मंत्रियों की चुप्पी पर सवाल उठाया, जिन्होंने अतीत में एलआरएस का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बीआरएस सरकार के दौरान एलआरएस के खिलाफ बोलने वाले रेवंत रेड्डी, भट्टी विक्रमार्क, सीताक्का, कोमाटिरेड्डी और उत्तमकुमार रेड्डी सहित कांग्रेस नेताओं को बताना चाहिए कि सत्ता में आने के बाद वे अब चुप क्यों हैं। केटीआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एलआरएस के माध्यम से आवेदन करने वाले 25.44 लाख लोगों पर कम से कम 1 लाख रुपये का बोझ पड़ेगा, क्योंकि कांग्रेस सरकार अपने वादे से मुकरती दिख रही है।

बीआरएस पार्टी ने कांग्रेस सरकार द्वारा बिना किसी शुल्क के एलआरएस के माध्यम से भूखंडों को नियमित करने की मांग करते हुए 6 मार्च को राज्य भर में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। केटीआर ने एलआरएस पर कांग्रेस नेताओं के पलटवार पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने लोगों से पैसे लूटने के साधन के रूप में एलआरएस पर कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई आलोचना के वीडियो चलाए। उन्होंने राज्य सरकार पर एलआरएस आवेदकों पर 31 मार्च से पहले शुल्क का भुगतान करने का दबाव डालने का आरोप लगाया और इसकी तुलना "लोगों का खून पीने" से की। केटीआर ने मंत्रियों भट्टी विक्रमार्का और उत्तमकुमार रेड्डी से पूछा, जिन्होंने पहले 'नो एलआरएस - नो बीआरएस' पर जोर दिया था और स्पष्ट विरोधाभास के लिए स्पष्टीकरण की मांग की थी। कांग्रेस नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ गुस्सा जाहिर करते हुए, केटीआर ने 6 मार्च को राज्य भर में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। इन कार्यक्रमों में हर निर्वाचन क्षेत्र में धरना और हैदराबाद में विशेष विरोध प्रदर्शन शामिल होंगे, खासकर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) और ग्रेटर हैदराबाद नगरपालिका के सामने। केटीआर ने राज्य सरकार को तुरंत घोषणा करने की चेतावनी दी कि एलआरएस कार्यक्रम के तहत कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, जैसा कि कांग्रेस ने वादा किया था।

केटीआर ने संयुक्त महबूबनगर जिले के नेताओं के साथ बैठक की

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज शहर के तेलंगाना भवन में संयुक्त महबूबनगर जिले के नेताओं के साथ बैठक की।

इस मौके पर आगामी लोस चुनाव की कार्ययोजना पर चर्चा की गयी। आगामी लोकसभा और एमएलसी उपचुनाव पर चर्चा हुई। स्थानीय निकाय एमएलसी अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। आज से नामांकन शुरू होने के साथ ही केटीआर ने इस चुनाव पर की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा की। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए महबूबनगर और नगरकुर्नूल लोकसभा सीटों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों पर चर्चा की।

इस अवसर पर बोलते हुए, केटीआर ने कहा कि एक या दो दिन के भीतर, पार्टी प्रमुख केसीआर इन दो संसदीय क्षेत्रों पर एक व्यापक तैयारी बैठक बुलाएंगे। बैठक के दौरान नेताओं ने राय दी कि वे एमएलसी के साथ-साथ लोकसभा चुनाव से जुड़े हालात को लेकर भी केसीआर से अपील करेंगे। नेताओं ने उम्मीद जताई कि पार्टी की दोनों लोकसभा चुनावों के साथ-साथ एमएलसी चुनावों में जीत की संभावना प्रबल है।

सरकारी स्कूल में पढ़कर इस स्तर तक पहुंचे : सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह सरकारी स्कूल में पढ़कर इस स्तर तक पहुंचे हैं। उन्होंने एलबी स्टेडियम में व्याख्याता और शिक्षक की नौकरी के लिए चुने गए 5,192 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कहा कि तीन माह के अंदर 30 हजार लोगों को नौकरी के दस्तावेज दिये गये हैं। कहा जाता है कि किसान को राजा बनाने के नियम की शुरुआत एलबी स्टेडियम में ही हुई थी। तेलंगाना की उपलब्धि में बेरोजगारों और युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उनके त्याग और बलिदान से स्वराष्ट्र साकार हुआ। सोचा गया था कि अलग तेलंगाना बनेगा तो न्याय होगा. लेकिन, परिवार के शासन में युवाओं की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं. युवाओं ने सोचा कि उन्हें नौकरियां तभी मिलेंगी जब केसीआर और उनके परिवार के सदस्यों को बाहर कर दिया जाएगा।

योजना के अनुसार काम करने से अब नौकरियाँ आ रही हैं। कुछ लोग अंग्रेजी न जानने के कारण मेरा मजाक उड़ा रहे हैं। मैंने जिला परिषद स्कूल में तेलुगु माध्यम में पढ़ाई की। वह गुंटूर और गुडीवाड़ा गए और कॉर्पोरेट स्कूलों में पढ़ाई नहीं की। पिछले शासकों ने हजारों गुरुकुलों के निर्माण का दावा किया था।

उनके लिए कहीं भी स्थाई भवन नहीं बनाये गये। गरीब छात्र सुविधा विहीन किराये के भवन में रह रहे हैं। केसीआर ने राशन के नाम पर 6 हजार स्कूल बंद कर दिए. जाति के लोगों के बच्चों से भी ऐसा ही करने की अपेक्षा की जाती थी। गरीबों ने ऐसा व्यवहार किया मानो वे केवल भेड़, मवेशी और मछलियां ही पालते हों। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा, केसीआर ने अपने पोते के पालतू कुत्ते के मरने पर पशु चिकित्सक के खिलाफ मामला दायर किया है।

हैदराबाद में सोने की कीमतें 62,500 रुपये जा पहुंची

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक आर्थिक संकेतकों में उतार-चढ़ाव के बीच हैदराबाद में सोने की कीमत में तेजी जारी है, जो सोमवार को एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। सोमवार को प्रति 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 64,090 रुपये रही, जो पिछले महीने की ऊंची स्थिति को बरकरार रखती है। इसी तरह 22 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत एक महीने के उच्चतम स्तर 58,750 रुपये पर रही। शहर में पिछले दो दिनों से लगातार कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। 29 फरवरी से सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। सोना 63,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 450 रुपये तक जा पहुंची। यह उछाल पिछले वर्ष में केवल तीसरा उदाहरण है जब हैदराबाद में सोने की कीमत 62,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गई है। इससे पहले, 4 दिसंबर, 2023 को कीमत 64,200 रुपये थी, इसके बाद 28 दिसंबर, 2023 को कीमत 64,250 रुपये थी। इसके विपरीत, चांदी की कीमतों में गिरावट का रुख देखा जा रहा है। सोमवार को शहर में प्रति किलोग्राम चांदी की कीमत 77,000 रुपये दर्ज की गई, जो इसके मूल्य निर्धारण रुझान में गिरावट का संकेत है। देश के विभिन्न शहरों में सोने की कीमतों में उछाल देखा गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.